दैनिक संध्य प्रकाश

भोपाल की धड़कन

वर्ष 52/ अंक 141/ पृष्ठ 8 / मूल्य ₹ 2.10

संस्थापक- स्व. सुरेंद्र पटेल

■आर.एन.आई 22296/71 ■डाक पंजीयन मप्र/भोपाल/125/12-14

भोपाल, सोमवार 26 दिसंबर 2022 भोपाल से प्रकाशित

dainiksandhyaprakash.in

जल्द करा लें पैन को आधार से लिंक: 31 मार्च 2023 के बाद आधार से लिंक नहीं किए गए पैन कार्ड होंगे इनऑपरेटिव

मुख्यमंत्री शिवराज की प्रधानमंत्री मोदी से मुलाकात, प्रवासी सम्मेलन पर चर्चा

भोपाल। मध्यप्रदेश में प्रवासी भारतीय दिवस एवं सम्मेलन, गलोबल इंवेस्टर समिट जनवरी में होने हैं। इसकी तैयारियों को लेकर मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से दिल्ली में मुलाकात की। दोनों के बीच एक घंटे मीटिंग चली। सीएम ने प्रधानमंत्री को प्रदेश में होने वाले कार्यक्रमों के साथ ही केंद्र सरकार की योजनाओं की प्रदेश में प्रगति की जानकारी भी दी।

मुख्यमंत्री ने खुद ट्वीट कर इसकी जानकारी दी। उन्होंने लिखा- प्रधानमंत्री से मिलकर काम करने की एक नई ऊर्जा का संचार होता है। इसके साथ ही उन्होंने दिल्ली में मीडिया से बात भी की और कहा- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के साथ मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान की मध्यप्रदेश के जन कल्याण के विभिन्न विषयों पर आज नई दिल्ली में चर्चा हुई। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी प्रवासी भारतीय दिवस का इंदौर में उद्घाटन करेंगे। अगले माह जनवरी में इंदौर में आयोजित होने वाले प्रवासी भारतीय दिवस, जी 20 समिट, ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट और खेलो इंडिया यूथ गेम्स के आयोजन संबंधी विषयों पर मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी से मार्गदर्शन प्राप्त किया। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट में प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी से वर्चुअल उपस्थित एवं संबोधित करने का आग्रह किया है। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने मध्यप्रदेश में चल रहे विकास कार्यों, कार्यक्रमों और जनकल्याण की योजनाओं की प्रगति से माननीय प्रधानमंत्री जी को अवगत कराया एवं अन्य समसामयिक विषयों पर प्रधानमंत्री जी से चर्चा की।

अटल समाधि पहुंचे राहुल

भाजपा ने बोला हमला: कहा- अटलजी को अंग्रेजों का मुखबिर कहने वाले को पार्टी से निकाले कांग्रेस

नई दिल्ली। भारत जोड़ो यात्रा से ब्रेक लेकर राहुल गांधी सोमवार सुबह दिल्ली में पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की समाधि पहुंचे। राहुल के पूर्व क्करूकी समाधि पर पहुंचने के बाद भाजपा ने उन पर हमला बोल दिया है। भाजपा ने कहा है कि अगर कांग्रेस वाकई अटलजी का सम्मान करती है, तो उन्हें अंग्रेजों का मुखबिर कहने वाले गौरव पांधी को कांग्रेस से निकालें। साथ ही उनके बयान के लिए माफी भी मांगें।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, कांग्रेस नेता गौरव पांधी ने विवाद के बाद अपना ट्वीट डिलीट कर दिया है। पांधी ने रविवार यानी 25 दिसंबर को अटल की जयंती के मौके पर कहा था- 1942 में आरएसएस के अन्य सदस्यों की तरह अटल बिहारी वाजपेयी ने भारत छोड़ो आंदोलन का बहिष्कार किया। उन्होंने आंदोलन में शामिल होने वाले वालों के खिलाफ ब्रिटिश मुखबिर के तौर पर काम किया।

प्रदेश भाजपा कार्यालय में आज संगठनात्मक बैठक में प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा, संगठन महामंत्री हितानंद, महामंत्री भगवानदास सबनानी आदि मौजूद रहे।

राजस्थान, मप्र समेत 6 राज्यों में सर्दी का अलर्ट

दिल्ली में 3 डिग्री, तो चूरू में 0 डिग्री रिकॉर्ड

नई दिल्ली। उत्तर भारत में सर्दी का प्रकोप बढ़ गया है। मध्यप्रदेश, राजस्थान, दिल्ली, चंडीगढ़, पंजाब, हरियाणा और उत्तर प्रदेश के कई इलाकों में सोमवार सुबह शीतलहर के साथ घना कोहरा रहा। मौसम विभाग ने इन राज्यों में कड़ाके की सर्दी पड़ने का अलर्ट जारी किया है। पिछले 24 घंटों में यहां तापमान 3 से 7 डिग्री के बीच रिकॉर्ड किया गया। चूरू में सोमवार सुबह तापमान शून्य डिग्री दर्ज किया गया। इस वजह से विजिबिलिटी भी बेहद कम रही। ट्रेन और रोड ट्रांसपोर्टेशन पर भी असर देखा गया।

31 दिसंबर से 4 जनवरी तक हाड़ गलाने वाली सर्दी, पारा माइनस में जाएगा

मौसम वैज्ञानिकों के मुताबिक, 31 दिसंबर से 4 जनवरी तक पांच दिन इस सीजन के सबसे सर्द दिन हो सकते हैं। इस दौरान पंजाब, हरियाणा के कुछ इलाकों में रात का तापमान माइनस में जा सकता है। वहीं, दिल्ली, राजस्थान और पश्चिमी उत्तर प्रदेश में रात का तापमान 1 से 4 डिग्री के बीच रहेगा। दिन का अधिकतम तापमान 10 से 14 डिग्री तक रहने की संभावना है। मौसम विभाग के अनुसार भूमध्यसागर से उठा पश्चिमी विक्षोभ हिमालय के क्षेत्रों में सक्रिय होगा। इसके कारण 29 दिसंबर के बाद पहाड़ी राज्यों में भारी बर्फबारी होगी। कुछ स्थानों पर बारिश के भी आसार हैं।

दिल्ली में ठिठुरन बढ़ी, पारा 3 डिग्री तक पहुंचा

दिल्ली के कई इलाकों में सोमवार सुबह 8 से 10 बजे के बीच पारा 3 डिग्री तक पहुंच गया। मौसम विभाग ने पहले ही यहां यलो अलर्ट जारी किया था। मौसम विभाग के मुताबिक, दिल्ली के पालम में न्यूनतम तापमान 6.5 डिग्री, सफदरजंग में 5 डिग्री, आयानगर में 4.0 डिग्री, रिज में तापमान 4.1 डिग्री रिकॉर्ड किया गया। यहां अगले 5 दिन में और कड़ाके की सर्दी का अनुमान है।

राजस्थान: 2 शहरों का पारा माइनस में

राजस्थान में सोमवार को भी शीतलहर का प्रकोप जारी है। राज्य में क्रिसमस डे (बड़ा दिन) कड़ाके की सर्दी की शुरुआत लेकर आया। रविवार को सीजन में पहली बार दो शहरों का पारा माइनस में चला गया। माउंट आबू में पारा माइनस 0.5 पहुंचा, जबकि जयपुर के जोबनेर में माइनस एक डिग्री रहा।

सचिन पायलट पर अशोक गहलोत का निशाना, बोले-एक जाति के समर्थन से कोई सीएम नहीं बनता

जयपुर। कांग्रेस आलाकमान के अशोक गहलोत बनाम सचिन पायलट की लड़ाई सुलझाने के प्रयास विफल होते नजर आ रहे हैं। एक बार फिर दोनों गुटों में बयानबाजी जारी है। अब अशोक गहलोत ने सचिन पायलट पर निशाना साधते हुए कहा कि एक जाति से कोई मुख्यमंत्री नहीं बन सकता है।

मीडिया रिपोर्टस के अनुसार मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने रविवार को भरतपुर के उच्चैन में जनसभा को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि मैं अपनी जाति से अकेला विधायक हूं पर मुझे सभी जातियों से समर्थन मिला है। इसलिए मैं मुख्यमंत्री बना हूं। मैं सौभाग्यशाली हूं कि हर वर्ग और जाति के लोग प्यार करते हैं। वह 36 कौम के नेता है। जाट हो, गुर्जर हो, बनिया हो, मीणा हो, मुझे सभी को समर्थन मिला। इसी दौरान उन्होंने इशारों-इशारों में सचिन पायलट पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि मैं इस बात को जानता हूं कि जातियों के आधार पर कोई मुख्यमंत्री नहीं बनते हैं। अगर 36 कौम मुझसे प्यार नहीं करती, आशिर्वाद नहीं देती, मैं तीसरी बार मुख्यमंत्री कैसे बनता।

बिहार में विदेश से आए 4 यात्री कोरोना पॉजिटिव, 24 घंटों में देश में 196 नए केस

नई दिल्ली। चीन, जापान, अमेरिका, दक्षिण कोरिया उन देशों में शामिल हैं, जहां कोरोना महामारी ने पलटवार किया है। चीन में सबसे ज्यादा हालत खराब है। यहां से ताजा खबर यह है कि बड़े शहरों में रोज रिकॉर्डतोड़ मरीज सामने आ रहे हैं। अब सरकार ने आंकड़े छिपाना भी शुरू कर दिया है। आशंका जताई जा रही है कि चीन में अभी कोरोना की इस लहर का पीक नहीं आया है। जनवरी में वहां हाहाकार मच सकता है। इस बीच, भारत में राज्य सरकारों ने एहतियाती कदम उठाना शुरू कर दिया है। बिहार से खबर है कि यहां विदेश से आए चार यात्रियों में कोरोना संक्रमण पाया गया है। गया एयरपोर्ट पर इनके नमूने लिए गए थे और अब कोरोना की पुष्टि हुई है। सभी को क्वारंटाइन कर दिया गया है। वहीं भारत में पिछले 24 घंटों में कोरोना के 196 नए मरीज सामने आए हैं। यह आंकड़ा पिछले दिनों से एक दिन में आ रहे केस से कम है। अच्छी बात यह भी है कि पिछले 24 घंटों में एक भी मरीज की मौत नहीं हुई है।

अमेरिका में बर्फीले तूफान से हाहाकार, न्यूयॉर्क में 8 फीट बर्फ, 34 मौतें

न्यूयॉर्क। अमेरिका में क्रिसमस से पहले आए बर्फीले तूफान का कहर जारी है। देश के 20 करोड़ से ज्यादा लोगों की जिंदगी मुश्किल बनाने वाले इस तूफान को साइक्लोन बॉम्ब कहा जा रहा है। तापमान तेजी से गिरने के बाद भारी ठंड से 34 लोगों की मौत हो चुकी है। सड़कों पर भारी बर्फ के चलते एंबुलेंस मरीजों तक नहीं पहुंच पा रही हैं।

तूफान से बिजली की लाइनों को नुकसान हुआ है और कई शहरों में बिजली गुल है। पूरे अमेरिका में हजारों कारोबारियों का कामकाज ठप हो गया है। इधर, कनाडा में भी तूफान से चार लोगों की मौत हो चुकी है। मैक्सिको में भी तूफान के असर से कई शहरों में तापमान शून्य से 42 डिग्री तक नीचे पहुंच गया है। खराब मौसम की वजह से अमेरिका में पिछले 48 घंटे में 10 हजार से ज्यादा फ्लाइट्स कैंसिल हो गई हैं। कई एयरपोर्ट्स के रनवे तक बर्फ में दब चुके हैं।

कहीं 8 फीट बर्फ की चादर, कहीं बाढ़ में डूबे शहर

साइक्लोन ने 3 हजार 200 किलोमीटर के इलाके को अपनी चपेट में लिया है। अमेरिका के मोंटाना शहर में शनिवार को पारा -42 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया। वहीं, न्यूयॉर्क स्टेट के शहर बफेलो में 8 फीट बर्फ की चादर बिछ गई। अमेरिका-मेक्सिको बॉर्डर पर लोग सर्दी से बेहाल हो गए हैं। कई जगहों में बाढ़ जैसे हालात भी देखे गए।

बिजली लाइनें टूटीं, अंधेरे में डूबे शहर

भारी बर्फबारी की वजह से कई जगह बिजली का हाईटेंशन लाइनों में स्पार्किंग हुई। इसके बाद बिजली की सप्लाई ठप हो गई और कई शहर अंधेरे में डूब गए। लोगों को क्रिसमस का त्यौहार भी भारी सर्दी और अंधेरे के बीच ही मनाना पड़ा। सोमवार सुबह तक कई जगह बिजली सप्लाई बहाल नहीं हो पाई थी।

सीबीआई ने दोबारा खोला लालू के खिलाफ भ्रष्टाचार का केस

बिहार की राजनीति में सियासी तूफान की आशंका

नई दिल्ली। सीबीआई ने राजद सुप्रीमो और बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री लालू प्रसाद यादव के खिलाफ भ्रष्टाचार के एक केस को दोबारा खोलने का फैसला किया है। बिहार सीएम नीतीश कुमार के भाजपा से अलग होकर राजद के साथ गठबंधन में शामिल होने के बाद सीबीआई के इस कदम से राज्य में राजनीतिक भूचाल आना तय है। गौरतलब है कि सीबीआई ने 2018 में लालू यादव के खिलाफ रेलवे प्रोजेक्ट आवंटन मामले में भ्रष्टाचार के आरोप लगने के बाद शुरू किया था। आरोप था कि लालू ने यह गड़बड़ियां यूपीए सरकार में रेलवे मंत्री रहने के दौरान की थीं। इस मामले में सीबीआई ने मई 2021 में जांच बंद कर दी थी। तब रिपोर्ट्स में सामने आया था कि सीबीआई को लालू के खिलाफ आरोपों पर पुख्ता सबूत नहीं मिले हैं। इस मामले में लालू के अलावा उनके बेटे और बिहार के डिप्टी सीएम तेजस्वी यादव और उनकी बेटी चंदा यादव के खिलाफ भी जांच बिठाई गई।

मजदूरों से भरी ट्रैक्टर-ट्राली को कंटेनर ने मारी टक्कर, दो की मौत

ग्वालियर। पुरानी छावनी इलाके में दो मजदूरों की सड़क हादसे में दर्दनाक मौत हो गई। यह लोग ट्रैक्टर ट्राली से बाजार गए थे, इसके बाद अपने साथियों के साथ लौट रहे थे। इसी दौरान सामने से तेज रफ्तार में आ रहे कंटेनर चालक ने टक्कर मार दी। जिन मजदूरों की मौत हुई, वह ड्राइवर के पास मडगाड पर बैठे हुए थे, ट्राली में करीब 25 लोग सवार थे। टक्कर लगने से एक युवक के तो पैर कुचल गए, जिससे अधिक खून निकला और उसने दम तोड़ दिया। एक मजदूर के सिर में चोट लगी, इस वजह से उसकी मौत हो गई। पुरानी छावनी थाना पुलिस ने मृतकों के शव का पोस्टमार्टम कराकर इनके स्वजनों के सुपुर्द कर दिया है। कंटेनर चालक पर एफआइआर दर्ज कर ली है।

गुजरात में मिट्टी की खदान धंसी, सीधी जिले के 2 युवकों सहित तीन श्रमिकों की मौत

सीधी। गुजरात के कच्छ जिले में एक मिट्टी की खदान धंसने से तीन लोगों की मौत हो गई। कच्छ जिले के खावड़ा में शुक्रवार शाम को मिट्टी के खदान में खुदाई हो रही थी।इसमें एक जेसीबी ऑपरेटर व दो अन्य कर्मचारी कार्य कर रहे थे। अचानक मिट्टी की खदान धंसने से जेसीबी ऑपरेटर सहित दो अन्य की दबने से घटनास्थल पर ही मौत हो गई।

दो मृतक ज्ञानेंद्र प्रसाद कोल निवासी ग्राम बल्हया व अशोक कुमार पटेल निवासी ग्राम देवगांव तहसील सिहावल जिला सीधी के हैं। एक मृतक जयसिंह निवासी रीवा जिले के हनुमना के ग्राम पिपराही गांव का रहने वाला था। रविकांत ने बताया कि सिहावल विधानसभा क्षेत्र के

रूस के एंगल्स एयरबेस पर हवाई हमला

मास्को। रूस के बॉम्बर बेस पर यूक्रेन ने ड्रोन से हमला किया इसमें तीन सैनिक मारे गए हैं। बीबीसी की रिपोर्ट के मुताबिक रूस के एयर डिफेंस ने यूक्रेन के ड्रोन को हवा में ही तबाह कर दिया था लेकिन उसका मलबा एंगल्स बॉम्बर बेस पर गिर गया। रूस ने इस घटना के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि यूक्रेन ने यह ड्रोन देर रात 1 बजकर 35 मिनट पर भेजा था। सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो में दिखाया गया कि ब्लास्ट से पहले एंगल्स एयर बेस पर सायरन सुने गए थे।

रूस की डिफेंस मिनिस्ट्री ने बयान जारी कर बताया है कि एंगल्स एयर बेस पर हुए हमले में किसी हथियार और सामान को नुकसान नहीं पहुंचा है। जिस इलाके साराटोव में यह एयर बेस है उसके गवर्नर रोमन बुसार्गिन ने बताया कि एंगल्स कस्बे के किसी नागरिक को कोई चोट नहीं आई है।

आईसीआईसीआई बैंक लोन केस में वेणुगोपाल धूत गिरफ्तार

नई दिल्ली। सेंट्रल ब्यूरो ऑफ इन्वेसेटिगेशन (सीबीआई) ने सोमवार को वीडियोकॉन ग्रुप के फाउंडर वेणुगोपाल धूत को गिरफ्तार कर लिया। आईसीआईसीआई बैंक लोन धोखाधड़ी मामले में ये गिरफ्तारी हुई है। इससे पहले एजेंसी ने शुक्रवार को आईसीआईसीआई बैंक की पूर्व सीईओ चंदा कोचर और उनके पति दीपक कोचर को अरेस्ट किया था। इसके बाद उन्हें मुंबई की स्पेशल कोर्ट ने दोनों को 3 दिन (24 से 26 दिसंबर) की कस्टडी में भेज दिया था।

आरोप है कि जब चंदा कोचर ने देश के बड़े प्राइवेट बैंकों में से एक आईसीआईसीआई बैंक की कमान संभाली तो वीडियोकॉन की विभिन्न कंपनियों को नियमों को ताक पर रखकर कुछ लोन स्वीकृत किए। इनमें 2012 में दिया गया 3250 करोड़ रुपए का एक लोन भी शामिल है। कम से कम 2 लोन उन कमेटियों ने स्वीकृत किए थे जिनमें चंदा कोचर मेंबर थीं। बाद में इनमें से कुछ लोन एनपीए घोषित कर दिए गए जिससे बैंक को घाटा हुआ। हालांकि अभी पूरी तरह से ये साफ नहीं है कि आईसीआईसीआई बैंक को इससे कितना घाटा हुआ है।

चंदा कोचर के वकील ने शनिवार को कोर्ट में कहा था कि चंदा ऐसी किसी भी कंपनी में डायरेक्टर या स्टेकहोल्डर नहीं थीं, जिसे लोन दिए गए थे। यह बयान श्वष्ठ को स्वीकार्य था और श्वष्ठ ने उन्हें गिरफ्तार नहीं किया। लेकिन ष्टक्चद्ब इस बयान से संतुष्ट नहीं हुई और गिरफ्तारी की गई। वकील ने कहा था कि इन लोन्स के लाभार्थी वीएन धूत है। उन्होंने सवाल किया, अगर सीबीआई को लगता है कि फ्रॉड हुआ तो कोचर को ही क्यों गिरफ्तार किया गया लाभार्थी को क्यों नहीं।

महाराष्ट्र-कर्नाटक सीमा विवाद पर उद्धव के कड़े तेवर, सीएम शिंदे की चुप्पी पर साधा निशाना

मुम्बई। महाराष्ट्र व कर्नाटक के बीच सीमा विवाद खत्म होने का नाम नहीं ले रहा है। विपक्ष के नेताओं ने आज नागपुर में विधान भवन के बाहर इसे लेकर प्रदर्शन किया। वहीं, सदन में इस बारे में लाए जा रहे प्रस्ताव पर विपक्ष के नेता व पूर्व सीएम उद्धव ठाकरे ने कड़ा रुख अपनाया। ठाकरे ने सीएम एकनाथ शिंदे पर आरोप लगाया कि वे सीमा विवाद पर मौन है, जबकि कर्नाटक के सीएम मुखर हैं।

विपक्ष के नेता ठाकरे ने सीमा विवाद को लेकर सुप्रीम कोर्ट का फैसला होने तक कर्नाटक के बेलगावी, कारवार व निप्पानी को केंद्र शासित प्रदेश घोषित किया जाए। विधान सभा में पारित होने वाले प्रस्ताव में इस मांग को शामिल किया जाए।

प्रस्ताव लाएंगे, महाराष्ट्र चुप नहीं बैठेगा: फडणवीस

ठाकरे के जवाब में डिप्टी सीएम देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि महाराष्ट की एक-एक इंच जमीन के लिए लड़ेंगे। महाराष्ट चुप नहीं बैठेगा। किसी भी हालत में हम महाराष्ट के सीमावर्ती क्षेत्रों के लोगों को अकेला नहीं छोड़ेंगे। हम एक एक इंच जमीन के लिए लड़ेंगे, भले सुप्रीम कोर्ट हो या केंद्र सरकार। उन्होंने कहा कि सीमावर्ती लोगों के साथ अन्याय नहीं होने देंगे। हम प्रस्ताव लाएंगे। महाराष्ट चुप नहीं बैठेगा।

शिव मंदिर के निर्माण को लेकर हुई बैठक

भोपाल। वार्ड 70 सुभाष कॉलोनी सेमरा रोड स्थित शिव मंदिर निर्माण और शिवलिंग स्थापना हेतु बैठक का आयोजन किया गया । जिसमे निर्णय लिया गया की शिवरात्रि तक शिवलिंग स्थापित की जाए साथ ही मंदिर निर्माण के बाकी जरूरी काम जल्द से जल्द पूरे किए जाए । मंदिर निर्माण के लिए समिति के सभी सदस्यों ने अपने ङ्कअपने श्राद्ध अनुसार चंदा राशि जमा की। बैठक के साथ ही शिव मंदिर समिति ने पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी बाजपेई जी की जयंती के उपलक्ष में उनके फोटो पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की।

कोलार ईसाई समाज ने क्रिसमस उत्सव रैली निकाली

भोपाल। कोलार ईसाई समाज की तरफ से क्रिसमस उत्सव रैली निकाली गई जिसमें समस्त कोलार चर्च के लगभग 480 लोगों ने भाग लिया। विशेष इन दिनों जब पूरे भारतवर्ष में ईसाई समाज के ऊपर प्रताड़नाएं बड़ रही हैं और भोपाल शहर में भी कुछ कट्टरपंथियों द्वारा माहोल खराब किया गया, ऐसे भय और डर के माहोल में यह रैली ईसाई समाज के लिए एक हर्षोल्लास साबित हुई। इस रैली के माध्यम से हम अपने पड़ोसी से प्रेम, समाज में भाई चारा और एकता का संदेश देते हैं। कार्यक्रम का नेतृत्व भाई जोशुआ फिलिप, भाई देवी दस, भाई प्रिंस साल्वे और भाई शालोम के द्वारा किया गया।

माइलस्टोन स्कूल पर क्रीड़ा उत्सव एवं प्रदर्शनी का आयोजन

भोपाल। कोलार रोड स्थित माइलस्टोन स्कूल पर आज छात्रों द्वारा सप्ताह भर चले खेलों का आज समापन हुआ इस अवसर पर विभिन्न स्टॉल एवं प्रदर्शनी का आयोजन किया गया माइलस्टोन की संचालिका दीप्ति शुक्ला ने बताया कि छात्रों के समग्र विकास को लेकर आयोजन किए गए हैं।

सपाक्स पार्टी कार्यालय में प्रदेशभर के पदाधिकारियों की बैठक हुई

भोपाल। पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष सुरेश शुक्ला ने बताया सपाक्स प्रदेश के सभी विधान सभा सीटों पर चुनाव लडेगी साथ ही पार्टी को मजबूती प्रदान करने के लिए और जन जन तक पार्टी की विचारधारा को पहुंचाने के लिए अमरकंटक से 26 जनवरी को संकल्प यात्रा का शुभारंभ किया जाएगा। जो मध्य प्रदेश के सभी जिलों, तहसीलों और नगरों में भ्रमण कर प्रत्येक वर्ग के लोगों को सपाक्स की विचारधारा से जोड़ेगी। शुक्ला ने बताया सपाक्स ने राष्ट्रीय और प्रदेश मंच पर बेहतर विकल्प का संकल्प लिया है। बैठक जिला बड़वानी धार, पीथमपुर के नगरीय निकाय चुनाव के संबंध में भी विस्तृत चर्चा हुई। बैठक में सपाक्स पार्टी की राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष वीणा घाणेकर, प्रदेश अध्यक्ष, सुरेश शुक्ला, सहित पार्टी के सभी पदाधिकारी उपस्थित थे।

मानव शरीर रचना विज्ञान पुस्तक का राज्यपाल ने किया विमोचन

डॉ. ए के द्विवेदी ने लिखि है पुस्तक,अटल बिहारी वाजपेयी हिन्दी विवि के तीसरे दीक्षांत समारोह में किया विमोचन

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

अटल बिहारी वाजपेयी हिंदी विश्वविद्यालय भोपाल का तीसरा दीक्षांत समारोह भोपाल में आयोजित किया गया। समारोह में मप्र के राज्यपाल श्री मंगूभाई पटेल द्वारा इंदौर के होम्योपैथिक चिकित्सक तथा केंद्रीय होम्योपैथिक अनुसंधान परिषद, आयुष मंत्रालय (भारत सरकार) में वैज्ञानिक सलाहकार बोर्ड के सदस्य डॉ. एके द्विवेदी द्वारा चिकित्सा शिक्षा से संबंधित सभी कोर्स से जुड़े विद्यार्थियों के लिए अत्यंत उपयोगी पुस्तक 'ह्यूमन एनाटॉमी' (मानव शरीर रचना विज्ञान) का विमोचन किया गया। इस पुस्तक का प्रकाशन मध्य प्रदेश हिन्दी ग्रंथ अकादमी द्वारा किया गया है इस अवसर पर मप्र शासन में उच्च शिक्षा मंत्री डॉ. मोहन यादव, शिक्षा एवं संस्कृति उत्थान न्यास नई दिल्ली के राष्ट्रीय सचिव अतुल कोठारी,अटल बिहारी वाजपेयी हिंदी विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. खेमसिंह डहेरिया तथा मध्यप्रदेश हिन्दी ग्रन्थ अकादमी के निदेशक अशोक कड़ेल जी जिनके अथक प्रयास एवं सहयोग से इस पुस्तक का मुद्रण तथा प्रकाशन किया जाना सुनिश्चित हुआ है।

इस पुस्तक का प्रस्तावना मप्र शासन में उच्च शिक्षा मंत्री एवं मप्र हिन्दी ग्रंथ अकादमी भोपाल के अध्यक्ष डॉ. मोहन यादव द्वारा लिखा गया है। आपने अपने प्रस्तावना में लिखा है कि हिन्दी भाषा मानवीय मूल्यों को आत्मसात करने और भविष्यत जीवन-संघर्ष में शुचितापूर्ण साधन का उपयोग करते हुए सफल होने का मार्ग प्रशस्त करती है, साथ ही जिज्ञासा एवं प्रश्नाकुलता का अंकुरण करती है। देश की राष्ट्रभाषा हिन्दी है। हिन्दी भाषा के विकास के कई युग और चरण हैं। यदि यह आज विश्व की सर्वाधिक वैज्ञानिक भाषाओं में गिनी जाती है तो इसका कारण उसकी व्याकरणात्मक परिपक्वता है। शास्त्रीय भाषा संस्कृत की उत्तराधिकारी और अनेक जन-बोलियों की अधिष्ठात्री हिन्दी का आज इतना सामर्थ्य है कि विश्व के अद्यतन विषय, अनुसंधान और तकनीक के विकास को इसके माध्यम से सुगमता से सम्प्रेषित किया जा सकता है। शिक्षाविदों का मानना है कि विषयगत वैशिष्ट्य अर्जित न कर पाने का एक बड़ा कारण विद्यार्थियों पर माध्यमगत दबाव है। मातृभाषा के माध्यम से शिक्षा सहज ग्राह्म और संप्रेष्य तो होती ही है, शिक्षार्थी पर भाषा का अनावश्यक दबाव भी नहीं होता, उसमें मौलिक सोच पैदा होती है। वहीं इस पुस्तक की *भूमिका* मध्यप्रदेश हिन्दी ग्रंथ अकादमी के संचालक अशोक कड़ेल द्वारा लिखी गई है जिसमें उन्होंने लिखा है कि भाषा, संस्कृति और संस्कारों की संवाहक होती है। देश और समाज में ज्ञान का प्रकाश भी अपनी भाषा में सरलता व आसानी से व्याप्त होता है। देश की प्रगति में भाषा का महत्वपूर्ण योगदान है। विश्व में लगभग सभी विकसित राष्ट्रों में उन्नति, उनकी अपनी मातृभाषा में शिक्षा से हुई, वहां के शासन-प्रशासन, उच्च शिक्षा, शोध कार्य आदि सभी का माध्यम उनकी अपनी भाषा में ही है। मां, मातृभूमि और मातृभाषा का कोई विकल्प नहीं होता है।

पुस्तक में कुल 12 अध्याय हैं। लेखक डॉ. एके द्विवेदी ने बताया कि यह पुस्तक एबीबीएस, बीएएमएस आयुर्वेदिक, बीएचएमएस होम्योपैथिक, फिजियोथेरेपी, नर्सिंग एवं पैरामेडिकल के छात्र-छात्राओं को ध्यान में रखते हुए लिखी गई है। पुस्तक में कुल 12 अध्याय हैं जिसमें अलग-अलग विषय को समाहित किया गया है। 12 अध्याय में शामिल विषय है मानव शरीर परिचय, अस्थि संस्थान, जोड़ या सन्धियां, पेशीय संस्थान, तन्त्रिका तन्त्र, अन्त: स्त्रावी संस्थान, रक्त-परिसंचरण संस्थान, लसिकीय संस्थान, श्वसन संस्थान, पाचन संस्थान, उत्सर्जन संस्थान, प्रजनन संस्थान शामिल किए गए हैं।

भोजपाल महोत्सव मेला में बॉलीबुड नाइट में नितिन ने दी प्रस्तुति

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

दर्दे दिल दर्दे जिगर, दमादम मस्त कलंदर, दिल लगी कुड़ी जैसी प्रस्तुतियों से प्लेबैक सिंगर नितिन कुमार ने लोगों को झूमने पर मजबूर कर दिया। राजधानी के भेल दहशरा मैदान पर चकल रहे भोजपाल महोत्सव मेले में आयोजित बॉलीबुड नाइट में नितिन कुमार प्रस्तुति देने पहुंचे। इसके बाद नितिन ने नजरें, बीते नहीं रैना, मेरा आपकी कृपा से, अच्युतम केशवम, माथें की विंदिया चमक रही जैसे सुमधुर गानों की प्रस्तुति दी। बता दें कि नितिन कुमार इंडियन आइडल सीजन-10 के रनरअप हैं। जी लिटिल चैम्प्स के पहले रनरअप रह चुके हैं। कुछ फिल्मों में भी अपनी आवाज का जादू बिखेर चुके हैं। कार्यक्रम की शुरुआत शाम 7 बजे मुख्य मुख्य अतिथियों ने दीप प्रज्ज्वलित कर की। विशिष्ट अतिथि आलोक शर्मा, पूर्व महापौर व भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष, मनोज वर्मा जी छेत्रिय संगठन मंत्री विश्व हिंदू परिषद, मेला संयोजक विकास वीरानी, मेला अध्यक्ष सुनील यादव और महामंत्री हरीश कुमार राम रहे। रविवार को मेले में करीब डेढ लाख लोग पहुंचे।

राज्यपाल मेला देखने पहुंचे: भेल दशहरा मैदान पर चल रहा भोजपाल महोत्सव मेला देखने रविवार रात 8 बजे राज्यपाल मंगु भाई पटेल पहुंचे। इस दौरान मेले के मुख्य गेट पर मेला संरक्षक और भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष आलोक शर्मा, मेला संरक्षक विकास वीरानी और मेला अध्यक्ष सुनील यादव ने उन्हें पुष्प गुच्छ देकर और हार पहनाकर स्वागत किया। मेले में स्थापित मंदिर में राज्यपाल ने भगवान गणेश को पुष्प चढ़ाकर पूजा-अर्चना की। इसके बाद मेला कार्यालय पहुंचकर मेला समिति के अध्यक्ष और संयोजक से मेले के बारे में जानकारी ली और मेला समिति को सांस्कृतिक धरोहर को बचाए रखने और पुर्नजीवित करने के लिए सराहना की और शुभकामनांए दी।

विधायक को बिलखिरिया गांव के पीड़ित रहवासियों ने ज्ञापन सौंपा

भोपाल के हुजूर विधानसभा के अंतर्गत बिलखिरिया गांव में रोड चौड़ीकरण के विरोध करने पहुंचे रेवासी विधायक रामेश्वर शर्मा के निवास पर गांव में काफी टाइम से रह रहे रेवासी रोड के चौड़ीकरण को लेकर हो रहे परेशान जिसमें सरपंच मिश्रीलाल गुर्जर और उपसरपंच परमजीत सिंह के नेतृत्व में आज विधायक रामेश्वर शर्मा को निवास पर ज्ञापन दिया गया और विधायक जी ने आश्वासन दीया की जो स्थाई लोग हैं उनको परेशान नहीं किया जाएगा।

क्राईस्ट मेमोरियल हायर सेकेंडरी स्कूल में क्रिसमस का पर्व हर्षोल्लास से मनाया

संत हिरदाराम नगर। क्राईस्ट मेमोरियल हा. से. स्कूल बैरागढ़ ऑडिटोरियम में क्रिसमस पर्व का आयोजन किया गया क्रार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्री हरीश कोटे जी और बिषप श्री सी. पी. सिंह जी एवं विषिष्ट अतिथि पास्टर डेनी जोन, पास्टर केषव प्रधान और श्री अक्षय धन्यवाद जी उपस्थित थे। संस्था के अध्यक्ष डॉ. मेनिस मैथ्यूज़ जी ने मुख्य अतिथिों का पुष्प गुच्छ देकर स्वागत किया। विद्यार्थीयों को विद्यालय में हुई गतिविधियों के आधार पर उन्हें प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। विद्यालय के छात्र-छात्राओं द्वारा नृत्य, गायन एवं कव्वाली की अद्भुत प्रस्तुति दी गई। विद्यालय के संचालक डॉ.मेनिस मैथ्यूज़ जी ने क्रिसमस के बारे में सभी को विस्तार से बताया एवं उन्होंने कहा प्रभु यीषु ने प्रेम एवं भलाई का संदेश दिया था जिसका अनुसरण हमें करना चाहिए। मुख्य अतिथि बिषप श्री सी. पी. सिंह ने सभी विद्यार्थियों को अनुषासन का महत्व बताते हुए अनुशासन में रहने की प्रेरणा दी एवं समस्त छात्र एवं छात्राओं की प्रशंसा करते हुए स्कूल मैनेजमेंट को बधाई दी। डेनी जोन जी ने कार्यक्रम की सराहना करते हुए उपस्थित सभी को क्रिसमस की बधाई एवं नववर्ष की शुभकामनाएं दी ।

विद्यालय के प्राचार्य श्री परमेन्द्र दरयानी जी ने क्रिसमस पर्व की सभी को बधाई दी। कार्यक्रम का संचालन कुमार मनीष बंसल एवं कु. समृद्धि दुबे द्वारा किया गया। कार्यक्रम के अंत में आभार व्यक्त नेहा जुनैद द्वारा किया गया।

अटल बिहारी वाजपेयी को जयंती पर दी श्रद्धांजलि

संत हिरदाराम नगर। उत्तर विधानसभा वार्ड क्रमांक 7 में अटल बिहारी वाजपेयी को उनकी जयंती पर श्रद्धांजलि दी। वाजपेयी का जन्मदिन 'सुशासन दिवस' के रूप में मनाया जाता है। इस मौके पर प्रदेश उपाध्यक्ष जिले के प्रभारी महेंद्र सिंह यादव, उत्तर विधानसभा प्रभारी चेतन भार्गव, वरिष्ठ नेता बलवीर यादव, वरिष्ठ नेता संजय जैन, राजा भोज मंडल महामंत्री प्रणव शर्मा, वार्ड संयोजक सुरेश सिंगर, झुग्गी झोपड़ी प्रकोष्ठ गोविंद यादव, जितेंद्र श्रीवास्तव, पोलिंग बूथ अध्यक्ष एक नंबर प्रियाश दुबे , महिला मोर्चा मंडल अध्यक्ष रेखा विश्वकर्मा, महिला मोर्चा जिला प्रभारी रुकमणी मालवीय , संध्या जैन , अनुसूचित जाति मोर्चा मंडल

महामंत्री प्रकाश वाघमारे, संजय चौहान, राकेश रैकवार की, तीन नंबर पोलिंग बूथ अध्यक्ष सुनील नामदेव तीन नंबर पोलिंग बूथ अध्यक्ष अतुल नामदेव 4 नंबर पोलिंग बूथ अध्यक्ष धनु शर्मा की पांच नंबर पोलिंग बूथ अध्यक्ष विष्णु शर्मा, छे नंबर पोलिंग बूथ अध्यक्ष संतोष विश्वकर्मा, सात नंबर पोलिंग बूथ अध्यक्ष बाबू यादव, 10 नंबर पोलिंग बूथ अध्यक्ष जितेंद्र श्रीवास्तव, 14 नंबर पोलिंग बूथ अध्यक्ष सोनू चकरे एवं अन्य कार्यकर्ता गण उपस्थित रहे।

प्रांतीय भूमिहार ब्राह्मण सेवा समिति का वार्षिक सम्मेलन संपन्न

भोपाल। प्रांतीय भूमिहार ब्राह्मण सेवा समिति के वार्षिक सम्मेलन की शुरुआत भगवान परशुराम एवम् दण्डी स्वामी सहजानंद सरस्वती की पूजा अर्चना तथा समाज के दिवंगत आत्माओं की शांति के लिए प्रार्थना के साथ हुई।सभा की शुरुआत में संस्थापक रामायण सिंह ने समाज के समक्ष समिति के वर्तमान उद्देश्यों एवम् भविष्य की योजनाओं पर प्रकाश डाला। तत्पश्चात अध्यक्ष अखिलेश्वर राय ने स्वागत भाषण दिया।

महासचिव मुकेश पाण्डेय एवं संगठन सचिव टिंकेश राज ने अपने अपने विचार रखे तथा कोषाध्यक्ष मनोज सिन्हा ने आय व्यय का लेखा जोखा प्रस्तुत किया। पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए समिति के सचिव एवं मीडिया प्रभारी ने उपस्थित जन समुदाय से वृक्षारोपण का संकल्प लेने तथा हर घर तुलसी घर घर तुलसी अभियान, हरा भरा भोपाल, दहेज प्रथा का उन्मूलन तथा मृत्यु भोज के खिलाफ जन जागरण की अपील की। मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित प्रभात कुमार सिन्हा, संजय कुमार, अवधेश सिंह, अरूण सिंह चंदा सिंह, अभय शर्मा, सीमा शर्मा, डॉ अतुल सिंह,के द्वारा समाज के अति वरिष्ठ अभिभावक गण विद्या सागर सिंह, विद्या नंद सिंह एवं बी एन सिन्हा का सपत्नीक विशिष्ट सम्मान किया तत्पश्चात वरिष्ठ जन का सम्मान समिति के उपाध्यक्ष मंडल द्वारा किया गया ।

पंचांग खरीदते समय ट्रेडमार्क नंबर में आगे 8 व पीछे 8 अवश्य देखें

ज्ञान विज्ञान का अनूठा संगम लाला रामस्वरूप जी.डी. एंड संस

भोपाल। संस्कार शिक्षा सहित जीवन के महत्वपूर्ण पलों को शुभ फलदाई बनाने सटीक, शुभ मुहूर्त, तिथियां व नक्षत्रों की सटीक गणना भविष्य का आईना दिखाते राशिफल, कुंडली मिलान, ग्रह नक्षत्र की दशा यानी पंचाग की बारीक से बारीक खूबी को समेटे लाला रामस्वरूप जी.डी. एंड संस पंचांग वर्ष 2023 में और भी खूबियाँ लेकर आया है। इसमें आयकर विवरणी से जुड़ी अनेक जानकारी के साथ ही राशिफल के अनुसार पूरी दुनिया पर पड़ने वाले प्रभाव की जानकारी एवं सटीक भविष्यवाणी जो सही सिद्ध हुई पंचांग में समाहित की गई है। अपनी इन्हीं खूबियों के चलते जबलपुर से प्रकाशित लाला रामस्वरूप जी.डी. एंड संस पंचांग हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी ना सिर्फ भारत बल्कि विदेशों में भी भारतीय परिवारों की पहली पसंद बना हुआ है। पंचांग में शासकीय एवं ऐच्छिक अवकाश की एक एक जानकारी दी गई है, जिनकी मदद से आप पहले से ही परिवार सहित छुट्टियां प्लान कर सकते हैं। विषय विशेषज्ञों, भविष्य वक्ताओं की निगरानी में तैयार किया गया यह पंचांग उपभोक्ताओं की विश्वसनीयता पर लगातार खरा उतरा है। लाला रामस्वरूप जी.डी. एंड संस के अग्रवाल बंधुओं ने पंचांग के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि वर्ष 2023 के लिए यह पंचांग नए कलेवर और आकर्षक प्रिंटिंग के साथ बाजार में आ चुका है। धार्मिक, सामाजिक और पारिवारिक रीति-रिवाजों में यह पंचांग परिवार का सदस्य बनकर सामने आया है। भारत व्रत और त्यौहारों का देश है, किसी भी व्रत त्यौहारों को मनाने में ऋषि मुनियों के दिशा निर्देश और शास्त्रीय निर्णय का पालन करने पर विशेष रूप से पुण्य लाभ और सफलता मिलती है इसी को ध्यान में रखते हुए पंचांग में व्रत पर्व को सूक्ष्म से बिल्कुल सही रूप से प्रस्तुत किया गया है।

नकली से बचें - कुछ प्रकाशकों द्वारा विगत कई वर्षों से असली नकली का दुष्प्रचार किया जा रहा है, उपभोक्ता ऐसे दुष्प्रचार से बचें, लाला रामस्वरूप जी.डी एंड संस पंचांग के रजिस्टर्ड ट्रेडमार्क नंबर में आगे 8 और पीछे 8 जरूर देखें।

आकर्षक इनामी योजना भी - अग्रवाल ने बताया कि हमारी इनामी योजना के वर्ष 2022 की प्रतियोगिता हीरों से जड़ा पेंडेंट सेट के प्रथम विजेता है। अग्रवाल ने बताया कि वर्ष 1937 से जी.डी. एंड संस पंचांग का अपना प्रकाशन लगातार चल रहा है, धीरे-धीरे इस पंचांग ने लाखों घरों में अपना स्थान बना लिया है, इस वर्ष प्रकाशित पंचांग में कई नई बातों का समावेश कर इसे और ज्यादा उपयोगी बनाने की कोशिश की गई है। जी.डी. एंड संस पंचांग में त्यौहारों के साथ ही पुष्य नक्षत्र, विवाह आदि मुहूर्त राशिफल, मुख्य जयंती दिवस, शासकीय अवकाश, बैंक अवकाश को भी अलग से दिखाया है, ज्योतिष गणना में भी जी.डी. एंड संस का पंचांग सबसे शुद्ध माना जाता है।

जसवंत दांगी वेलफेयर सोसाइटी ने किया ब्लड डोनेशन कैंप का आयोजन

भोपाल। क्रिसमस की पूर्व संध्या में एक अनोखा वातावरण था, लोगों की जिंदगी बचाने के लिए सांता क्लाउस बनकर आगे आये भोपालवासी, मौका था जसवंत दांगी वेलफेयर सोसाइटी द्वारा शनिवार को 10 नंबर मार्किट में ब्लड डोनेशन कैंप का। यह तेरहवां साल था इस कैंप का जिसमे 1000 से भी ज्यादा लोगों ने हिस्सा लिया जिसमे शाम होने तक 209 यूनिट ब्लड एकत्रित किया गया जिसमे महिलाओ ने भी बढ़-चढ़ कर रक्त दान किया। रक्तदान करने वालों में व्यापारी, स्टूडेंट्स, श्रमिक वर्ग, किसान, महिलायें, पुलिस, नेता, आदि सभी शामिल थे जिनके कर्म तो अलग हैं किन्तु आज के दिन मकसद एक ही था, रक्तदान करके किसी जरूरतमंद की जिन्दगी बचाना।

आयोजक गोपाल ठाकुर और उनके साथियों ने सभी लोगों का धन्यवाद दिया जिन्होंने इस महादान में भाग लिया, इस मुहिम के पीछे मकसद रक्तदान की अहमियत को समझाना एवं लोगों में इसके प्रति जागरूकता लाना था जोकि सफल रहा। हमें उम्मीद है की भोपालवासी आगे भी इसी प्रकार हमारा साथ देते रहेंगे। कई प्रकार की भ्रांतियों को दूर करने के लिए ही जसवंत दांगी वेलफेयर सोसाइटी ने इस आयोजन की नींव रखी, ताकि लोग रक्तदान के महत्वता को समझ जरूरतमंदों की सहायता करें।

इस मौके पर कृषि मंत्री कमल पटेल, विधायक सिलवानी रामपाल सिंह राजपूत, पूर्व विधायक महेंद्र सिंह हड्डा, कांग्रेस प्रवक्ता जीतेन्द्र मिश्रा, अपर सचिव विधि और विधायी कार्य विभाग अनिल कुमार शर्मा, पूर्व मुख्य जिला एवं सत्र न्यायाधीश योगेश कुमार गुप्ता, कांग्रेस वरिष्ठ नेता नरेश ज्ञानचंदानी, जिला अध्यक्ष कांग्रेस कैलाश मिश्रा, डीएसपी ट्रैफिक बीएल बौद्ध आदि मौजूद थे और इन्होने कोरोना काल में इस अच्छे कार्य की सरहाना की।

इस मौके पर मौजूद उपेन्द्र मोहन शर्मा, ब्लड बैंक इंचार्ज, हमीदिया अस्पताल, ने बताया की रक्तदान द्वारा मध्य प्रदेश में सन 2001 तक लगभग 60 हजार यूनिट रक्त एकत्रित होता था जोकि आज की तारिख में कई लाख यूनिट तक पहुँच गया है। हम सभी जानते हैं की हर प्रदेश में रक्त की कमी महसूस होती है, जब रक्त दान की बात होती है तो हम सुरक्षित रक्त की बात करते हैं जो एचआईवी एड्स, हेपेटाइटिस बी, हेपेटाइटिस सी, यौन रोग, मलेरिया से मुक्त हो. वैज्ञानिक रूप से यह माना जाता है स्वेछा से किया गया रक्तदान अधिक सुरक्षित होता है और उनमे यह 5 बीमारियाँ होने की सम्भावना कम होती है, इसलिए हम स्वेछिक रक्तदान को बढ़ावा देते हैं। आम आदमी में 4.50 से 5 लीटर ब्लड होता है, एक समय में इसका एक तिहायी लीटर ब्लड निकला जाता है जो बहुत जल्दी ही रिकवर हो जाता है क्यूंकि हमारे शरीर में लाल रक्त कणिकाएं हर 90 से 120 दिन में बदलती हैं, जिसमे प्रतिदिन 1/120 भाग ब्लड बनता एवं नष्ट होता है, इसलिए यह समझना चाहिए की कोई व्यक्ति रक्तदान करे या न करे उसका प्रतिदिन रक्त बनना व नष्ट होना ही है। रक्त दान करने से शरीर में कोई कमी नहीं होती, एवं 18 से 65 वर्ष तक का कोई भी व्यक्ति 3 महीने में दुबारा रक्त दान कर सकता है। वैज्ञानिक यह भी बताते है की रक्तदान करने के बाद बने नए रक्त में ऑक्सीजन कैरी करने की क्षमता ज्यादा होती है जिससे शरीर में स्फूर्ति बनी रहती है, ऐसे काफी लोग हैं जिन्होंने 50-60 व 100 बार रक्त दान किया है, और जिन्हें कभी यह महसूस नहीं हुआ की रक्तदान करने से उनके शरीर में किसी प्रकार की कोई कमजोरी आई हों।

सेवा करने के लिए डाक्टर बने हैं: डॉ. आशीष एवं सांत्वना पांडे (लंदन, यूके)

तनाव और अवसाद से बढ़ रहे मनोरोगी

संजय सक्सेना ● भोपाल

हम सेवा करने के लिए चिकित्सक बने हैं, पैसा कमाने के लिए नहीं। हमें ट्रेनिंग के दौरान यही घुट्टी पिलाई जाती है। इसलिए हम रोगी को क्लाइंट नहीं समझते। उससे अच्छे से अच्छा व्यवहार करते हैं। यह कहना है भारत में जन्मे और लंदन में बसे मनोचिकित्सक दम्पत्ति डा. आशीष पांडे, डा. सांत्वना पांडे का। वे पुट्टपर्ती के भगवान सत्य साईंबाबा के भक्त, उपासक और सेवक हैं तथा उनकी प्रेरणा के चलते हर रविवार को बच्चों के बीच जाकर उन्हें कुछ सिखाते हैं, उनका उत्साहवर्धन करते हैं। भोपाल में तुलसी नगर और फिर शाहपुरा में रहे डा. आशीष पांडे अपने शहर और अपने देश को बहुत पसंद करते हैं। उन्होंने मनोरोग में विशेषज्ञता हासिल की और इसी में विशेषज्ञता प्राप्त करने वाली मुम्बई निवासी डा. सांत्वना से उनकी शादी हुई। वे वर्तमान में लंदन में मनोरोग विशेषज्ञ हैं और जनसेवा ही उनका प्रमुख ध्येय है। पति और पत्नी, दोनों ही सेवाभावी हैं। सत्य साईंबाबा तो उनके रोम-रोम में बसते हैं। प्रस्तुत हैं उनसे बातचीत के प्रमुख अंश-

-सबसे पहले तो आप ये बताएं कि रोगी और चिकित्सक का रिश्ता क्या होता है?

-जो दो इंसानों के बीच होना चाहिए। हम चिकित्सक मरीज से बेहतर से बेहतर व्यवहार करते हैं। और मनोरोगी से तो और अच्छी तरह बात करते हैं। मनोरोगी को मैड कहना भी अपराध हो जाता है। हमारा रजिस्ट्रेशन भी कैंसिल हो सकता है।

-हमारे यहां तो मरीज को क्लाइंट समझा जाता है?

-हम ऐसा नहीं कर सकते। हमें जो प्रशिक्षण दिया जाता है, वहां भी समझाया जाता है। हम व्यवसाय नहीं, सेवा करने के लिए चिकित्सक बने हैं।

- भारत में तो प्रायः डाक्टरों की यह मानसिकता होती जा रही है कि उनकी पढ़ाई में जो खर्च हुआ है, उसे पहले निकालना है, फिर परिवार और बच्चों के लिए कमाई करना है?

-हम इस पर कुछ नहीं कहते। परंतु हम जहां प्रैक्टिस करते हैं, वहां प्रोफेशन का अर्थ पैसा कमाना नहीं, अपने क्षेत्र में विशेषज्ञता और बेहतर सेवा देना होता है।

-दुनिया भर में मनोरोग बहुत तेजी से बढ़ रहे हैं, आप इसके पीछे क्या कारण मानते हैं?

-देखिए। कई तरह के कारण होते हैं। एक तो हमारी पारिवारिक समस्याएं, सामाजिक परिस्थितियां और इनके अलावा आर्थिक हालात। सभी हमें प्रभावित करते हैं। फिर, इन कारणों से तनाव और अवसाद बढ़ता है, जो अनेक प्रकार के मनोरोगों को जन्म देता है।

-दुनिया भर में आत्महत्याएं भी बढ़ रही हैं, क्या उनके पीछे भी यही कारण मानते हैं?

-कभी-कभी तात्कालिक कारण भी बन जाते हैं। लेकिन जहां समस्याएं अधिक हैं, लोग लंबे समय से तनाव में रहते हैं, वहां मनोरोगी हो जाते हैं। मैटिरियलिस्टिक वर्ल्ड है, पूरी दुनिया में आत्महत्याओं के अलग-अलग कारण होते हैं, अवसाद और तनाव प्रमुख हैं।

-बिखरते-टूटते परिवार और सामाजिक तानेबाने में आ रही टूटन को लेकर आप क्या कहेंगे?

-यह समस्या भारत में अधिक है। यूके या अन्य पाश्चात्य देशों में तो पहले से ही बच्चा सोलह साल का हो जाता है, तो वह माता-पिता के साथ प्रायः नहीं रहता। यह इन देशों में अवसाद और तनाव की बड़ी वजह बनता जा रहा है।

-क्या मोबाइल भी इसके लिए बड़ा कारण है?

-बिल्कुल। नए आविष्कार का हम उपयोग करें, तो ठीक। अब मोबाइल पर ही पूरा समय देंगे, तो उसके दुष्परिणाम भी झेलने होंगे। हम भीड़ में भी अकेले हो जाएंगे। और यह कई बीमारियों को भी जन्म देगा।

-मनोरोगों के उपचार की क्या प्रक्रिया अपनाई जाती है?

-सबसे पहले मेडिकेशन, फिर थेरेपी और अंत में सोशल स्टेटस को लेकर बात की जाती है। दवाएं तीस प्रतिशत ही काम करती हैं, थेरेपी भी महत्वपूर्ण साबित होती है। बाकी उपचार समाज में ही होता है। रोगी को ऐसे माहौल में रहने की सलाह दी जाती है, जिससे उसे अकेलापन महसूस न हो। उसे तनाव न हो। अवसाद की स्थिति न बने।

मनोचिकित्सक के लिए प्राथमिकता होती है, रोगी से अच्छा व्यवहार। यहां उसे राहत मिलना जरूरी है, फिर ठीक होने की गारंटी हो जाती है। साथ ही उसकी पूरी हिस्ट्री जानना आवश्यक होता है। उपचार उसी के आधार पर होता है।

-इलाज के लिए दवाएं देते समय क्या ध्यान रखा जाता है?

-हम प्रिस्क्रिप्शन लिखते हैं, उसमें फार्मूला प्रमुख होता है। ब्रांड या कंपनी का नाम नहीं बताते।

-भारत में तो मेडिकल स्टोर तय होते हैं। डाक्टर जो दवा लिखता है, वो हर दुकान पर नहीं मिल सकती। उसका कमीशन भी तय होता है।

-ब्रिटेन में कटिंग या कमीशन का काम नहीं होता। हमसे मिलने एमआर आते ही नहीं, गिफ्ट तो दूर की बात है। हमारा इससे दूर का नाता नहीं होता। दवा हर जगह मिल जाती है, वही लिखते हैं। मेडिकल स्टोर से कमीशन लिया तो रजिस्ट्रेशन निरस्त हो जाता है।

-मनोरोगों में योग, मेडिटेशन भी लाभदायक होते हैं?

-बिल्कुल। यदि हम योग और मेडिटेशन करते हैं, तो मनोरोग होने की स्थिति ही टल जाती है। इनसे तनाव और अवसाद दूर होते हैं। रोग होने के बाद भी यदि दवाओं के साथ ठीक तरीके से मेडिटेशन किया जाए, तो रोग जल्दी ठीक हो जाता है।

-चिकित्सा के अलावा आप किसी अन्य गतिविधि से भी जुड़े हैं?

-हां। हम लोग साईंबाबा को मानते हैं। लंदन में भी साईंबाबा से जुड़े लोगों ने बच्चों के लिए केंद्र बनाए हुए हैं। हम हर रविवार वहां जाते हैं और बच्चों के बीच बैठते हैं। उन्हें सिखाते हैं। हर तरह से उन केंद्रों की मदद करते हैं। भारत में पुट्टपर्ती अवश्य जाते हैं और ट्रस्ट से सम्बद्ध अस्पतालों में सेवा भी देते हैं। मानव सेवा सबसे अच्छी सेवा है और इसे हर व्यक्ति को करना चाहिए।

भाजपा ने दिया है किसानों को मान सम्मान : गोविंद सिंह राजपूत

पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेई के जन्मदिवस पर जैसीनगर में आयोजित किया किसान सम्मान समारोह

170 करोड़ 88 लाख की जेरा माध्यम सिंचाई परियोजना सहित करोड़ों के विकास कार्यों का किया भूमि पूजन

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

एक समय था जब ग्रामीण क्षेत्रों में लाइट नहीं हुआ करती थी। किसान परेशान होते थे, भाजपा ने किसानों का दर्द समझा और अब 24 घंटे गांव में लाइट होती है। भाजपा ने ही किसानों को मान सम्मान दिया उनका हक दिया। यह बात राजस्व एवं परिवहन मंत्री गोविंद सिंह राजपूत ने जैसीनगर में आयोजित भव्य किसान सम्मान समारोह में कहीं यह आयोजन भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय अटल बिहारी बाजपेई के जन्म दिवस के अवसर पर किया गया था जिसमें सुरखी विधानसभा क्षेत्र के 70 वर्ष से अधिक आयु वाले किसानों का साल श्रीफल पुष्पमाला पहनाकर सम्मान किया गया एवं उपहार स्वरूप उन्हे फलदार वृक्ष दिये गये। श्री राजपूत ने अपने उद्बोधन में कहा कि किसान देश की अर्थव्यवस्था का भी आधार है, भाजपा ने छोटे बड़े किसानों को सम्मान दिया है। गांव-गांव तक पक्की सड़क होने से किसानों का व्यापार बड़ा है। भाजपा किसानों की सरकार है जिसने किसानों की हर छोटी-बड़ी समस्या को देखते हुए योजनाएं बनाएं आज हर किसान के खाते में किसान सम्मान निधि आ रही है। किसान सम्मान समारोह में पंचायत एवं ग्रामीण मंत्री महेंद्र सिंह सिसोदिया ने कहा कि किसान देश की आत्मा है जिसके बिना देश प्रगति नहीं कर सकता है। भाजपा ने किसानों के लिए कई योजनाएं बनाई जिन से किसानों को लाभ मिल रहा है। वही आयोजन में विशिष्ट अतिथि के रुप में पधारे भाजपा के किसान मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष दर्शन चौधरी ने अपने उद्बोधन में किसानों को संबोधित करते हुए कहा कि इस देश में किसान आधार है देश के मान सम्मान का भाजपा ने किसानों को मजबूत बनाने के लिए योजनाएं बनाई हैं ताकि किसान मजबूत हो।

जिला पंचायत अध्यक्ष हीरा सिंह राजपूत ने अपने उद्बोधन में कहा कि जैसीनगर मैं यह किसान सम्मान समारोह ऐतिहासिक है जहां देश के अन्नदाता को साल श्रीफल से सम्मानित कर उनका गौरव बढ़ाया गया है। आयोजन के दौरान राजस्व एवं परिवहन मंत्री गोविंद सिंह राजपूत तथा पंचायत एवं ग्रामीण मंत्री महेंद्र सिंह सिसोदिया ने क्षेत्रवासियों की वर्षों पुरानी मांग बहुउद्देशीय जेरा मध्यम सिंचाई परियोजना का भूमि पूजन किया। परियोजना प्रारंभ होने से सुरखी विधानसभा क्षेत्र के लगभग 25 से 30 गांव को इसका लाभ मिलेगा। यह योजना 170 करोड़ 88 लाख की इसके साथ ही क्षेत्र के लिए किसानों के विश्रामगृह नल जल योजनाए कॉलेज बिल्डिंग करोड़ों के विकास कार्य की भूमि पूजन करते हुए क्षेत्रवासियों को दो बसों की बरमान जाने के लिए घोषणा की तथा हरी झंडी दिखाकर बसों को रवाना किया ।

भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेई के जन्म दिवस के अवसर पर जैसीनगर में भव्य किसान सम्मान समारोह का आयोजन किया गया जिसमें सैकड़ों किसानों का साल-श्रीफल से सम्मान किया गया। साथ ही इस अवसर पर स्वामित्व योजना के तहत 100 से अधिक लोगों को प्रमाण पत्र वितरित किए गए साथ ही कार्यक्रम में कई अन्य योजनाओं के तहत किसान भाइयों को योजनाओं का लाभ पंप बीज आदि वितरित किए गए।

इस अवसर पर भाजपा किसान मोर्चा अध्यक्ष धीरज सिंह ओरिया, साहब सिंह मंडल अध्यक्ष, जितेंद्र सिंह भाजपा नेता, पप्पू राय, लखन चौबे, योगेश सिंह, गोलू हेमंत, डब्बू भाटिया, पहलाद पटेल अवधेश जैन शालीन सिंह जिला पंचायत सदस्य उर्मिला शैलेंद्र श्रीवास्तवए उषा प्रमोद पटेल भाजपा मत्री देवेन्द्र फुसकेले, अनिल श्रीवास्वत, अंकु चौरसिया, सहित क्षेत्र के समस्त जिला पंचायत सदस्य जनपद सदस्य सरपंच सचिव तथा भाजपा के सैकड़ों कार्यकर्ता ग्रामीण जन उपस्थित रहे।

ग्राहक जागरण कार्यक्रम सम्पन्न

भोपाल, देशबन्धु। अखिल भारतीय ग्राहक पंचायत द्वारा ग्राहक जागरण पखवाड़े के निमित्त सिंदन्ता हॉस्पिटल, कोलार रोड भौपाल में जाग्रत ग्राहक जाग्रत भारत पत्रिका वितरण के कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में अखिल भारतीय ग्राहक पंचायत भोपाल महानगर कोषाध्यक्ष राजकुमार चावरिया जी द्वारा बताया गया कि राष्ट्र की प्रगति में उपभोक्ता एक महत्वपूर्ण कड़ी हैं। अपने अधिकारों और दायित्वों के प्रति जागरूक होकर ही हम एक उत्कृष्ट राष्ट्र का निर्माण कर सकते हैं एवं उपस्थित लोगों से अखिलभारतीय ग्राहक पंचायत द्वारा चलाए जा रहे आंदोलन में साथ देने का आग्रह किया। कार्यक्रम में उपस्थित सचिन शर्मा कमलेश पटेल, राज चावरिया, अनिल पांडेय, कुमारी दुर्गेश सेन, रेखा राजपूत, अंकित मिश्रा, सुकृति उइके सहित हॉस्पिटल के संचालक डॉ संदीप सिंह एवं स्टाफ की सहभगिता से कार्यक्रम सफल हुआ।

संविदा स्वास्थ्य कर्मचारियों पर दर्ज प्रकरण वापस नहीं लिए तो नियमित कर्मचारी भी जाएंगे हड़ताल पर: कौरव

भोपाल । प्रदेश एवं देश मे कोरोना की बड़ती आहट से चिन्तित सरकार के मंत्री एवं अधिकारीयों ने अस्पतालों के दौरे करना शुरू कर दिए हैं इसी कड़ी में शनिवार 24 दिसम्बर को जब स्वास्थ्य मंत्री जय प्रकाश चिकित्सालय में दोपहर के समय जायजा लेने पहुंचे तो अस्पताल परिसर में पूर्व से आन्दोलन रत संविदा स्वास्थ्य कर्मचारीयों ने स्वास्थ्य मंत्री से मुलाकात कर ज्ञापन सौपना चाहा। और मिल कर अपनी बात रखना चाहा किन्तु स्वास्थ्य मंत्री ने उनकी एक न सुनी और गुस्सा होकर वहां से चले गए और पुलिस को कार्यवाही करने का आदेश दे दिया जिसमें हमारे संविदा स्वास्थ्य कर्मचारी अपनी जायज मांग के निराकरण के लिए भूखे प्यासे साथियो को पकड़ कर रस्सी से बांध कर थाने ले गए जेसे वो अपराधी हो। जिन स्वास्थ्य कर्मचारियों पर पहले सरकार फूल बरसा रही थी वही आज डंडा मार कर रस्सी से खींचते हुए अपराधियों के समान थाने ले गई और विभिन्न धाराओं में बंद कर जैल भेज दिया। बहुत शर्मनाक स्थिति है कि जो कर्मचारी सरकार के हर कार्य को अपनी जान की बाज़ी लगा कर अंजाम तक पहुंचाने का काम करते हैं उनके साथ ऐसा सुलूक किया इसका स्वास्थ्य अधिकारी कर्मचारी महासंघ घोर निंदा कर्ता है और मुख्यमंत्री एवं ग्रह मंत्री को 26 दिसम्बर को ज्ञापन सौंप कर महासंघ के समस्त पदाधिकारी मांग करेंगे कि उक्त कर्माचारियों पर लगाए गए आरोप और प्रकरण तत्काल वापस लिए जाये और उनको तत्काल रिहा किया जाए अन्यथा स्वास्थ्य अधिकारी कर्मचारी महासंघ के आव्हान पर पूरे प्रदेश के स्वास्थ्य अधिकारी कर्मचारी हड़ताल पर चले जाएंगे।

संगीतकार दिलीप सेन ने बांधा समा गीत संगीत डांस की हुई परफॉरमेंस

भोपाल। रोटरी क्लब ऑफ़ भोपाल अरेरा द्वारा मध्य प्रदेश टेलेंट के महाकुम्भ सीजन 4 का ग्रैंड फिनाले कार्यक्रम जे के हॉस्पिटल सी सेक्टर कोलार रोड मे संपन्न हुआ देर रात्रि तक चले इस कार्यकम मे संगीतकार दिलीप सेन एवं प्रदेश के केबिनेट मंत्री विश्वास सारंग अतिथि के रूप मे उपस्थित रहे। दिलीप सेन ने मंच पर आकर रूहानियत एवं मस्ती भरे अंदाज मे अपने द्वारा संगीतबद्ध मशहूर सुपरहिट गीतों जिनमे जब भी कोई लड़की देखू मेरा दिल दीवाना बोले एवं होठों पे बस तेरा नाम है, गोरिया रे गोरिया रे मेरी नींद चुरा के आदि गीतों की प्रस्तुति दी तो श्रोतागण नाच उठे कार्यक्रम की विशेषता ये रही की, इसमें रोटरी क्लब ऑफ़ भोपाल अरेरा के सदस्यों ने भी अपनी गायकी का जलवा बिखेरा इशान जैन ने देखा है तेरी आँखों मे, अनिल चौहान ने तेरी निगाहों पे मर मर गए हम, जलज पांडे ने दिल आज शायर है, सपना सक्सेना ने तुम मुझे यूँ भुला न पाओगे, राधा रमन त्रिपाठी ने कहीं दूर जब दिन ढल जाय, संजय सक्सेना ने है अपना दिल तो आवारा, नितिन जी ने मेरे सपनो की रानी आदि। गायकी की इबादत एवं मोहब्बत के सुर बिखेरे वहीं टेलेंट के महाकुम्भ के फाइनल राउंड मे पहुंचे कलाकारों मे हार्दिक कुमार ने सजदा अनंत तिवारी ने खैरियत यश ने तड़फ तड़फ के उर्वशी ने लग जा गले गीत पेश किया वहीं अंशु भगवानतिया ने ग्रुप डांस मे अपना जलवा बिखेरा इसके अलावा रधिका बिस्ट, अंजल जैन, भूमिका रिद्धिमा, तिवारी

कर लो स्वास्थ्य मुट्ठी में शिविर का शुभारंभ

भोपाल। वर्तमान समय में कोरोना महामारी का आवाज फिर से सुनाई देने लगा है। ऐसे समय में अपने स्वास्थ्य को ठीक रखना और संपूर्ण रीति से स्वस्थ रहना यह बहुत आवश्यक हो गया है। केवल शारीरिक ही नहीं , वरन मानसिक और आध्यात्मिक स्वास्थ्य भी हर व्यक्ति के लिए जरूरी हो गया है। यही बात कोरो ना ने हमें सिखाई है। और इसीलिए बिना दवाई के स्वस्थ रहने का तरीका सिखाने वाले ऐसे आयोजन यह समय की मांग है। मैं सभी भोपाल निवासियों से यह करबद्ध निवेदन करता हूं किसका ज्यादा से ज्यादा लाभ ले। ब्रह्माकुमारीज के समाज उपयोगी उपक्रम मैं काफी लंबे समय से देखता आ रहा हूं। यह कहना था बीजेपी के प्रदेश प्रवक्ता दुर्गेश केसवानी जी का और मौका था मेरी गोल्ड गार्डन में आयोजित चार दिवसीय संपूर्ण स्वास्थ्य शिविर के शुभारंभ का। उद्घाटन के इस कार्यक्रम में मनोज कुमार वर्मा (अध्यक्ष संस्कृत महाविद्यालय एवं विजयनगर समिति, प्रियंका मिश्रा पार्षद वार्ड क्रमांक 7, रुचि अग्रवाल प्रोपराइटर, मेरीगोल्ड गार्डन, बीके ज्योति दीदी ब्रह्माकुमारीज़, पंचवटी आदि ने भी कार्यक्रम के प्रति अपनी शुभकामनाएं व्यक्त की।

बुन्देलखंड का सूरज काव्य का लोकार्पण बुन्देली के राष्ट्रीय सम्मेलन में होगा

भोपाल। अखिल भारतीय बुंदेलखंड साहित्य एवं संस्कृति परिषद के तत्वावधान में आयोजित होने वाले बुन्देली के राष्ट्रीय सम्मेलन में ओरछा 2023 में पहली बार छत्रसाल महान पर रचित ऐतिहासिक खंड काव्य पद्मश्री कैलाश मड़बैया की सद्य: प्रकाशित कृति बुन्देखंड का सूरज का लोकार्पण 7 जनवरी को राम राजा के तीर्थ ओरछा में खास विद्वान राज अतिथियों द्वारा किया जाएगा। इसी के साथ बुंदेलखंड के भविष्य बचाये के लिए योगदान विषयक बुंदेली निबंध पाठों का सत्र शुरू होगा।

हिंदी विवि का मनाया दीक्षांत समारोह

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

अटल बिहारी वाजपेई हिंदी विश्वविद्यालय का तीसरा दीक्षांत समारोह 25 दिसंबर को कुशाभाऊ ठाकरे अंतर्राष्ट्रीय सभागार मैं संपन्न हुआ जिसकी अध्यक्षता माननीय मंगू भाई कुलाधिपति राज्यपाल मध्यप्रदेश शासन, मुख्य अतिथि डॉ मोहन यादव उच्च शिक्षा मंत्री मध्य प्रदेश शासन, सारस्वत अतिथि माननीय अतुल कोठारी राष्ट्रीय सचिव शिक्षा एवं संस्कृति उत्थान न्यास नई दिल्ली एवं कुलपति प्रोफेसर खेम सिंह डेहरिया अटल बिहारी वाजपेई हिंदी विश्वविद्यालय एवं विश्वविद्यालय के साधारण परिषद, कार्यपरिषद, विद्या परिषद की गरिमामय उपस्थिति में संपन्न हुआ

माननीय कुलाधिपति ने अपने उद्बोधन में कहा यह विश्वविद्यालय भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेई के नाम पर है वह हिंदी के प्रणेता है उन्होंने अपने जीवन को हिंदी को स्थापित करने में लगा दिया अटल जी हम सब के आदर्श हैं विद्यार्थियों को सत्य धर्म से विचलित नहीं होना चाहिए और अपने हाथ से शुभ कार्य करने चाहिए मातृभूमि पित्र भूमि कार्य को नहीं भूलना चाहिए हिंदी विश्वविद्यालय द्वारा प्रगति के नए सोपान स्थापित किए जाने की बधाई दी।

उच्च शिक्षा मंत्री मोहन यादव ने अपने उद्बोधन में कहा विश्वविद्यालय पूर्व प्रधानमंत्री अटल के जन्मदिन पर ही अपना दीक्षांत समारोह मानती है हमारे प्रदेश के अन्य विश्वविद्यालय भी अपने नाम के अनुसार दीक्षांत समारोह मनाते हैं जिससे छात्रों के बीच में महापुरुषों के जीवनी को अनुकरण करने की नई दिशा मिलती है विश्वविद्यालय के सर्वांगीण विकास की भूरी भूरी प्रशंसा भी की

अतिथि अतुल कोठारी ने शिक्षा के उत्थान के लिए मात् भाषा में किए जा रहे विभिन्न विषयों के अध्ययन, अध्यापन महत्व पर प्रकाश डाला अपने पारंपरिक ज्ञान और संस्कृति को संरक्षित और पल्लवित करने के लिए नई पीढ़ी का आवाहन किया। कुलाधिपति द्वारा 7 स्वर्ण, 4 रजत, 5कांस्य कुल 16 पदक विद्यार्थियों को प्रदान किए गए प्रतिक राज पटेल एम लिब , नारायण बीएससी योग, शालू पटेल एमए अर्थशास्त्र, अंजलि साहू बी,लिव, सोनू राम साहू एम ए हिंदी साहित्य, वाणीश्री दामोदरन एमएससी योग, रजत पदक

एयर इण्डिया कंपनी में नौकरी दिलाने के नाम से पैसे लेकर छल करने वाले आरोपी को हुई सजा

भोपाल। मीडिया सेल प्रभारी भोपाल दीपक बंसोड ने बताया कि 24/12/2022 न्यांयालय हीरालाल अलावा न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी के न्यायालय में आपराधिक प्रकरण क्रमांक 5124/10 थाना एम.पी.नगर भोपाल का अपराध क्रमांक 79/10 के आरोपी रंजीत चौबे को धारा 420 भादवि में दोष सिद्ध पाते हुये 01 वर्ष का सश्रम कारावास एवं 500 रू अर्थदण्ड से दण्डित का निर्णय पारित किया है । उक्त प्रकरण में शासन की ओर से सहायक जिला लोक अभियोजन अधिकारी श्रीमती नीतू जैन द्वारा पैरवी की गई है। ।

घटना संक्षेप में यह है फरियादी ने दिनांक 01.02.2010 को थाना एम.पी.नगर में उपस्थित होकर एक मौखिक शिकायत की आरोपी रंजीत चौबे ने एयर इण्डिया में नौकरी दिलाने का कहाकर उससे व उसके साथीगण से रूपये 8,30,000 ले लिये और दिल्ली भेजकर कहा कि तुम सब की ट्रेनिंग होनी है दो माह तक कुछ भी नहीं हुआ तो वह सभी भोपाल वापस आकर आरोपी रंजीत के ऑफिस गये जो कि बंद कर दिया गया था आरोपी से फोन पर बात की और उसे रूपये वापस करने का कहा तो वह 1 वर्ष तक टालम मटोली करता रहा और पैसे वापस नही किये उक्त शिकायत पत्र के आधार पर पुलिस द्वारा धारा 420 भादवि का अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया विवेचना उपरान्त अभियोग पत्र माननीय न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया गया माननीय न्यायालय द्वारा अभियोजन के साक्ष्य , तर्को एवं दस्तातवेजों के आधार पर न्यायालय द्वारा आरोपी को उक्त दण्ड से दण्डित किया गया।

स म्पा द की य

सांस की समस्या खतरे का संकेत!

चीन की खतरनाक खबरों के साथ ही पूरी दुनिया में कोविड के मरीजों की संख्या में बेतहाशा वृद्धि हो रही है। केंद्र सरकार ने सभी राज्यों को निगरानी बढ़ाने व अस्पतालों में भर्ती होने वालों पर नजर रखने का निर्देश दिया है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय से जुड़े सूत्रों ने बताया कि यदि देश के कुछ क्षेत्रों में कोविड-19 से संबंधित अस्पताल में भर्ती होने या सांस के मरीजों में अचानक उछाल आता है, तो यह हमारे लिए खतरे का संकेत होगा। इसलिए सभी अस्पतालों को कड़ी निगरानी रखनी चाहिए। रोगियों की संख्या में किसी भी असामान्य वृद्धि की पहचान करनी चाहिए। स्वास्थ्य मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि राज्य अस्पतालों में कोरोना वायरस के केसों पर भी नजर रखें।

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मंडाविया ने कोविड-19 के प्रबंधन और टीकाकरण की समीक्षा के लिए राज्यों के स्वास्थ्य मंत्रियों के साथ बैठक की थी। इसमें उन्होंने कहा कि अस्पतालों में निगरानी पर ध्यान दिया जाना चाहिए। उन्होंने राज्यों में सीवेज और अपशिष्ट जल की निगरानी पर भी जोर दिया जाना चाहिए, ताकि मल के जरिए वायरस का संक्रमण रोका जा सके। यह भी समुदाय के भीतर बीमारी के फैलने के शुरुआती संकेतों में से एक है। सीवेज नमूना परीक्षण भी अतीत में पोलियो की निगरानी का एक प्रमुख तरीका रहा है। सामुदायिक निगरानी के लिए इन्फ्लूएंजा जैसी बीमारी और गंभीर तीव्र श्वसन संक्रमण की निगरानी के लिए एक राष्ट्रव्यापी नेटवर्क बनाया गया है।

स्वास्थ्य अधिकारी ने बताया कि इन बीमारियों के मरीजों के 25 से 30 फीसदी मामले कोविड पॉजिटिव में बदल जाते हैं। यही कारण है कि इन मामलों की जांच करना महत्वपूर्ण है। ठंड या सर्दी के मौसम में वैसे भी फ्लू के मामले बढ़ जाते हैं। केंद्र के निर्देश पर मंगलवार को देशभर के अस्पतालों में होने वाली मॉक ड्रिल की तैयारियां लगभग पूरी कर ली गई है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने रविवार को मॉक ड्रिल के लिए राज्यों को एक फॉर्म उपलब्ध कराया है, जिसे कोविन इंडिया पोर्टल से डाउनलोड करने के निर्देश दिए गए हैं। इस फॉर्म को मॉक ड्रिल के साथ ही भरना होगा और उसी समय अपलोड करने के साथ ही दिल्ली में कोरोना वार रूम में जानकारी देनी होगी। मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी देते हुए बताया कि देश के सभी स्वास्थ्य केंद्रों पर 27 दिसंबर की सुबह मॉक ड्रिल होने जा रही है।

इंसाकॉग की ताजा रिपोर्ट में कहा गया है कि कोरोना का वायरस बहुत तेजी से अपना स्वरूप बदलता है। अब तक इसमें 18 हजार से भी अधिक बार परिवर्तन देखने को मिले हैं। बीते एक वर्ष से पूरी दुनिया में कोरोना के ओमिक्रॉन वैरिएंट से जुड़े उप वैरिएंट ही प्रसारित हो रहे हैं। इसलिए, ओमिक्रॉन की बात करें तो यह 540 बार बदला है और 61 मिश्रित वैरिएंट को इसने जन्म दिया है। वायरस के इन बदलावों को देखते हुए जीनोम सीक्वेंसिंग पर जोर देने के लिए कहा जा रहा है।

महामारी विज्ञान से हम जानते हैं कि चीन में कोविड की लहर तो फैलेगी, लेकिन चूंकि उन्हें वैक्सीन लगी हुई है (कम प्रभावकारी ही सही), इसलिए, गंभीर बीमारी की आशंका तुलनात्मक रूप से कम है। फिर भी, कोविड वैश्विक महामारी है और ऐसे में दुनिया के किसी भी हिस्से में कोविड के उछाल पर हर अन्य देश को ध्यान देना चाहिए, भारत को भी। लेकिन, कई कारण हैं कि हमें भारत में चिंतित होने की बिलकुल जरूरत नहीं है। आइए, इसे समझते हैं।

कोविड महामारी के तीन साल बाद, कोई भी दो देश तुलनीय नहीं हैं। ऐसा प्राकृतिक संक्रमण की दर में अंतर, टीके की प्रभावकारिता और कवरेज में अंतर, और इस बात में अंतर कि टीके प्राकृतिक संक्रमण के पहले लगे थे या बाद में, साथ ही यह कि टीके लगने के बाद कितना समय बीत गया है, के कारण है।

भारत में आम लोगों के लिए फिलहाल चिंता की कोई बात नहीं है। लेकिन साठ साल से अधिक के लोगों ने बूस्टर खुराक नहीं लगवाई है, तो वे लगवा लें। भारत में कोविड की अगली लहर फिलहाल तो नहीं आने वाली है। फिर भी, खतरा तो बड़ा है और बढ़ने की पूरी आशंका है। सावधानी बरतने से चूक समस्या बढ़ा सकती है। इसलिए सावधानी रखना आवश्यक है। अस्पतालों को पुरानी लहर की तरह ही तैयारी करवाई जाए और सांस की तकलीफ को कतई हलके में न लें।

बड़ा दिन...

भूपेन्द्र कुमार

हम ऐसा कुछ काम कर सकें
हर दिन रहे बड़ा दिन अपना.
बनें सहायक नित्य किसी के-
पूरा करदें उसका सपना.....
केवल खुद के लिए न जीकर
कुछ पल औरों के हित जी लें.
कुछ अमृत दे बाँट, और खुद
कभी हलाहल थोडा पी लें.
बिना हलाहल पान किये, क्या
कोई शिवशंकर हो सकता?
बिना बहाए स्वेद धरा पर
क्या कोई फसलें बो सकता?
दिनकर को सब पूज रहे पर
किसने चाहा जलना-तपना?
हम ऐसा कुछ काम कर सकें
हर दिन रहे बड़ा दिन अपना.....
निज निष्ठा की सूली पर चढ़,
जो कुरीत से लड़े निरंतर,
तन पर कीलें ठुकवा ले पर-
न हो असत के सम्मुख नत-शिर.
करे क्षमा जो प्रतिघातों को
रख सद्भाव सदा निज मन में.
बिना स्वार्थ उपहार बाँटता-
फिरे नगर में, डगर- विजन में.
उस ईसा की, उस संता की-
%सलिल% सीख ले माला जपना.
हम ऐसा कुछ काम कर सकें
हर दिन रहे बड़ा दिन अपना.....
जब दाना चक्की में पिसता,
आटा बनता, क्षुधा मिटाता.
चक्की चले समय की प्रति पल
नादां पिसने से घबराता.
स्नेह-साधना कर निज प्रतिभा-
सूरज से कर जग उजियारा.
देश, धर्म, या जाति भूलकर
चमक गगन में बन ध्रुवतारा.
रख ऐसा आचरण बने जो,
सारी मानवता का नपना.
हम ऐसा कुछ काम कर सकें
हर दिन रहे बड़ा दिन अपना.....

- लेखक, शिक्षाविद एवं पत्रकार है

मैं जी भर जिया, मैं मन भर मरूं, यथार्थवादी कवि थे अटलजी

चंद्रकांत अग्रवाल

देश के प्रधानमंत्री के रूप में मुझे भारतरत्न अटलजी ने कभी भी उतना प्रभावित नहीं किया, जितना कि एक कवि के रूप में किया। एक राजनैतिज्ञ होते हुए भी उनकी संवेदनशीलता, पारदर्शिता, नैतिकता, जिजीविषा बेमिसाल थी, जो उनकी कविताओं में ध्वनित भी होती हैं। सोचता हूँ यदि वे कोरोना के इस संक्रमण काल में स्वस्थ तन से हमारे मध्य होते तो हिंदी साहित्य जगत को उनकी कलम से कई कालजयी कविताएं भाव विचार मिलते। भले ही वे किसी भी पद पर होते या न होते। क्योंकि उनके भीतर के कवि को भारतीय राजनीति की कालिख़ कभी भी किंचित भी नहीं लग सकी। उनके भीतर का कवि सदैव अन्याय शोषण व अन्य सभी त्रासदियों के खिलाफ सदैव मुखर रहा। हाल ही में इंदौर की मेरी एक वरिष्ठ पत्रकार फेस बुक मित्र जिसका नाम मुझे इस समय स्मरण नहीं हो रहा की फेस बुक वाल पर, मुझे उनके अटल जी के साथ, उनके कुछ लमहों के एक संस्मरण ने रोमांचित कर दिया। उन्होंने लिखा है कि चौथा संसार में कार्य करते समय उनके अग्रज व ज्ञानपीठ पुरुष्कार प्राप्त श्री मेहता जी की कृपा से उनके आमन्त्रण पर इंदौर पधारे अटल जी को अपना परिचय देने व कुछ लमहे उनके सानिध्य में बिताने का सौभाग्य मिला। अटलजी को जब यह पता चला कि मैं भी एक पत्रकार हूँ तो वे मुझसे बोले कि छोड़ दो पत्रकारिता स्वतंत्र लेखन करो। मैंने पूछा क्यों तो बोले पत्रकार को कई बार झूठ लिखना पड़ता है। मैंने कहा कि मैं झूठ नहीं लिखती। तो बोले नेताओं के भाषण बयान आदि तो कवर करती हो। मैंने कहा हाँ। तो बोले नेता ही झूठ बोलते हैं। और वही झूठ तुमको लिखना ही पड़ता है। मुझे पोस्ट पढ़कर लगा कि यह एक बहुत बड़े कद का नेता नहीं उनके भीतर का ईमानदार कवि ही बोल रहा था। एक कवि हृदय पिता की विरासत उन्हें प्राप्त हुई जिसने उनको एक देशभक्त नेता तो बनाया ही पर उनके भीतर का कवि उत्तरोत्तर प्राणवान होता गया। साहित्य जगत में उनको वीर रस के, श्रृंगार रस के एवं यथार्थवादी कवि के रूप में पहचाना जाता हैं। उनकी कविताओं में जहां रामधारी सिंह दिनकर, सी प्रखरता हैं, तो निराला जैसी साफगोई भी है। राष्ट्र भाषा हिंदी के वे एक सच्चे सपूत व अद्वितीय साधक थे। हिंदी को समग्र विश्व में पहुंचाने में राजनैतिक रूप से विवेकानंद के बाद उनका ही सर्वाधिक योगदान रहा। उनकी भाषागत विद्वता अद्भुत थी। पहली कविता ताजमहल थी, जिसमें उसे बनाने वाले मजदूरों की पीड़ा के स्वर थे। उनके पिता जहां ब्रज भाषा व खड़ी बोली के कवि थे, अटलजी विशुद्ध हिंदी के साधक थे। उनका ओज भाव अप्रतिम था- बाधाएं आती हैं आयें/ घिरें प्रलय की और घटाएं पांवों के नीचे अंगारे/ सिर पर बरसें यदि ज्वालाएं/ निज हाथों में हंसते-हंसते/आग लगाकर जलना होगा/ सन्मुख फैला अगर ध्येय पथ/ प्रगति चिंरतन कैसा इति अब/ सुस्मित, हर्षित, कैसा श्रलथ/ असफल, सफल समान मनोरथ/सब कुछ देकर कुछ न मांगते/ पावस बनकर ढलना होगा / कदम मिलाकर चलना होगा।

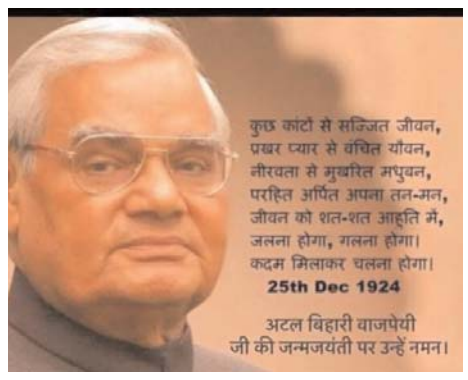

एक राजनैतिज्ञ होते हुए भी उनकी साफगोई, उनका नैतिक साहस बेमिसाल था। बेनकाब चेहरें हैं।/दाग बड़े गहरें हैं/ टूटता तिलिस्म आज सच से भय खाता हूँ/ गीत नहीं गाता हूँ/ लगी कुछ ऐसी नजर/ बिखरा शीशे सा शहर / अपनों के मेले में/ मीत नहीं पाता हूँ/ गीत नहीं गाता हूँ/ पीठ में छुरी सा चांद राहू गया रेखा फांद / मुक्ति के क्षणों में/ बार-बार बंध जाता हूँ/ गीत नहीं गाता हूँ

मेरी 51 कविताएं उनका प्रसिद्ध काव्य संग्रह हैं। जिसमें उनकी रचनाशीलता व रसास्वाद स्पष्ट दिखते हैं। कुछ यशस्वी रचनाकृतियां, मृत्यु या हत्या, अमर वरदान, कैदी कविराय की कुंडलियां ,संसद में × दशक, अमर आग हैं, राजनीति की रपटीली राहें, आदि हैं। यथार्थ को उन्होंनें कभी भी नहीं नकारा- खून क्यों सफेद हो गया ?/ भेद में अभेद हो गया/ बंट गये शहीद, गीत कट गये/ कलेजे में कटार फं स गयी/ दूध में दरार पड़ गयी/ खेतों में बारूदी-गंध/ टूट गये नानक के छंद/ सतलज सहम उठी/ व्यथित सी वितस्ता है / बसंत से बहार झड़ गयी/ दूध में दरार पड़ गयी/ अपनी ही छाया से बैर/ गले लगाने लगे हैं गैर/ खुदकुशी का रास्ता/ तुम्हें वतन का वास्ता/ बात बनाये बिगड़ गयी/ दूध में दरार पड़ गयी। वहीं भारतीय राजनीति की त्रासदी भी उन्होंनें दो टूक कही- कौरव कौन?/ पांडव कौन? /टेढ़ा सवाल है/दोनों और शकुनी का फैल कूट जाल है/ धर्मराज ने छोड़ी नहीं जुएं की लत हैं/ हर पंचायत में पांचाली अपमानित है/ बिना कृष्ण के महाभारत होना है/ कोई राजा बनें रंक तो रोना हैं।

प्रकृति को तो उन्होंनें मानों आत्मसात कर रखा था। यर्थार्थ के साथ प्रकृति को जोड़कर वे कड़वा सच बड़ी सहजता से रेखांकित कर देते थे- सबेरा है,मगर पूर्व दिशा में घिर रहे बादल/ रूई से धुंधलके में मील के पत्थर पड़े घायल/ ठिठके पांव, ओझल गांव/ जड़ता हैं न गतिमानता/ स्वयं को दूसरों की दृष्टि से मैं देख पाता हूँ/ न मैं चुप हूँ न गाता हूँ/ समय की सर्द सांसों ने चिनारों को झुलस डाला/ मगर हिमपात को चुनौती देती एक दृममाला/ बिखरे नीड़, विहंसी चीड़, आंसू हैं न मुस्कानें/ हिमानी झील के तट पर, अकेला गुनगुनाता हूँ/ न मैं चुप हूँ, न गाता हूँ।

सच को छुपाने की कभी कोई कौशिश उन्होनें अपनी कविताओं में तो नहीं की- हाथों की हल्दी हैं पीली/ पैसों की मेंहदी कुछ गीली/ पलक झपकने से पहले ही सपना टूट गया/ दीप बुझाया रची दीवाली/ लेकिन कटी न मावस काली/ व्यर्थ हुआ आवाहन/ स्वर्ग सबेरा रूठ गया/ सपना टूट गया/ नियति नटी की लीला न्यारी/ सब कुछ स्वाहा की तैयारी/ अभी चला दो कदम करवां/ साथ छूट गया/ सपना टूट गया। और जिंदगी के मंच पर स्वयं को साबित करते हुए वे मानों अपनी कहीं एक कविता के एक एक शब्द को सार्थक कर गये- ठन गयी/ मौत से ठन गयी/ जूझने का मेरा इरादा न था/मौड़ पर मिलेंगे इसका वादा न था/ रास्ता रोक कर वह खड़ी हो गयी/ यूं लगा जिंदगी से बड़ी हो गयी/ मौत की उमर क्या, दो पल भी नहीं/ जिंदगी सिलसिला, आज कल की नहीं/मैं जी भर जिया, मैं मन भर मरूं/ लौटकर आंऊगा, कूच से क्यों डरूं।

वल्लभ भवन से सेंट्रल विस्टा

क्या इस दिग्गज नेता को फिर मिलेगी प्रदेश भाजपा की कमान

सुरेश तिवारी

मध्यप्रदेश के भाजपा संगठन में किसी बड़े फेरबदल की सुगबुगाहट है। विधानसभा चुनाव से पहले यह संभव लग रहा है। भाजपा के शीर्ष से रिसी खबरें बताती है कि पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष को बदला जा सकता है। बताया गया है कि मुख्यमंत्री सहित प्रदेश के बड़े नेता वीडी शर्मा के कामकाज के तरीकों से खुश नजर नहीं आ रहे हैं। इस बार भाजपा ऐसी स्थिति में भी

नहीं है कि आसानी से चुनाव फतह कर ले।

ऐसी स्थिति में भाजपा को फिर नरेंद्र तोमर में संभावना नजर आ रही है। उन्हें फिर प्रदेश अध्यक्ष बनाकर चुनाव की बागडोर सौंपी जा सकती है। दो बार के विधानसभा चुनाव में नरेंद्र तोमर ही अध्यक्ष थे और भाजपा ने चुनाव जीता था। इस बार भाजपा कोई रिस्क भी लेना नहीं चाहती, इसलिए उसे तोमर ही सबसे सही संभावना नजर आ रही है। वे पार्टी के गंभीर नेता हैं और प्रदेश के कोने-कोने की राजनीति को समझते भी हैं। उन्हें कभी बेवजह बयानबाजी करते भी नहीं देखा गया। उनका अंतर्मुखी स्वभाव और गंभीरता उनकी राजनीतिक कार्यशैली में भी नजर आता है। इन सारे कारणों और नए समीकरणों को देखते हुए लग रहा है कि भाजपा की बागडोर उन्हें ही सौंपी जा सकती है।

उमा भारती की हरकतें और सरकार, संगठन की खामोशी!

मध्य प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री उमा भारती इन दिनों पूरे फॉर्म में हैं। लेकिन, वे जो कर रही हैं उसे सही नहीं कहा जा सकता। क्योंकि, उनकी कई कार्यवाही गैर कानूनी है। कभी वे शराब की दुकान पर पत्थर फैंकने लगती हैं, कभी रायसेन के किले के शंकर मंदिर में जबरन घुसने की कोशिश करती है। अब अपनी इसी हरकतों के तहत उन्होंने ओंकारेश्वर के ममलेश्वर महादेव की रेलिंग उखाड़ दी। उनका तर्क था कि शिवलिंग और नंदी के बीच में रेलिंग क्यों लगाई। उन्होंने पुरातत्व विभाग को भी ढेर सारा ज्ञान दिया कि उनके काम और उनकी जिम्मेदारी क्या है और उन्हें क्या करना चाहिए। उमा भारती का कहना था कि मंदिर की व्यवस्था वहां के पंडित के जिम्मे है न कि ये पुरातत्व विभाग का काम है।

आश्चर्य की बात यह है कि सरकार और भाजपा संगठन इस मामले में चुप्पी क्यों साधे है। शराबबंदी की मांग पर शराब दुकानों पर कहीं भी पत्थर चला देना, केंद्रीय सरकार द्वारा लगाई गई रेलिंग को तोड़कर अधिकारियों को सार्वजनिक रूप से धौंस देना कि जाइए मेरे खिलाफ स्नढ्ढक्रकराइए, कानूनी नजरिये से गलत है। फिर, क्या कारण है कि उन पर कोई कार्रवाई नहीं होती! सरकार और संगठन के चुप रहने से उनकी हिम्मत बढ़ती जा रही है और वे अब मंदिरों में भी दखलंदाजी करने लगी। क्या सरकार और संगठन की खामोशी का कारण उमा भारती के लोधी वोटर हैं जिनकी वे नेता है! कारण जो भी हो, ये गैरकानूनी हरकत पर अंकुश तो लगना चाहिए!

भतीजे की शादी और कैलाश का बढ़ता कद!

भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव कैलाश विजयवर्गीय के भतीजे की शादी का समारोह पिछले दिनों दिल्ली में हुआ। इस समारोह का सबसे महत्वपूर्ण पक्ष था प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का इस समारोह में आना। उनके

आने की घटना ने राजनीति के कई नए समीकरण बना दिए। इस समारोह में कई केंद्रीय मंत्रियों के अलावा सांसद और गौतम अडानी जैसे उद्योगपति भी शामिल हुए। कांग्रेस के कमलनाथ, विधायक संजय शुक्ला और विशाल पटेल भी आशीर्वाद देने पहुंचे।

पिछले कुछ दिनों से भाजपा की राजनीति में विजयवर्गीय के कद को लेकर असमंजस जैसे हालात बन रहे थे। लेकिन, प्रधानमंत्री ने विजयवर्गीय के भतीजे की शादी में पहुंचकर उनका कद बढ़ाया, वहीं प्रदेश की राजनीति में एक नई चर्चा को भी जन्म दिया। इस चर्चा का कारण सालभर बाद होने वाले विधानसभा चुनाव को भी समझा जा रहा है। जो लोग उन्हें प्रदेश की राजनीति की मुख्यधारा से हाशिए पर आना समझ रहे थे, उन्हें समझ आ गया कि कैलाश विजयवर्गीय अभी रेस में शामिल हैं।

प्रधानमंत्री वहां करीब आधे घंटे रूके। उनके साथ लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला, राष्ट्रीय अध्यक्ष जयप्रकाश नड्डा, ज्योतिरादित्य सिंधिया, पीयूष गोयल, प्रहलाद पटेल, अनुराग ठाकुर, नितिन गडक़री, गजेन्द्रसिंह शेखावत, फग्गनसिंह कुलस्ते, अश्विन चौबे, उत्तराखंड सीएम पुष्कर धामी, पूर्व मंत्री शाहनवाज हुसैन ने भी इस समारोह में पहुंचकर विजयवर्गीय की हाइट को बढ़ाया।

इस आयोजन का एक और महत्वपूर्ण बिंदु यह है कि यह वैवाहिक समारोह केंद्रीय मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर के शासकीय निवास 3 कृष्ण मैनन मार्ग पर हुआ इससे सियासी गलियारों में यह चर्चा जोरों से चल पड़ी है कि क्या अब मध्यप्रदेश में नए राजनीतिक नए समीकरण बनते जा रहे हैं।

कमिश्नर तो क्या कलेक्टर भी नहीं बनी यह महिला आईएएस अफसर!

भारतीय प्रशासनिक सेवा की 2007 बैच के अधिकारी बेला देवर्षि सिंगार रिटायरमेंट की कगार पर है यानी इसी माह रिटायर हो रही है। बेला अपने पूरे सेवाकाल में कमिश्नर तो क्या कलेक्टर तक नहीं बन सकीं। जबकि, उनके बैच के साथी सुपर टाइम स्केल न मिलने के बावजूद सम्भागीय कमिश्नर पद को सुशोभित कर रहे हैं । आईएएस के 15 साल के सेवाकाल में भी कोई कलेक्टर न बन सके तो ये आश्चर्य की बात तो है। बेला सिंगार महिला आईएएस हैं और आदिवासी हैं। इसलिए उनका कलेक्टर बनने का अपने समकालीन अधिकारियों से कहीं ज्यादा प्रबल दावा था। लेकिन, उन्हें बेवजह साइड लाइन किया गया। उनके बैच के दीपक सिंह ग्वालियर कमिश्नर हैं, ओपी श्रीवास्तव एक्साइज कमिश्नर हैं और अभय वर्मा स्कूल शिक्षा कमिश्नर हैं। इस महिला आईएएस की खुद्दारी माना जाना चाहिए कि उन्होंने कांग्रेस और भाजपा किसी के भी कार्यकाल में खुद को कलेक्टर बनाए जाने की बात नहीं उठाई।

बेला सिंगार की एक पहचान यह भी है कि कांग्रेस की फायरब्रांड नेता रही जमुना देवी की भतीजी हैं। उनके पिता स्व नारायण सिंह सिंगार आईजी थे। आश्चर्य की बात ये कि स्ट्रांग बैकग्राउंड होते हुए सरकार ने उनको तवज्जो नहीं दी। वो भी ऐसी स्थिति में जब सरकार महिला सशक्तिकरण और आदिवासी उद्धार का दावा करती है, पर उसी सरकार के राज में 15 साल पुरानी एक आदिवासी महिला आईएएस बिना कलेक्टर बने रिटायर हो जाती है। बेला एनवीडीए इंदौर में हस्ष्ठ पद से रिटायर हो रही है जहां वे पिछले सवा 2 साल से पदस्थ हैं।

संजय झा के लिए 'मंजिलें अभी और भी हैं'

संजय कुमार झा आईपीएस अधिकारी हैं और हाल

ही में उन्हें पुलिस महानिदेशक (डीजी) स्केल में पदोन्नत किया गया है। वास्तव में यह एक बड़ा ओहदा है, पर संजय कुमार झा का लक्ष्य इससे भी आगे जाने का है। ये बात उनकी फेसबुक पोस्ट से नजर भी आती है। उन्होंने जो लिखा उससे लगता है कि उनका सपना प्रदेश के पुलिस महानिदेशक बनने का है। सामान्यत: कोई बड़ा अधिकारी अपने मन की बात को सार्वजनिक नहीं करता, पर लोकायुक्त से कैलाश मकवाना (आईपीएस) को जिस तरह हटाया गया, कई अधिकारी अपने मन की बातों को उजागर करने लगे हैं। संजय कुमार झा की ये पोस्ट उसी तरह की एक स्वीकारोक्ति है।

अब जरा इंग्लिश में लिखी उनकी फेसबुक पोस्ट का हिंदी तर्जुमा भी पढ़ लीजिए रीचिंग पीक बट, मंज़िले और भी हैं! जब कल देर शाम मुझे महानिदेशक (डीजी) के पद पर पदोन्नति का आदेश मिला, तो मुझे लगा कि एडमंड हिलैरी की एवरेस्ट शिखर की तलाश समाप्त हो गई हो। मैं कभी भी बहुत ज्यादा महत्वाकांक्षी नहीं रहा और न कभी कोई ऊंचा लक्ष्य ही निर्धारित किया। क्योंकि, मेरे लिए दूर के लक्ष्यों की यात्रा अधिक सुखद और सार्थक की अपेक्षा बेचैन करने वाली कोशिश ही है। अगर मैं चार दशक पीछे जाता हूं, तो पाता हूं कि किसी अनजान गांव का एक युवा लड़का कभी इस पद तक पहुंचने की ख्वाहिश भी नहीं रख सकता था। यहां तक कि जब मैं आईपीएस हुआ, तो मेरी आकांक्षाओं और महत्वाकांक्षाओं की ऊंचाई एसपी बनने से ज्यादा नहीं थी।

लेकिन, मुझे विश्वास है, कि मेरे बाबूजी के निस्वार्थ संत व्यक्तित्व ने मेरे उत्साह और मेरी माँ के कभी न कहने वाले रवैये ने मुझे उस मुकाम पर पहुंचा दिया, जिसके बारे में मैंने कभी सपने में भी नहीं सोचा था। आज बाबूजी की बहुत याद आई। वे मुझे देखकर वास्तव में गौरवान्वित और खुश होते। भगवान हमेशा मुझ पर बहुत दयालु रहे हैं, और उन्होंने मुझे अपनी उदारता से बहुत कुछ दिया।

पर, आगे क्या? एक प्रसिद्ध कहावत है 'आप शिखर तक पहुँचने के लिए चढ़ते हैं, लेकिन एक बार वहाँ पहुँचने पर पता चलता है कि सभी सड़कें नीचे की तरफ जाती हैं।' मैंने हमेशा नीचे से चढ़ने का आनंद लिया, क्योंकि गुरुत्वाकर्षण आपको पृथ्वी पर ही लाता है। लेकिन, तब हिलेरी ने खुद कहा था

'एवरेस्ट की चोटी पर रहते हुए, मैंने घाटी के उस पार देखा। इसने मुझे दिखाया कि भले ही मैं दुनिया के शीर्ष पर खड़ा था, यह अंत नहीं था। मैं अभी भी अन्य दिलचस्प चुनौतियों से परे देख रहा था।'

रास्ते अभी और भी हैं,
मंजिले अभी और भी हैं।
वक्त यही थमा नहीं,
सफलताऐं अभी और भी हैं!

आखिरी पायदान से पहले रिटायर हो रहे आईएएस शैलेन्द्र सिंह!

एडिशनल चीफ सेक्रेटरी शैलेन्द्र सिंह इस माह रिटायर हो रहे हैं। अब उनकी गिनती भी उन अफसरों में हो गई जो चीफ सेक्रेटरी नहीं बन सके। भारतीय प्रशासनिक सेवा में1988 बैच के शैलेन्द्र सिंह का

प्रशासनिक कार्यकाल उल्लेखनीय कहा जाएगा। उन्होंने दिल्ली और भोपाल दोनों स्थानों पर अपने कार्यकाल में कई नवाचार किए जो मील का पत्थर बने। लेकिन, इसके बावजूद वे चीफ सेक्रेटरी की कुर्सी तक नहीं पहुंचे और एक पायदान नीचे रह गए। जब वे इंदौर में एडिशनल कलेक्टर थे तक एमवाय अस्पताल की व्यवस्थाओं को सुधारने के लिए 'कायाकल्प' अभियान चलाया था जो इस अस्पताल के सुधार की प्रक्रिया की शुरुआत थी।

हालांकि यह अभियान तत्कालीन कलेक्टर मोहंती के खाते में गया लेकिन इसके असल शिल्पकार तो शैलेंद्र सिंह ही थे जिन्होंने फील्ड में दिन-रात काम कर इस अभियान को देश में रोशन किया था। इसके बाद भी शैलेन्द्र सिंह जहां रहे, वे कुछ न कुछ नया करते रहे। लोगों का यह मानना रहा है कि अगर कांग्रेस की सरकार सतत बनी रहती तो वह गोपाल रेड्डी के बाद अगले मुख्य सचिव बनते लेकिन शायद उनकी किस्मत में मुख्य सचिव बनना नहीं लिखा था। अब कोई ये सवाल न करे कि कांग्रेस होती तो क्या होता! और कुछ न होता पर शैलेन्द्र सिंह चीफ सेक्रेटरी जरूर हो गए होते!

लंबी जद्दोजहद के बाद ईडी को मिले दर्जन भर अधिकारी

लंबी जद्दोजहद के बाद प्रवर्तन निदेशालय यानी एनफोर्समेंट डायरेक्टोरेट (ईडी) को दर्जन भर अधिकारी मिल गये।।एजेंसी को चार विशेष निदेशक, आधा दर्जन संयुक्त निदेशक और लगभग एक दर्जन उप निदेशक मिले हैं। इन सभी नव नियुक्त अधिकारियों को काम भी बांट दिया गया है।

सरकार के इस फैसले से अभिभावक परेशान

उत्तर प्रदेश और दिल्ली की सरकारों ने इस बड़े दिन के अवकाश में सरकारी स्कूलों में पढ़ाई जारी रखने और शरद अवकाश जनवरी 2 से 15 तक स्कूलों में अवकाश घोषित कर दिया है। अब उन अभिभावकों के सामने बडा संकट खड़ा हो गया है। जब बच्चों की छुट्टी होगी तब उन्हें आफिस जाना होगा। इन सरकारों ने अचानक ऐसा फैसला क्यों लिया? इसके पीछे का कारण अभी अज्ञात है।

केंद्र में सचिव स्तर पर फेरबदल की चर्चा

दिल्ली के सत्ता के गलियारों में चल रही चर्चा के अनुसार केंद्र में संसद सत्र के बाद सचिव स्तर पर फेरबदल किया जा सकता है। अगर ऐसा हुआ तो करीब आधा दर्जन मंत्रालय और विभाग प्रभावित हो सकते हैं। रक्षा मंत्रालय में रक्षा उत्पादन सचिव का पद पिछले साल नवंबर से खाली पडा है ।

और अंत में केंद्रीय बजट

केंद्र सरकार इन दिनों अगले वित्त वर्ष का बजट बनाने में जुटी हैं। वित्त मंत्रालय में सभी संबंधित पक्षों से बजट पूर्व चर्चा की कसरत पूरी कर ली है। बजट पहली फरवरी को संसद में प्रस्तुत किया जाता है।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक भरत पटेल द्वारा इंडिपेंडेंट प्रेस 11, प्रेस काम्प्लेक्स, एमपी नगर, जोन-1, भोपाल से मुद्रित तथा 226, एमपी नगर जोन-2, भोपाल से प्रकाशित। संपादक — भरत पटेल, प्रबंध सलाहकार — भारती पटेल, संपादकीय सलाहकार — विष्णु कौशिक, सलाहकार संपादक - स्मिता पटेल, स्थानीय संपादक —संजय सक्सेना,
प्रकाशन से संबंधित समस्त समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार। समस्त न्यायिक कार्यवाहियों के लिए क्षेत्राधिकार भोपाल न्यायालय का रहेगा। रजि. नं. भोपाल डिवी. 48 म.प्र.। ई-मेल : dspbpl67@gmail.com, वेबसाईट: dainiksandhyaprakash.in

नैनपुर फीफा फुटबाल विश्वकप मेंशैफाली चौरसिया ने किया नगर का नाम रोशन किया

नैनपुर। कतर भीमा से भारत लौटी नगर की बेटी शैफाली चौरसिया के गृहनगर नैनपुर आगमन पर नगर में स्वागत का उमड़ा सैलाब नगरपालिका अध्यक्ष कृष्ण पंजवानी सहित सभी वर्गों के लोगों ने समलित होकर हर्ष वयक्त किया चौरसिया समाज ने गौरव शाली शैफाली के प्रति बडी सफलता के लिये शुभकामनाएं दी

पार्षद बबलू चौरसिया निकले मैहर पद यात्रा पर

नैनपुर निरतर 18 वर्षों से मैहर शारदा पद यात्रा के क्रम पर अपनी पद यात्रा नैनपुर की शीतला माता मंदिर से पूजा पाठ कर प्रारंभ की इस अवसर पर पार्षदों के अलावा देवी भक्त चौरसिया समाज व सभी वर्गों के लोगों ने बबलू की यात्रा को धूमधाम से रवाना दी

सुधन वन प्रीतीनिध मनोनीत

इटारसी// क्षेत्रीय सिंह जी ने विधायक डॉ सीताशरण शर्मा जिलाध्यक्ष माधव दास अग्रवाल की सहमति से युवा नेता सुधन पटेल को जिला वन विभाग में सांसद प्रतिनिधि मनोनीत किया है । उनके मनोनयन पर आज भारतीय जनता पार्टी के जिला उपाध्यक्ष कल्पेश अग्रवाल के निवास स्थान पर युवाओं ने नवनियुक्त प्रतिनिधि का आतिशबाजीएवम ढोल धमाकों के साथ फूल मालापहनाकर गर्मजोशी से स्वागत कर बधाई दी, इस अवसर पर जिला उपाध्यक्ष कल्पेश अग्रवाल राजा तिवारी हन्नू बंजारा सौरभ राजपूत प्रदीप रैकवार गोलू मालवीय लकी गुर यानी रिकी बालेचनी मुन्ना पाल हरीश चौधरी नितिन व्यास अनु चोकसे विनोद बरसे सहित अनेक कार्यकर्ता उपस्थित थे ।

भारतरत्न अटल जी की जयंती पर लगाया गया आयुष मेला

छतरपुर। पूर्व प्रधानमंत्री भारतरत्न पं.अटल बिहारी वाजपेयी की जयंती सुशासन दिवस के रूप में मनाई गई। इस अवसर पर आज रविवार को मध्यप्रदेश शासन आयुष विभाग द्वारा कलेक्टर छतरपुर संदीप जी आर के निर्देशन एवं जिला आयुष अधिकारी डॉ.बी.डी.मिश्रा के मार्गदर्शन में शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय क्रमांक 1 में आयुष मेले का आयोजन किया गया। इस मेले में बुंदेलखण्ड विकास प्राधिकरण के पूर्व अध्यक्ष एवं पूर्व विधायक उमेश शुक्ला, पूर्व मंत्री एवं प्रदेश भाजपा की मंत्री श्रीमती ललिता यादव, भाजपा जिलाध्यक्ष मलखान सिंह, पूर्व नपाध्यक्ष श्रीमती अर्चना गुड्डू सिंह, नपाध्यक्ष छतरपुर श्रीमती ज्योति सुरेन्द्र चौरसिया, उपाध्यक्ष विकेन्द्र वाजपेयी, मिन्टू पंडा, भाजपा जिला उपाध्यक्ष अशोक दुबे, भाजपा नेता राकेश पाठक एवं जिले के अपर कलेक्टर प्रेम सिंह चौहान आदि अतिथियों के द्वारा भगवान श्री धनवंतरि जी एवं पूर्व प्रधानमंत्री स्व.श्री अटल बिहारी वाजपेयी के चित्र पर मल्यार्पण कर मेले का शुभारंभ किया गया। इस आयुष मेले में आयुर्वेद एवं होम्योपैथी चिकित्सकों द्वारा 1042 मरीजों जिसमें 609 पुरूष एवं 433 महिला का परीक्षण कर निःशुल्क दबायें वितरित की गई। मेले में 244 मरीजों की सुगर की जांच निःशुल्क की गई एवं 405 मरीजों का हीमोग्लोविन एवं ब्लडप्रेसर की जांच की गई।

बालिकाओं को स्वरोजगार के लिए प्रशिक्षित किया जाएगा: प्रताप

छतरपुर। किसी भी समाज को अगर तरक्की करना है तो बालिकाओं को शिक्षित और स्वावलंबी बनाना होगा। बालिका पढ़ेगी तो दो परिवारों को सही दिशा और दशा देगी। यह विचार पूर्व जिला पंचायत सदस्य विजय प्रताप सिंह छोटेराजा मनकारी ने क्षत्रिय सेवा संघ मंडल महाराजपुर की बैठक को संबोधित करते हुए व्यक्त किए। रविवार को उर्मिल बांध भिरौटा में क्षत्रिय सेवा संघ मंडल महाराजपुर की बैठक का आयोजन किया गया। दोपहर 12 बजे से हुई इस बैठक की अध्यक्षता पूर्व जिला पंचायत सदस्य विजय प्रताप डुक्षसह छोटेराजा मनकारी ने की। मुख्य अतिथि के रूप रूप में कल्याण सिंह भिरौटा ने संबोधित किया। विशिष्ट अतिथि के रूप में चतुर सिंह बारी, राजबहादुर सिंह सहानियां, रामराजा सिह जहर्रा, जाहर सिंह मातगुवां ने संबोधित किया। बैठक में सर्वप्रथम महाराजा छत्रसाल का पूजन किया गया। बैठक को संबोधित करते हुए रामबाबू सिंह परिहार ने समाज की एकता और युवाओं को नशा से दूर रहने के लिए कहा। जाहर सिंह मातगुवां ने महाराजा छत्रसाल पर स्वरचित कविता का पाठ किया। विजय प्रताप डुक्षसह बैठक को संबोधित करते हुए बालिका शिक्षा, सामाजिक कुरीतियों को दूर करने और समाज में भेदभाव खत्म करने पर जोर दिया।

नगर के दर्जनों युवाओं ने थामा कांग्रेस का हाथ

सिवनी– कांग्रेस पार्टी की रीति-नीति से प्रभावित होकर सिवनी नगरपालिका क्षेत्र के आजाद, अशोक एवं अम्बेडकर, संजय, गांधी एवं रानीदुर्गावती वार्ड के युवाओं ने युवक कांग्रेस के नेता आनंद पंजवानी, अमित डागोर के प्रयासो से जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष राजकुमार खुराना एवं जिला प्रभारी चौधरी गंभीर सिंह जी की उपस्थिती में सदस्यता ग्रहण की, सदस्यता ग्रहण करने वालो में रविकांत पिंटू गोरले, रवि खड़से, दुर्गेश गोरले, निहाल बागमारे, सुशील गोरले, आकाश वानखेड़े, श्याम लोखंडे, गोविंदा अमुलकर, अभिषेक शेडके, चेतन खड़से, अरविन्द गोरले, देवा डोंगरे, आनंद वानखेडे, राहुल सेडके, रितेश दरबने, आयुष तायवाडे, महावीर बावने, विक्की बाघमारे, पंकजज लोखंडे, मयूर बाघमारे, शनि डोंगरे, आशीष बावने, कमल डोंगरे, राकेश वानखेडे, वीरेन्द्र वानखेडे, आकाश अमुलकर, धरम खडसे, रितेष लोखंडे, विक्की अमुलकर, सतीश वानखेडे, शिव वानखेडे, अंशु सेंडके, शुभम सेंडके सहित बडी संख्या में युवाओं ने कांग्रेस पार्टी की सदस्यता ग्रहण की।

हाथ से हाथ जोड़ो यात्रा के लिए बैठक सम्पन्न

सिवनी– मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष कमलनाथ के निर्देश पर जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष राजकुमार खुराना द्वारा भारत जोड़ो यात्रा की तर्ज पर हाथ से हाथ जोड़ो जनसर्म्पक अभियान को सफल बनाने के लिये बैठक रखी गयी। सर्वप्रथम महात्मा गांधी जी के छायाचित्र के समक्ष दीप प्रज्जवलित प्रमोद ने किया, माल्यार्पण पूर्व विधायक रमेश जैन ने किया। बैठक में प्रत्येक ब्लाक में मंडलम, सेक्टर स्तर पर हाथ से हाथ जोड़ो अभियान के अन्तर्गत प्रत्येक लोगो तक भाजपा सरकार की नाकामी को जन जन तक पंहुचाने के लिये उपस्थित कांग्रेस जनों से सुझाव मांगे गये, सभी ने इस अभियान को सफल बनाने के लिये अपनी सहमति प्रदान कर सुझाव दिये। जिले की चारो विधान सभा से बडी संख्या में कांग्रेस जन उपस्थित हुये, बैठक दो चरणो में की गयी।

स्वास्थ्य सेवाओं को निःशुल्क गांव-गांव तक पहुंचाने के लिए डॉक्टर देवेंद्र द्वारा निकाला जा रही स्वास्थ्य यात्रा

छबारा गांव में स्वास्थ्य शिविर में 150 मरीजों ने कराया इलाज़

बरेली। डॉक्टर बनकर और ऊंचे ओहदे पर पहुंचकर लोग अपनी जन्मभूमि को भूलकर कर्मभूमि पर काम करते हैं लेकिन उदयपुरा विधानसभा के उदयपुरा में जन्मे भोपाल के प्रसिद्ध यूरोलॉजिस्ट स्पेशलिस्ट डॉ देवेंद्र धाकड़ लगातार 5 सालों से अपनी जन्मभूमि के लिए कुछ करने की चाह और उस भावना से उदयपुरा विधानसभा के लोगों की निशुल्क सेवाएं कर रहे हैं गांव गांव तक उच्च स्तरीय स्वास्थ्य सेवाओं को पहुंचाने के लिए शिविर लगा रहे हैं जिसमें भोपाल के विशेषज्ञ डॉक्टरों द्वारा गांव के लोगों निशुल्क प्रशिक्षण कर स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ दिया जा रहा है रविवार को डॉक्टर देवेंद्र धाकड़ द्वारा ग्राम छबारा में निशुल्क स्वास्थ्य शिविर लगाया गया जिसमें भोपाल से आए हुए चिकित्सकों ने मरीज़ों का परीक्षण किया डा देवेंद्र धाकड ने कहा हम जहाँ स्वास्थ्य सुविधाओं का अभाव है वहाँ आधुनिक सुबिधाओं को ले जाना चाहते हैं

आज इसी क्रम मे लगभग 150 मरीजों ने अपना इलाज करवाया और डॉक्टर देवेंद्र धाकड़ को धन्यवाद दियाइस शिविर में डॉक्टर देवेंद्र सिंह धाकड़ यूरोलॉजिस्ट , डॉ राजेश लोनारे, डॉ विनोद सावले,डॉ अर्चना पटेल ,डॉक्टर सरिता मालवीय,डॉ राधेश्याम धाकड़ ,डॉ मधु,डॉ अंशुल जैन ने लोगों का परीक्षण कर दवाईयां दी छपारा में लगे स्वस्थ शिविर में शिवप्रसाद धाकड़ ,राजू पटेल,धर्मेंद्र जरारिया,सचिन धाकड़ ,अजीत रघुवंशी सरपंच,जितेंद्र जरारिया ,कुलदीप दुबे,राकेश धाकड़ ,शेर सिंह धाकड़ का सहयोग के रूप में योगदान रहा 7 सभी सहयोगी कार्यकर्ताओं और डॉक्टरों का डॉक्टर देवेंद्र धाकड़ ने आभार जताया 7

प्रशासन के लिए चुनौती बना हाट बाजार का अतिक्रमण

सरपंच,सचिव सहित ग्रामीणों ने तहसीलदार से की शिकायत

बैतूल। पाढर हाट बाजार को अतिक्रमण मुक्त करना प्रशासन के लिए चुनौती बन गया है। वर्तमान में पाढर हाट बाजार पर अवैध कब्जा है जिस कारण ग्रामीण क्षेत्र से आने वाले सब्जी विक्रेता सड़क पर बिक्री करने के लिए मजबूर है। आलम यह है कि नियम के विरुद्ध दुकानदार बाजार के अंदर पक्के स्ट्रक्चर का निर्माण कर दुकान चला रहे हैं। इसमें कुछ स्थानीय दबंग भागीदार है। बहरहाल जिस तरह बाजार में अतिक्रमण किया गया है उसे हटाना एक बड़ी चुनौती है।

इस अवैध अतिक्रमण की शिकायत पाढर ग्राम पंचायत के सरपंच सचिव सहित ग्रामीणों ने घोड़ाडोंगरी तहसीलदार से की है। ग्रामीणों ने बताया कि ग्राम पंचायत पाढर के शासकीय खसरा क्रमांक 57 पर साप्ताहिक बाज़ार लगता है। उक्त रकबे पर ग्राम पाढर के निवासी विक्रांत मालवीय पिता कांतिलाल मालवीय सहित अन्य 12 लोगों द्वारा अवैध अतिक्रमण कर टीन शेड डाल लिया गया है। शासकीय प्रक्रिया में बाधा उत्पन्न की जा रही है। इसकी अनेक बार शिकायत करने के बाद भी अतिक्रमण नहीं हटाया जा रहा है। अवैध निर्माण करने वालों पर कोई कार्रवाई भी नहीं की जा रही है। सरपंच सचिव एवं ग्रामीणों ने विक्रांत मालवीय पिता कांतिलाल मालवीय के खिलाफ उचित कार्यवाही करवाने एवं अवैध अतिक्रमण हटवाने की मांग की है।

रंगोली, डांस, चित्रकला, गायन प्रतियोगिता आयोजित

बैतूल। दि बुद्धिस्ट सोसायटी ऑफ इंडिया के द्वारा पंचशील बौद्ध विहार सदर बैतूल में प्रातः 11 बजे से बच्चों द्वारा संस्कृतिक कार्यक्रम की शुरुआत की गई। बौद्ध युवक-युवती सम्मेलन में महिला संगठन की अध्यक्ष उषा छाया ऊबनारे की महिला टीम के द्वारा छोटे बच्चों की रंगोली, डांस, चित्रकला एवं गायन प्रतियोगिता करवाई गई। बडोरा से आय छोटे बच्चों ने सम्मेलन में मनमोहक प्रस्तुतियां दी। सर्वप्रथ तथागत गौतम बुद्ध एवं डॉ भीमराव अंबेडकर के छाया चित्र समक्ष वंदना, दीप प्रज्वलित डॉ वंदना शाक्य एवं महिला संगठन के द्वारा किया गया। अतिथियों का स्वागत, मायरा वाघमारे द्वारा बुद्ध वंदना पर नृत्य किया गया। अन्वी लोखंडे का गीत, हिमानी एवं हिना गरूप में क्रांतिकारी बिरसा मुंडा के गीत पर नृत्य किया।

शासकीय भूमि पर बने रास्ते पर कर लिया अतिक्रमण

बैतूल। बीआरसी ऑफिस घोड़ाडोंगरी के पास स्थित सड़क पर अतिक्रमण के चलते लोगों को आवाजाही में काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। इस समस्या से निजात दिलाने की मांग को लेकर क्षेत्रवासियों ने कलेक्टर के नाम ज्ञापन सौंपकर तत्काल सड़क को अतिक्रमण मुक्त करने की मांग की है। शिकायतकर्ता सुनील रुकमणी प्रजापति सहित अन्य लोगों ने ज्ञापन के माध्यम से बताया कि अनावेदक कृष्णाराव खातरकर द्वारा वार्ड नंबर 5 बीआरसी आफिस के बाजू में अतिक्रमण कर आने जाने का रास्ता बंद कर दिया। शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया कि अनावेदक राजनितिक प्रभाव बताकर धमकियां देता है। रास्ता बंद होने से पीने का पानी एवं अन्य कार्य करने में आने जाने में काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। ग्रामीणों ने बताया कि उन्होंने शासकीय भूमि पर से रास्ता खुलवाने के लिए तहसीलदार घोडाडोंगरी एवं कलेक्टर से शिकायत की। थी लेकिन कोई कार्यवाही नहीं की गई। शिकायतकर्ता ग्रामीणों का आरोप है कि शिकायत करने के बाद हल्का पटवारी रामलाल कुमरे द्वारा तहसीलदार एवं अन्य विभाग के अधिकारियों को रास्ता खुलवा देने की झूठी जानकारियां दी गई है। ग्रामीणों का कहना है कि वह मिट्टी के बर्तन बनाने का व्यवसाय करते है। रास्ता नही खुलने से उनका खानदानी व्यवसाय काफी प्रभावित हो रहा है। उनके सामने रोजी रोटी का संकट उत्पन्न हो गया है। शिकायतकर्ता सुनील रुकमणी प्रजापति ने बताया कि उनकी पुत्री विकलांग है, बाकी बच्चे तो बीआरसी कि दीवार कूदकर स्कूल चले जाते हैं। लेकिन विकलांग बच्ची को काफी परेशानी होती है। सड़क की समस्या से उसका भविष्य बर्बाद होते जा रहा है। इस गंभीर परिस्थिति को देखते हुए शिकायतकर्ता होने जिला प्रशासन से शीघ्र कार्यवाही करते हुए सड़क पर कब्जा होने की समस्या से निजात दिलाने की मांग की है। शिकायत करने वालों में अमान कुरेशी, शंकर देशमुख, शेख लतीफ मनमोहन अग्रवाल, विनोद, जाहिद खान, सकू चौकीकर, लालमन बेले आदि शामिल है।

अभाविप निकालेगा छात्र उद्घोष शोभा यात्रा

बैतूल। आगामी 20 जनवरी को जिला मुख्यालय पर अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के द्वारा जिला सम्मेलन आयोजित किया जाएगा। इस मौके पर अभाविप द्वारा शिवाजी चौक स्थित ओपन ऑडिटोरियम से भव्य शोभायात्रा निकाली जाएगी। इसकी तैयारियों को लेकर शनिवार को अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के कार्यकर्ताओं ने ओपन ऑडिटोरियम पहुंचकर निरीक्षण किया। जिला संगठन मंत्री रुस्तम लोधी एवं जिला संयोजक देवेंद्र धुर्वे ने बताया 20 जनवरी को होने जा रहे छात्र सम्मेलन छात्र उद्घोष में निकलने वाली शोभायात्रा के रूट एवं सम्मेलन स्थल का जाएजा लिया गया। शोभायात्रा प्रमुख निलेश गिरी गोस्वामी ने बताया शोभायात्रा शिवाजी ओपन आडिटोरियम से निकाली जाएगी जो बस स्टेंड, लल्ली चौक से होते हुए गणेश चौक, जेएच कॉलेज के सामने से एचडीएफसी बैंक गंज पहुंचेगी। इस दौरान यहां खुला मंच का आयोजन किया जाएगा।

रफ्तार हुई बेकाबू, अंधी गति से दौड़ रही कार ने बाइक को उड़ाया, बाइक सवार दो लोगों की मौके पर मौत

सीहोर। सीहोर-नापलाखेड़ी मार्ग पर एक कार चालक ने लापरवाही से और अंधी गति से वाहन चलाते हुए एक बाइक सवार को उड़ा दिया। हादसे में मौके पर ही बाइक सवार एक महिला और एक पुरुष की मौके पर ही मौत हो गई।

सड़कों पर वाहनों की रफ्तार कम होने का नाम नहीं ले रही है। हाइवे पर चार पहिया वाहन अंधी गति से दौड़ाए जा रहे हैं। इसके कारण आए दिन सड़क दुर्घटना के मामले सामने आ रहे हैं। ऐसे ही एक मामले में रविवार की शाम अंधी गति से दौड़ाई जा रही एक कार ने बेकाबू होकर एक बाइक को टक्कर मार दी। सीहोर-नापलखेड़ी मार्ग पर रविवार की हुए हादसे में बाइक के परखच्चे हुए और बाइक पर सवार एक महिला और एक पुरुष नीचे गिरकर लहूलुहान हो गए और दोनों की मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस ने मृतकों के नाम बिलकिसगंज निवासी संतोष पिता मिश्रीलाल और भूरी बाई की मौत हो गई। पुलिस ने कार चालक के खिलाफ प्रकरण कायम कर लिया है।

19 मंडलो के अधिकांश बूथों पर मनाई गई अटलजी की जयंती

संगठन एप पर बूथ अध्यक्षों ने भेजी जानकारी,इछावर में हुई वाद विवाद प्रतियोगिता

सीहोर । भारतीय जनता पार्टी सीहोर जिले के सभी 19 मंडलो में एवं जिले के सभी मंडलो के अधिकांश बूथों पर आज अटलजी का जन्मदिन सुशासन दिवस के रूप में मनाया गया। प्रदेश-जिला नेतृत्व के आह्वान पर भारत रत्न,देश के पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय अटलबिहारी वाजपेयी का जन्मदिन आज 25 दिसम्बर को सीहोर जिला भाजपा ने सुशासन दिवस के रूप में प्रत्येक बूथ पर मनाया। सीहोर जिला भाजपा के मीडिया प्रभारी सुशील संचेती ने बताया की आज इछावर में युवा मोर्चे के जिला अध्यक्ष भूपेन्द्र पाटीदार के नेतृत्व में वाद विवाद प्रतियोगिता आयोजित की गई। सीहोर जिले के प्रभारी बहादुरसिंह मुकाती एवं जिला पंचायत के अध्यक्ष इंजी गोपालसिंह ने विजेताओं को पुरुष्कार वितरित किये। आष्टा,सीहोर,इछावर,बुधनी विधानसभा क्षेत्र के सभी मंडलों, बूथों पर अटलजी का जन्मदिन मना। एवं प्रधानमंत्री की मन की बात सुनी गई। कार्यक्रमो में सभी विधायक,जिला पदाधिकारी,मंडल अध्यक्ष मंडलो मोर्चो,प्रकोष्ठों के अध्यक्ष, संयोजक,पदाधिकारी बड़ी संख्या में शामिल हुए।

सीहोर जिला भाजपा के मीडिया प्रभारी सुशील संचेती ने कर बताया की 25 दिसम्बर को जिले के सभी 19 मंडलो के लगभग सभी बूथों पर पार्टी के कार्यकर्ताओ ने अटल जी का जन्मदिन सुशासन दिवस के रूप में मनाया ओर प्रधानमंत्री जी की मन की बात कार्यक्रम को सामूहिक रूप से एक स्थान पर एकत्रित हो कर सुना गया। सीहोर में भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चे सहित सभी मोर्चो,प्रकोष्ठों ने भी कार्यक्रम आयोजित कर अटलजी का जन्मदिन मनाया।

विवेक तनखा होंगे संशोधन समिति के सदस्य

इटारसी। जनता और व्यापारियों का विश्वास अर्जित करने के साथ-साथ अदालतों में प्रकरणों का बोझ कम करने के उद्देश्य से जन विश्वास प्रावधान संशोधन विधेयक 2022 तैयार किया गया है। जिसकी संयुक्त समिति में मध्य प्रदेश से राज्यसभा सांसद विवेक कृष्ण तनखा को सम्मिलित किया गया है । उक्त आशय की जानकारी प्रदेश कांग्रेस लीगल सेल के सचिव रमेश के साहू एडवोकेट इटारसी निवासी ने दी। साहू ने बताया कि 19 मंत्रालयों के 42 कानूनों के 183 प्रावधानों को अपराध से मुक्त किए जाने का प्रस्ताव तैयार किया जा रहा है, जिसके माध्यम से छोटी-छोटी गलतियों को अपराधों के दायरे से बाहर रखना तथा उन्हें नियंत्रित एवं उन्मूलन करना है। उक्त विधेयक में मोटर वाहन अधिनियम, रेलवे एक्ट,पर्यावरण संरक्षण ड्रग एंड कॉस्मेटिक एक्ट, ट्रेडमार्क एक्ट,फार्मेसी अधिनियम,सिनेमेटोग्राफी एक्ट, इट अधिनियम,पेट अधिनियम, आईटी एक्ट,धन संशोधन रोकथाम अधिनियम,मानक अधिनियम और पेट्रोलियम नियम सहित अन्य कानूनों के 183 प्रावधानों को अपराध मुक्त करने का प्रस्ताव है। मध्यप्रदेश के पूर्व एडवोकेट जनरल शशांक शेखर एड जबलपुर,पूर्व एडीशनल एडवोकेट जनरल अजय गुप्ता एड भोपाल, राजीव शुक्ला एड ग्वालियर प्रदेश कांग्रेस लीगल सेल के अध्यक्ष श्री राजेंद्र बब्बर एडवोकेट सचिव संगठन रमेश के साहू एडवोकेट ने श्री तनखा को जन विश्वास प्रावधान संशोधन विधेयक 2022 की संयुक्त समिति में सम्मिलित किए जाने पर शुभकामनाएं प्रेषित की है।

पांचवे सारू मारू बौद्ध का हुआ आयोजन

सीहोर। सीहोर जिले के बुधनी तहसील में स्थित ग्राम नकटी तलाई में पांचवी बहुत मेले का आयोजन किया गया जहां हजारों की संख्या में मेले में लोग उपस्थित हुए मेले में मुख्य अतिथि बादल सिंह बौद्ध राष्ट्रीय कार्यवाहक अध्यक्ष राष्ट्रीय बौद्ध महासभा एवं भिक्षु संघ द्वारा बौद्ध स्तूप की पूजा अर्चना कर कार्यक्रम की शुरुआत की एवं सभा का आयोजन किया गया। सभा में अतिथियों ने अपने विचार व्यक्त किए जिसमें प्रमुख रुप से राष्ट्रीय बौद्ध महासभा के प्रदेश अध्यक्ष डीपी गोलियां जी ने कहा सलकनपुर की तरह सारू मारू बहुत दुख होगा विकास होना चाहिए यह स्थान मध्य प्रदेश के मुखिया माननीय शिवराज सिंह चौहान जी की विधानसभा में आता है। मंच के माध्यम से उन्होंने माननीय मुख्यमंत्री जी तक अपनी बात पहुंचाने का प्रयास किया कार्यक्रम में उपस्थित कमलेश दोहरे ने भी अपनी बात रखी और उन्होंने कहा कि व्यक्ति को स्वयं में बदलाव लाकर भगवान बुद्ध की शिक्षाओं को मानने की आवश्यकता है, जब तक व्यक्ति स्वयं में परिवर्तन नहीं करेगा ना स्वयं का विकास होगा।

सैण्ट एस.आर.एस. की योग टीम का स्कूल में किया सम्मान

गंजबासौदा। सैण्ट एसआरएस पब्लिक हायर सैकण्डरी स्कूल एनएसएस के द्वारा आयोजित कार्यक्रम में राज्य स्तरीय योग प्रतियोगिता में शामिल कुल आठ विद्यार्थियों का स्कूल प्रबंधन द्वारा सम्मान किया गया और राष्ट्र स्तर पर शहर का नाम रोशन करने की शुभकामनाएं दी गई।

मालूम हो कि स्थानीय सैण्ट एस आर एस पब्लिक हायर सैकण्डरी स्कूल के छात्रों द्वारा राज्य स्तर पर योग, प्राणायाम, सूर्य नमस्कार प्रतियोगिता में पहले से तीसरे स्थान पर अपना दबदबा बनाए रखा था। शुक्रवार को संस्था के आठ खिलाड़ियों ने पदक प्राप्त किए। दीप्ति दोहरे, गुरु प्रताप, मोहित राठोर, मयूर राजपूत, कार्तिक अहिरवार, महिमा राजपूत, नैनशी और अनुपमा नामदेव का खेल अधिकारी कपिल गौर, डायरेक्टर केएस यादव, प्राचार्य उमेश चन्द्र यादव, वरिष्ठ शिक्षक कृष्ण पाल सिंह चौहान रत्ना देशपांडे, सुमन सेन, रजनी गुप्ता, अनुज गुप्ता, प्रियंका अग्रवाल, मनोज श्रीवास्तव, दिव्यांश भावसार, दिनकर कद्रे सहित समस्त स्टाफ ने फूल माताएं पहनाकर एवं ट्राफी भेंटकर सम्मान किया।

जेआयटी बोरावां में राजीव गांधी प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के तत्वावधान में नोडल स्तरीय अंतर महाविद्यालयीन क्रास कन्ट्री प्रतियोगिता आयोजित

खरगोन।, राजीव गांधी प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के तत्वावधान में इन्दौर नोडल सेंटर द्वारा आयोजित अंतर महाविद्यालयीन नोडल स्तरीय क्रास कन्ट्री रेस प्रतियोगिता का आयोजन जवाहरलाल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नालॉजी बोरावॉ द्वारा आज शनिवार दिनांक 24 दिसम्बर 2022 को किया गया । इस प्रतियोगिता में इन्दौर नोडल सेंटर के अंतर्गत आने वाले इन्दौर , खण्डवा , बुरहानपुर, खरगोन बडवानी जिलों के इंजीनियरिंग , फॉर्मेसी एवं एम0सी0ए0 महाविद्यालयों के विद्यार्थियों ने भाग लिया । संस्थान के प्राचार्य डॉ0 अतुल उपाध्याय ने जानकारी देते हुए बताया कि पुरूष एवं महिला वर्ग की 12.5 किलोमीटर की इस क्रास कन्ट्री रेस प्रतियोगिता में राजीव गांधी प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय भोपाल के अंतर्गत जीएसआईटीएस, एम.आई.टी., एस.के.आई.टी.एम. इन्दौर, जे.आय.टी. बोरावॉ, एवं जीआरव्हाय इंस्टीट्यूट ऑफ फॉर्मेसी बोरावां के 25 से अधिक विद्यार्थियों ने क्रास कंट्री रेस प्रतियोगिता में हिस्सा लिया ।

जी.आर.व्हाय. फॉर्मेसी बोरावां के ओमश्री सोलंकी एवंएम.आई.टी इन्दौर की दीक्षा गोलकर रहे विजेतासंस्थान के स्पोर्ट्स प्रभारी प्रो. कपिल शाह ने प्रतियोगिता का विवरण देते बताया कि 12.5 किमी पुरूष वर्ग प्रतियोगिता में जी.आर.व्हाय. इंस्टीट्यूट ऑफ फॉर्मेसी बोरावां के ओमश्री सोलंकी प्रथम एवं जय सिसोदिया द्वितीय स्थान पर रहे एवं 12.5 किमी की महिला वर्ग प्रतियोगिता में दीक्षा गोलकर मालवा इंस्टीट्यूट इन्दौर प्रथम एवं द्वितीय स्थान जेआयटी बोरावां की भाग्यश्री कुमरावत ने प्राप्त किया । तृतीय स्थान पर जेआयटी बोरावां के खेलसिंह सोलंकी एवं एम.आई.टी. इन्दौर की सुहानी कोष्टी रही । ओवरआल चेम्पियनशिप विजेता मालवा इंस्टीट्यूट इन्दौर की टीम रही वहीं ओवरआल चेम्पियन रनरअप जी.आर.व्हाय. इंस्टीट्यूट ऑफ फॉर्मेसी बोरावां की टीम रही एवं ओवरऑल चेम्पियनशिप में तृतीय स्थान जेआयटी बोरावां की टीम ने प्राप्त किया । सभी विजेताओं को शील्ड, मेडल एवं प्रशस्ति पत्र जे.आय.टी. बोरावां के प्राचार्य डॉ. अतुल उपाध्याय एवं जी.आर.व्हाय. इंस्टीट्यूट ऑफ फॉर्मेसी बोरावां के प्राचार्य डॉ. सुजीत पिल्लई द्वारा प्रदान किये गये । संस्थान के स्पोर्ट्स प्रभारी प्रो. कपिल शाह , प्रशिक्षक स्वपनिल वराडे , पुष्पेन्द्र नामदेव , सुश्री विनिता पटेल एवं प्लेसमेंट अधिकारी प्रो. नितिन नामदेव ने सभी विजेताओं के उज्जवल भविष्य की कामना की । क्रॉस कन्ट्री रेस के सभी विजेता विद्यार्थी आगामी 30 दिसम्बर 2022 को जबलपुर में आयोजित राज्य स्तरीय क्रॉस कन्ट्री रेस प्रतियोगिता में इन्दौर संभाग का प्रतिनिधित्व करेंगें ।

संस्था के डीन एकेडमिक डॉ0 सुनील सुगंधी ने जानकारी देते हुए बताया कि जेआयटी बोरावॉ को सत्र 2022-23 के लिए क्रॉस कन्ट्री रेस प्रतियोगिता के साथ खो-खो, एथेलेटिक्स की नोडल स्तरीय प्रतियोगिताये आयोजित किये जाने हेतु भी जिम्मेदारी सौंपी गई थी जिन्हें विगत नवम्बर 2022 में संपन्न किया जा चुका है ।

कार्यालय थाना प्रभारी थाना कोतवाली भोपाल

क्रमांक / था. प्र./कोतवाली / भोपाल- मर्ग क्र. 10/22 दिनांक 20.12.2020

जाहिर सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि थाना कोतवाली भोपाल के मर्ग क्रमांक 10/2022 मे अज्ञात व्यक्ति पुरुष जिसका हुलिया उम्र करीबन 60-65 साल जो सिर व दाढ़ी के बाल सफेद होकर मृत अवस्था मे मिला है जिसका फोटो उपरोक्तानुसार है । यदि इस मृत व्यक्ति के संबन्ध मे किसी को कोई जानकारी हो या इसके वह इसके परिजन हो तो थाना कोतवाली भोपाल मे आकर संपर्क करे अथवा दूरभाष नं. 0755-2443220,2677309 जांचकर्ता सउनि. गणेश लाल रावसे मो.नं. 7049157570 पर तत्काल संपर्क करे ।

श्राना प्रभारी
थाना कोतवाली भोपाल

जी-20809/22

वामन अवतार व श्री कृष्ण जन्म उत्सव में इटारसी की भक्ति का इंद्रधनुष बना पुरी

इटारसी। भूखे प्यासे 3 दिन निकालकर,फिर 5 दिन की यात्रा कर जब भक्त जगन्नाथ पुरी में अपने ईष्ट भगवान जगन्नाथ के द्वार पर पहुंचा तो भक्तों भारी भीड़ के कारण उसे उस दिन दर्शन भी नहीं हो सके। तब वह दक्षिण द्वार पर स्थित मंदिर के किचिन के करीब चावल के मांड का पानी पीकर ही रात बिताने की बात सभी के मंदिर से जाने के बाद अपनी पत्नी व बच्चे से करता है । तब भगवान खुद एक पंडित का भेष बनाकर दौड़कर भोजन कक्ष में जाते हुए हीरे जवाहरात से भरे एक स्वर्ण थाल को खाली कर उसमें छप्पन भोग सजाकर स्वयं अपने उस भक्त के पास जाते हैं और उसे स्वयं भोजन कराते हैं। बाद में राजा को स्वप्न में आदेश कर उस भक्त को मंदिर का एकाउंटेंट बना देते हैं। तब से आज तक उस भक्त के परिवार के लोग ही श्री जगन्नाथ मंदिर के आय व्यय का लेखा जोखा रखते हैं। ऐसे परम कृपालु हैं जगत के नाथ जगन्नाथ। उक्त कहानी नम आंखों से सुनाते हुए आज रविवार,सुबह 10 बजे से, चतुर्थ दिवस, सम्पूर्ण जगत के नाथ माने जाने वाले भगवान श्री जगन्नाथ की पुरी में होटल नीलाद्री के सभागार में भागवताचार्य श्री पंडित नरेन्द्र तिवारी,हनुमान धाम इटारसी ने प्रभु प्रेम की भक्ति में भाव विभोर कर दिया। उन्होंने कहा कि वास्तव में भगवान दीनता की अंतिम पंक्ति के अंतिम भक्त हृदय व्यक्ति से भी अगाध प्रेम करते हैं। श्रीमद भागवत के ध्रुव प्रसंग को विस्तार से अभिव्यक्त कर अन्य कई प्रसंग जैसे प्रहलाद प्रसंग, देवभूति व कर्दम ऋषि के विवाह की कथा, पुत्र कपिल मुनि व नव कन्या रत्न की कथा,श्री राम कथा आदि को सूत्र रूप में बताते हुए,वामन अवतार व श्री कृष्ण जन्म उत्सव कथा प्रसंग, खूबसूरत भजनांजलि के साथ धूमधाम से मनाया गया। दोपहर में इटारसी से पुरी आए लगभग 200 धर्म प्रेमियों ने अपने पितरों की मुक्ति की कामना से तर्पण किया व समुद्र पूजन की। इस ज्ञान यज्ञ के मुख्य यजमान राजेंद्र अग्रवाल, भौरा वाले हैं। सह यजमान प्रोफेसर डा.विनोद सीरिया हैं। अन्य कुछ यजमानों द्वारा भी अपनी तरफ से अलग अलग पंडितों द्वारा पृथक पृथक भागवत कथा का मूल पाठ भी कराया जा रहा है।

1000 और 2000 रुपये के नोटों को लेकर आरबीआई ने दी बड़ी जानकारी, 1 जनवरी से होगा ये बड़ा बदलाव!

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्र सरकार की तरफ से देशभर में हुई नोटबंदी के बाद में अब नए साल से पहले 1000 और 2000 रुपये को लेकर बड़ी खबर सामने आ रही है. केंद्र सरकार जल्द ही देशभर में एक बार फिर से 1000 रुपये के नोट शुरू करने जा रही है. इसको लेकर सोशल मीडिया पर कई तरह की पोस्ट देखने को मिल रही हैं. रिजर्व बैंक की ओर से नोटों को जारी किया जाता है. क्या आरबीआई ने बताया है कि 1 जनवरी से 1000 रुपये का नया नोट आ जाएगा... आइए जानें क्या है पूरा मामला?

नए साल में आएंगे 1000 रुपये के नोट- जल्द ही नया साल शुरु होने जा रहा है और इस बीच रिजर्व बैंक एक हजार रुपये का नया नोट जारी करने जा रही है. 1 जनवरी 2023 से देश में कई तरह के नियम बदल जाएंगे. इस बीच क्या आरबीआई 1000 रुपये के नए नोट जारी करेगा.... और 2000 रुपये के सभी नोट बैंक में वापस लौट जाएंगे.

पीआईबी फैक्ट चेक ने अपने ऑफिशियल ट्वीट में लिखा है सोशल मीडिया पर वायरल वीडियों में दावा किया जा रहा कि 1 जनवरी से 1 हजार का नया नोट आने वाले हैं और 2 हजार के नोट बैंकों में वापस लौट जाएंगे. पीआईबी ने बताया कि यह दावा पूरी तरह से फर्जी है.

केंद्र सरकार का नहीं है कोई प्लान- पीआईबी ने फैक्ट चेक में पाया है कि यह पोस्ट पूरी तरह से फेक है. रिजर्व बैंक की ओर से इस तरह का कोई भी प्लान नहीं बनाया गया है और न ही इस तरह 2000 रुपये के नोटों को वापस लेने का कोई प्लान है. केंद्र सरकार ने कहा है कि इस तरह की किसी भी पोस्ट को शेयर न करें.

वायरल मैसेज का आप भी करा सकते हैं फैक्ट चेक- अगर आपके पास भी इस तरह का कोई मैसेज आता है तो बिल्कुल भी परेशान न हो. इस तरह के फर्जी मैसेज को किसी के साथ शेयर न करें. इसके अलावा आप भी किसी भी खबर का फैक्ट चेक करा सकते हैं।

लुधियाना के होजरी उद्योग को सर्दियों के कपड़ों की कम मांग से नुकसान

नई दिल्ली, एजेंसी। ठंड के मौसम के कपड़ों की कमजोर मांग ने होजरी उद्योग को दिसंबर की शुरुआत में ही छूट देने की पेशकश करने के लिए मजबूर कर दिया। आमतौर पर होजरी क्षेत्र के बड़े ब्रांड दिसंबर के अंतिम सप्ताह या जनवरी के पहले सप्ताह में छूट देना शुरू करते हैं।

पंजाब में लुधियाना का प्रसिद्ध होजरी उद्योग मांग में गिरावट आने से इस समय मुश्किल में दिख रहा है। ठंड आने में हुई देरी के कारण गर्म कपड़ों के लिए दोबारा ऑर्डर मिलना मुश्किल हो रहा है क्योंकि खुदरा विक्रेताओं के पास पहले ही सर्दियों के कपड़ों का भारी स्टॉक बचा हुआ है। ठंड के मौसम के कपड़ों की कमजोर मांग ने होजरी उद्योग को दिसंबर की शुरुआत में ही छूट देने की पेशकश करने के लिए मजबूर कर दिया। आमतौर पर होजरी क्षेत्र के बड़े ब्रांड दिसंबर के अंतिम सप्ताह या जनवरी के पहले सप्ताह में छूट देना शुरू करते हैं। हर साल अक्टूबर, नवंबर और दिसंबर लुधियाना के होजरी क्षेत्र के लिए काफी अहम महीने माने जाते हैं। यहां से पंजाब, हरियाणा, दिल्ली, हिमाचल प्रदेश, उत्तर प्रदेश, राजस्थान, जम्मू और कश्मीर, बिहार और पूर्वोत्तर के कुछ राज्यों को आपूर्ति की जाती है। लुधियाना सर्दियों के कपड़ों जैसे जैकेट, स्वेटर, थर्मल, कार्डिगन, पुलओवर, इनर वियर, शॉल आदि के लिए प्रसिद्ध है। महिलाओं के परिधानों के ब्रांड रेज के शाम बंसल ने कहा, देरी से ठंड आने से लुधियाना में होजरी क्षेत्र कठिन समय का सामना कर रहा है।

एक अन्य होजरी विनिर्माता ने कहा कि इस मौसम में थोक विक्रेताओं और खुदरा विक्रेताओं की ओर से कपड़ों की मांग काफी कम रही। उन्होंने केवल एक बार ऑर्डर दिया और खुदरा दुकानों में सर्दियों के कपड़ों की बहुत कम के चलते दूसरी या तीसरी बार ऑर्डर देने नहीं आए। हालांकि, पिछले कुछ दिनों में उत्तरी क्षेत्र में कई जगहों पर न्यूनतम तापमान में गिरावट आई है और होजरी उद्योग को उम्मीद है कि मांग में तेजी आ सकती है।

भारतीय बाजार पर विदेशी निवेशकों का भरोसा कायम, दिसंबर में अब तक किया इतने करोड़ का तगड़ा निवेश!

● विदेशी निवेशकों ने 1 से 23 दिसंबर 2022 के दौरान करीब 11,557 करोड़ रुपये का निवेश किया ● एफपीआई ने अक्टूबर में 8 करोड़ रुपये और सितंबर में 7,624 करोड़ रुपये निकाले थे ● नवंबर में विदेशी निवेशकों ने बाजार में 36,200 करोड़ रुपये से ज्यादा का निवेश किया था

नई दिल्ली, एजेंसी। चीन सहित दुनिया के कई देशों में बढ़ते कोरोना के मामले और मंदी की आहट के बीच विदेशी निवेशकों का भारतीय बाजार पर भरोसा कायम है। डिपॉजिटरी के आंकड़ों के मुताबिक, विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों ने भारतीय इक्विटी बाजारों में 1 से 23 दिसंबर 2022 के दौरान करीब 11,557 करोड़ रुपये का शुद्ध निवेश किया है। नवंबर में विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक यानी एफपीआई ने भारतीय बाजारों में 36,200 करोड़ रुपये से अधिक का निवेश किया था। जियोजित फाइनेंशियल सर्विसेज के मुख्य निवेश रणनीतिकार वी के विजयकुमार ने कहा कि आने वाले समय में अमेरिका से मैक्रो डेटा और कोविड समाचार निकट भविष्य में एफपीआई प्रवाह और बाजारों को चलाएंगे। डिपॉजिटरी के आंकड़ों के मुताबिक, विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों ने दिसंबर के दौरान इक्विटी में 11,557 करोड़ रुपये का शुद्ध निवेश किया है। इसकी मुख्य वजह अमेरिकी डॉलर सूचकांक के कमजोर होने और समग्र व्यापक आर्थिक रुझानों के बारे में सकारात्मकता बताया जा रहा है।

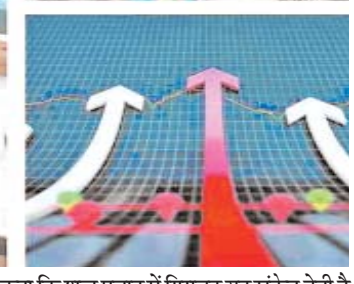

डिपॉजिटरी के आंकड़ों से पता चलता है कि इससे पहले विदेशी निवेशकों ने अक्टूबर में 8 करोड़ रुपये और सितंबर में 7,624 करोड़ रुपये निकाले थे। मॉर्निंगस्टार इंडिया के मैनेजर रिसर्च और एसोसिएट डायरेक्टर हिमांशु श्रीवास्तव के मुताबिक, बाजारों में गिरावट के बावजूद, दुनिया के कुछ हिस्सों में कोविड के फिर से उभरने को लेकर बढ़ती चिंता और अमेरिका में मंदी की चिंता के बावजूद, एफपीआई भारतीय इक्विटी बाजारों में (दिसंबर में) शुद्ध खरीदार बने रहे हैं। हालांकि, 23 दिसंबर को समाप्त सप्ताह में शुद्ध प्रवाह की मात्रा 1,000 करोड़ रुपये से कुछ कम थी, जबकि पिछले सप्ताह यह 6,055 करोड़ रुपये दर्ज की गई थी। उन्होंने कहा कि शुद्ध प्रवाह में गिरावट यह संकेत देती है कि हाल के घटनाक्रमों और जारी अनिश्चितताओं को देखते हुए विदेशी निवेशक धीरे-धीरे सतर्क हो रहे हैं।

बाजार में आएगी तेजी

जियोजित फाइनेंशियल सर्विसेज के मुख्य निवेश रणनीतिकार वी के विजयकुमार के मुताबिक, चीन में फैले कोविड के बारे में चिंता एक नकारात्मक भावना है और अमेरिका के मजबूत आर्थिक आंकड़े फेड के आक्रामक रुख को जारी रखने का संकेत देते हैं, जो बॉन्ड की पैदावार को बढ़ा रहा है और इक्विटी को नीचे कर रहा है। हालांकि इस प्रवृत्ति के उलट होने से ही बाजार में तेजी आएगी। इसके अलावा, चल रही अनिश्चितता के बीच, कई निवेशकों ने हाल ही में उच्चतम स्तर को छूने वाले भारतीय बाजारों के साथ मुनाफावसूली करना भी चुना होगा। दिसंबर की पहली छमाही में, एफपीआई ऑटो, पूंजीगत सामान, एफएमसीजी और रियल एस्टेट शेयरों में खरीदार थे, जबकि वे उपभोक्ता टिकाऊ वस्तुओं, तेल और गैस, बिजली और वित्तीय में विक्रेता थे।

विदेशी निवेशकों ने अब तक निकाले हैं इतने रुपये

कुल मिलाकर, एफपीआई ने 2022 में अब तक इक्विटी बाजारों से शुद्ध रूप से 1.21 लाख करोड़ रुपये निकाले हैं। दिसंबर के दौरान विदेशी निवेशकों ने डेट मार्केट से 2,900 करोड़ रुपए की शुद्ध निकासी की है। भारत को छोड़कर, इस महीने अब तक फिलीपींस, दक्षिण कोरिया, ताइवान, थाईलैंड और इंडोनेशिया जैसे उभरते बाजारों में एफपीआई प्रवाह नकारात्मक था।

कोरोना की आहट से बढ़ गई मास्क की बिक्री, दाम भी बढ़े

● दिल्ली में एक बार फिर से मास्क की बिक्री शुरू हो गई है ● इसी के साथ मास्क के दाम भी बढ़ने लगे हैं ● इस समय दाम में 20 से 25 फीसदी की बढ़ोतरी दिख रही है ● हालांकि बाजार में मास्क के स्टॉक में कोई कमी नहीं है

नई दिल्ली, एजेंसी। कोरोना की आहट फिर से आने लगी है। तभी तो केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मंडाविया ने सभी को एक बार फिर से मास्क पहनने की अपील की है। कर्नाटक में इनडोर जगहों, जैसे कि स्कूल, कॉलेज और सिनेमा हॉल में मास्क लगाना अनिवार्य कर दिया गया है। वहीं इस साल मसूरी, नैनीताल जाने वाले सैलानियों को भी मास्क लगाना होगा। इसके अलावा हॉस्पिटलों में एंट्री के लिए भी मास्क जरूरी कर दिया गया है। दिल्ली एयरपोर्ट पर विदेश से आने वाले यात्रियों की औचक कोरोना जांच शुरू हो गई है। वहीं सरकारें एक बार फिर सभी से मास्क लगाने की अपील कर रही हैं। यह सब इसलिए क्योंकि चीन में कोहराम मचाने वाले कोरोना के नए वैरिएंट बीएफ 7 के केस भारत में भी सामने आ चुके हैं। गुजरात में इसके तीन और ओडिशा में एक मरीज मिला है। इसका असर लोगों पर साफ नजर आ रहा है और उनमें थोड़ी-थोड़ी चिंता बढ़ रही है। यही वजह है कि राजधानी के थोक बाजारों में मास्क की मांग में भी अचानक उछाल आ गया है। हालांकि सैनिटाइजर या अन्य सर्जिकल आइटम्स या दवाओं की बिक्री में अभी उछाल नहीं देखने को मिला है।

मास्क का बाजार फिर उछला- पिछले कुछ समय से जिस मास्क की बिक्री ठप हो गई थी। लेकिन, कोरोना पर चर्चा तेज होने के साथ उसकी बिक्री में भी बढ़ोतरी शुरू हो गई है। थोक व्यापारियों के मुताबिक तमाम रिटेलर और ग्राहकों ने मास्क खरीदना शुरू कर दिया है। इस बारे में उत्तर भारत के सबसे बड़े दवा मार्केट भागीरथ पैलेस के सिक्योरिटी प्रधान आनंद जैन बताते हैं कि बाजार में मास्क खरीदने वाले ग्राहक एक बार फिर आने लगे हैं और इसकी मांग भी काफी बढ़ गई है। भागीरथ पैलेस के सूत्रों के मुताबिक मास्क की मांग में लगभग 20 से 25 फीसदी की बढ़ोतरी हो गई है। जबकि ऑल इंडिया केमिस्ट एसोसिएशन के अध्यक्ष कैलाश गुप्ता बताते हैं कि लोगों में घबराहट पैदा होना शुरू हो गई है और इसलिए मास्क की बिक्री में भी तेजी आई है। इसमें भी अभी सर्जिकल मास्क ज्यादा बिक रहे हैं।

अन्य सामानों की बिक्री जस की तस- व्यापारी यह भी कहते हैं कि कोरोना से लड़ाई में जो अन्य मददगार आइटम्स होते हैं जैसे कि सैनिटाइजर, थर्मामीटर, ऑक्सिमीटर अथवा दवाएं, उनकी बिक्री में कोई खास अंतर नहीं दिखाई दे रहा है। थोक बाजार में काम करने वाले एक अन्य सूत्र के मुताबिक जब इन चीजों की बिक्री बढ़ रही है, तो अन्य की कम हो गई है, क्योंकि रीटेल व्यापारी भी फूंक-फूंक कर कदम रख रहे हैं। सैनिटाइजर की बिक्री में 4 से 5 फीसदी का उछाल आया है जबकि थर्मामीटर और ऑक्सिमीटर की बिक्री में महज 1 से 2 फीसदी का फर्क आया है। सूत्र यह भी कहते हैं कि अभी कोरोना की चर्चा शुरू हुए एक-दो दिन (शुक्रवार को) हुए हैं। आने वाले दिनों में हो सकता है कि इनकी बिक्री और बढ़े।

मास्क के दाम में हो गई 20 फीसदी बढ़ोतरी

मास्क की बिक्री फिर से क्या शुरू हुई, शुरुआती दिनों में ही इसके दामों में भी उछाल नजर आने लगा। थोक व्यापारियों का कहना है कि पहले दिन से ही इसके दाम में 15 से 25 फीसदी तक की बढ़ोतरी हो गई है। इस बारे में बात करने पर कैलाश गुप्ता बताते हैं कि मांग बढ़ने के साथ दाम में लगभग 15 फीसदी तक का उछाल देखने को मिल रहा है। अगर यही हाल रहा, तो संभव है कि आने वाले दिनों में दामों में 30 से 35 फीसदी तक की बढ़ोतरी देखने को मिले। वहीं आनंद जैन कहते हैं कि व्यापारियों को मैन्यूफैक्चरर अभी से दाम बढ़ाकर बता रहे हैं। उनकी यह बढ़ोतरी लगभग 25 फीसदी तक है। यानी जो सामान अभी तक 100 रुपये काम मिलता था, वह अब 125 रुपये का मिल रहा है। जबकि सूत्रों का भी यही कहना है कि दामों में लगभग 20 फीसदी का उछाल आ गया है। यानी अभी जिस थ्री लेयर डिस्पोजेबल मास्क का दाम 90 रुपये था, आज (शुक्रवार को) वह 120 रुपये में बिका है। यह हाल तो बस एक दिन की मांग से है। अगर मांग यूं ही रही या बढ़ती रही, तो कोई हैरानी नहीं कि दाम में दोगुनी बढ़ोतरी भी हो जाएगी।'

मार्केट में पर्याप्त है मास्क!

कुछ साल पहले तक जब मास्क की मांग अचानक बढ़ी, तो बाजार में इसकी कमी हो गई थी। अब अगर सरकार सभी नागरिकों के लिए मास्क अनिवार्य कर देती है, तो क्या फिर से इसकी कमी हो जाएगी? इसके जवाब में ज्यादातर व्यापारियों का कहना है कि बाजार में मास्क पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध हैं। दिल्ली ड्रग्स ट्रेडर्स एसोसिएशन, भागीरथ पैलेस के जनरल सेक्रेटरी आशीष ग्रोवर कहते हैं, 'अभी बाजार में मास्क की कोई कमी नहीं है और यह पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध हैं। कई लोगों के पास अब कपड़े का परमानेंट मास्क भी है। अगर मास्क की बिक्री में अचानक बहुत ज्यादा इजाफा होता है, तो उस स्थिति में यह देखना होगा कि मैन्युफैक्चरर के पास कितना माल है। लेकिन यह कह सकते हैं कि बाजार में अभी मास्क की कोई कमी नहीं है।' कुछ ऐसा ही आशीष गुप्ता भी कहते हैं। उनका कहना है कि बाजार में मास्क का अच्छा खासा स्टॉक है, इसलिए लोगों को पैनिक होने की जरूरत नहीं है। पहले मास्क सिर्फ मेडिकल स्टोर पर मिलता था।

कारों की डिमांड बढ़ी पर चिप की कमी ने बढ़ाया इंतजार

● कोरोना की मार झेलने के बाद अब कार कारोबारियों के चेहरे पर मुस्कान ● इस साल त्योहारी सीजन के दौरान कार बिक्री में 25 फीसदी तक की उछाल ● पर सप्लाई नहीं होने से नई कार की वेटिंग एक-एक साल तक पहुंच गई है

नई दिल्ली, एजेंसी। कोरोना की मार झेलने के बाद अब कार कारोबारियों के चेहरे पर मुस्कान आ गई है। पिछले साल की अपेक्षा इस त्योहारी सीजन में 25 प्रतिशत कार बिक्री में उछाल आई है। स्थिति यह है कि डिमांड ज्यादा होने के चलते नई कार की वेटिंग एक-एक साल तक पहुंच गई है। इसके चलते कार की बुकिंग कराने वाले लोगों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

तेजी से बढ़ी डिमांड- कार डीलर हर्षवर्धन बंसल ने बताया कि राजधानी में नई कार की डिमांड तेजी से बढ़ रही है। लेकिन डिमांड के हिसाब से गाड़ियां लोगों को नहीं मिल पा रही हैं। कारण, देश में सेमीकंडक्टर चिप की कमी हो गई है, जिससे कारों में मैन्युफैक्चरिंग पर असर पड़ रहा है। कोरोना काल से पहले चीन से इसकी सप्लाई होती थी, लेकिन अब यूरोप से हो रही है। हालांकि, भारत में खुद चिप तैयार करने की दिशा में केंद्र सरकार काम कर रही है। वहीं, एक और कार कारोबारी ने बताया कि दिल्ली में करीब 60 प्रतिशत गाड़ियों में लंबी वेटिंग चल रही है। हालांकि, डिमांड बढ़ने की वजह से कार मार्केट का बाजार गर्म हो गया है।

उपभोक्ताओं को मिलेगा उपकरणों की मरम्मत का अधिकार, कंपनियों की मनमानी पर लगाम

नई दिल्ली, एजेंसी। इलेक्ट्रॉनिक और ऑटो क्षेत्र की कंपनियों की मनमानी पर लगाम लगाने की शुरुआत हो गई है। अब इन कंपनियों को ग्राहकों को यह बताना होगा कि उनके उत्पादों पर मरम्मत का अधिकार क्या है, कलपुर्जों की कीमत कितनी है। हर सामान की उपलब्धता की जानकारी भी देनी होगी। यह सभी सूचना एक ही पोर्टल पर मिलेगी। उपभोक्ता मामलों के मंत्री पीयूष गोयल ने शनिवार को, राइट टू रिपेयर पोर्टल और एनटीएच नाम के एप को लॉन्च किया। राष्ट्रीय उपभोक्ता दिवस के मौके पर इस पोर्टल की शुरुआत होने से एक ही प्लेटफॉर्म पर सभी कंपनियों के उत्पादों की जानकारी होगी। साथ ही सेल्फ रेगुलेशन भी बनाया जाएगा। उपभोक्ता मामलों के मंत्रालय का विभाग और आईआईटी (बीएचयू), वाराणसी के बीच एक समझौता ज्ञापन पर भी हस्ताक्षर किए गए।

मजबूत उपभोक्तान्मुख व्यवस्था के तौर पर स्थापित हो रहा भारत

भारत में उपभोक्ता सशक्तीकरण को लेकर किए जा रहे प्रयास भारत को विश्व में मजबूत उपभोक्तान्मुख व्यवस्था के तौर पर स्थापित कर रहे हैं। यह विकसित भारत की प्रमुख पहचान बनने की राह पर है। यह बात केंद्रीय वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने कही। वह नई दिल्ली में शनिवार को राष्ट्रीय उपभोक्ता दिवस समारोह को संबोधित कर रहे थे। गोयल ने कहा, उपभोक्ता विभाग की ऑनलाइन सेवाओं और मामलों के त्वरित निपटान से गुणवत्ता की महत्ता स्थापित हुई है। देश में उपभोक्ता आयोग समय की जरूरत है।

एफपीएलएस ने दिसंबर में अब तक इक्विटी में 11,557 करोड़ रुपये का निवेश किया

नई दिल्ली, एजेंसी। चीन सहित कुछ अन्य देशों में कोविड संक्रमण फिर से फैलने और शेयर बाजार में गिरावट के बावजूद विदेशी निवेशकों ने दिसंबर में अब तक भारतीय इक्विटी में शुद्ध रूप से 11,557 करोड़ रुपये का निवेश किया है। जियोजित फाइनेंशियल सर्विसेज के मुख्य निवेश रणनीतिकार वी के विजयकुमार ने कहा कि आने वाले समय में अमेरिका के व्यापक आर्थिक आंकड़े और कोविड संक्रमण की स्थिति से बाजार की चाल निर्धारित होगी। डिपॉजिटरी के आंकड़ों के अनुसार विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने 1-23 दिसंबर के दौरान इक्विटी में 11,557 करोड़ रुपये का शुद्ध निवेश किया। इससे पहले एफपीआई ने नवंबर में 36,200 करोड़ रुपये से अधिक का शुद्ध निवेश किया था। अमेरिकी डॉलर सूचकांक के कमजोर होने और सकारात्मक आर्थिक रुझानों के कारण आईपीआई का भारतीय बाजारों के प्रति रुझान बढ़ा। डिपॉजिटरी के आंकड़ों के मुताबिक विदेशी निवेशकों ने अक्टूबर में आठ करोड़ रुपये और सितंबर में 7,624 करोड़ रुपये निकाले थे। मॉर्निंग स्टार इंडिया के संयुक्त निदेशक - शोध प्रबंधक हिमांशु श्रीवास्तव ने कहा कि बाजारों में गिरावट और कोविड संक्रमण को लेकर आशंकाओं के बावजूद एफपीआई भारतीय शेयर बाजारों में (दिसंबर में) शुद्ध खरीदार बने रहे।

नीली चिड़िया के कारण फुर्र हो गए एलन मस्क के 200 अरब डॉलर!

● एलन मस्क की नेटवर्थ में 200 अरब डॉलर से अधिक गिरावट ● उनकी कंपनी टेस्ला के शेयरों में इस साल भारी गिरावट आई है ● इस साल कंपनी की बिक्री अनुमानों के मुताबिक नहीं रही है ● इकॉनमी के मंदी में फंसने के डर से कारों की बिक्री पर असर

नई दिल्ली, एजेंसी। करीब एक साल पहले एलन मस्क की नेटवर्थ 340 अरब डॉलर पहुंच गई थी। वह दुनिया के अमीरों की लिस्ट में बेताज बादशाह बन गए थे और दूर-दूर तक उन्हें कोई चुनौती देने वाला नहीं था। लेकिन पिछले एक साल में तस्वीर बदल चुकी है। मस्क की नेटवर्थ आज 139 अरब डॉलर रह गई है और वह दुनिया के अमीरों की लिस्ट में दूसरे नंबर पर खिसक गए हैं। यह साल उनके लिए काफी उथल-पुथल भरा रहा। उन्होंने अप्रैल में सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्विटर को खरीदने की घोषणा की थी और फिर इससे पलट गए थे। इसके बाद ट्विटर ने अदालत को दरवाजा खटखटाया। लेकिन सुनवाई शुरू होने से पहले ही मस्क ने मूल शर्तों के साथ डील पूरी कर ली।

आम धारणा यह है कि मस्क ट्विटर में इतना उलझे रहे कि वह अपने इलेक्ट्रिक कार कंपनी टेस्ला को भूल गए। इस कारण टेस्ला के शेयरों में भारी गिरावट आई। इसका नुकसान मस्क को भी उठाना पड़ा। लेकिन टेस्ला के शेयरों में इस हफ्ते हुई भारी बिकवाली इस बात का सबूत है कि कंपनी की समस्या कहीं ज्यादा गहरी है। मस्क ने संकेत दिए हैं कि वह ट्विटर के सीईओ का पद छोड़ सकते हैं। लेकिन इससे भी निवेशकों की चिंता कम नहीं हुई। वे टेस्ला की बिक्री और प्रॉफिट को लेकर चिंतित हैं।

डिमांड में कमी- कंपनी ने सेल की घोषणा की है। यह कमजोर मांग का संकेत है। इसकी वजह यह है कि कंपनी ने शायद ही इससे पहले कभी सेल की घोषणा की है। कंपनी साल खत्म होने से पहले डिलीवरी लेने वाले ग्राहकों के लिए दो तरह की विशेष छूट दे रही है। पहले कंपनी ने 3,750 डॉलर की छूट देने की घोषणा की थी और अब इसे बढ़ाकर 7,500 डॉलर कर दिया है। जानकारों का कहना है कि चीन और अमेरिका के बाजार में मांग कम हो रही है। साथ ही टेस्ला को कई दूसरी कंपनियों से चुनौती का सामना करना पड़ रहा है।

टेस्ला के शेयरों में गिरावट की एक और वजह यह है कि अमेरिकन इकॉनमी के अगले साल मंदी की चपेट में आने की आशंका है। इससे कारों की बिक्री पर असर पड़ा है।

अटल जी के जन्मदिन पर स्वास्थ्य शिविर में आये 12 हजार मरीज

भाजपा चिकित्सा प्रकोष्ठ ने जारी किया हेल्पलाइन नम्बर 7509117839

अटल जी कहते थे कार्यकर्ता अपनी भूमिका ईमानदारी से निभायें

छिंदवाड़ा । सुशासन की परिभाषा लोग समझते हैं कि अच्छा प्रशासन या शासन ही सुशासन है। सुशासन का शब्द छोटा शब्द नहीं है। श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयी जी कहते थे कि जीवन में आपकी जो भी भूमिका हो उस भूमिका का ईमानदारी से निर्वहन करना या काम करना ही सुशासन का एक कदम है। उक्त बातें भाजपा जिलाध्यक्ष विवेक बंटी साहू ने कहीं और पूर्व प्रधानमंत्री स्व. अटल बिहारी वाजपेयी के पदचिन्हों पर चलते हुए सुशासन और देशसेवा की बात कही साथ ही मानव की सेवा करना सर्वोत्तम धर्म होता है यह नर सेवा ही नारायण सेवा है। इस शिविर में सेवा देने वाले सभी विशेषज्ञ चिकित्सकों, समस्त स्वास्थ्य कर्मियों तथा प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से सेवा देने वालों को हृदय से धन्यवाद देता हूँ जो इस पुनीत सेवा कार्य में सेवा दे रहे है । कार्यक्रम का शुभारंभ उपस्थित वरिष्ठ नेताओं के द्वारा पंडित अटल बिहारी वाजपेयी जी के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर, माल्यार्पण कर शिविर का शुभारंभ किया गया ।

ये थे उपस्थित

पूर्व विधायक पंडित रमेश दुबे, नथनशाह कवरेती, प्रदेश कार्यसमिति सदस्य शेषराव यादव, पूर्व भाजपा जिलाध्यक्ष कन्हईराम रघुवंशी, रमेश पोफली, ठाकुर दौलत सिंह, जिला महामंत्री टीकाराम चंद्रवंशी, ठाकुर प्रियवर सिंह, अलकेश लाम्बा, संजय सक्सेना, संजय पटेल, विजय पांडे, जगेन्द्र अल्डक, मंडल अध्यक्ष अंकुर शुक्ला एवं रोहित पोफली, राजू नरोटे, इन्द्रजीत सिंह बैस, नितिन खंडेलवाल, अंकित सोलंकी, अरविंद राजपूत, गरिमा प्रतीक दामोदर, भारती साहू, नरेन्द्र कुमार जैन, भाजपा चिकित्सा प्रकोष्ठ के डॉ. के.एस. बजाज, दीपक खंडेलवाल, बलराम मेघानी, रत्नेश रघुवंशी, डॉ. दशरथ साहू, डॉ. अशोक नागदेव, डॉ. भोला यादव, डॉ. धनेन्द्र वर्मा, डॉ. अरूण यादव सहित चिकित्सा प्रकोष्ठ की टीम सहित नागपुर, भोपाल, छिंदवाड़ा के सभी बड़े अस्पतालों के चिकित्सक एवं विषेषज्ञ की टीम और मेडिकल कालेज के डीन डॉ. गिरिष रामटेके सहित सभी स्टाप नर्से उपस्थित थी।

भाजपा चिकित्सा प्रकोष्ठ के जिला संयोजक डॉ. कृष्णा हरजानी ने बताया कि भाजपा चिकित्सा प्रकोष्ठ द्वारा छिंदवाड़ा जिले की जनता की स्वास्थ्य समस्याओं के समाधान हेतु एक हेल्पलाईन नम्बर 7509117839 भाजपा जिलाध्यक्ष विवेक बंटी साहू ने जारी किया गया है जिसमें कॉल के द्वारा तथा वाट्सअप के माध्यम से जनता अपनी समस्याएं भेज सकती यथासंभव उन समस्याओं के समाधान का प्रयास भाजपा चिकित्सा प्रकोष्ठ द्वारा किया जायेगा।

103 का मोतियाबिन्द आपरेशन होंगे

स्थानीय दशहरा मैदान में आयोजित अटल जी के जन्मदिवस पर इस निशुल्क स्वास्थ्य शिविर में 11 हजार 890 मरीजों का परीक्षण एवं इलाज हुआ तथा दवाईयां भी दी गई । इस शिविर में 2500 मरीजों के रक्त की पैथॉलोजी जांच की गई एवं ईलाज किया गया एवं 850 मरीजों के आखों की जांच हुई जिसमें 103 मोतियाबिंद के मरीजों को ऑपरेशन के लिए चिन्हित किया गया जिन्हें ऑपरेशन हेतु परासिया भेजा गया जहां पर उन्हें खाने पीने एवं रहने की व्यवस्था निशुल्क रहेगी ऑपरेशन के बाद लायंस हॉस्पीटल परासिया द्वारा उन्हें छिंदवाड़ा वापस भी छोड़ा जाएगा । पेट से संबंधित तथा हड्डियों के 127 मरीजों के ऑपरेषन की व्यवस्था पार्टी द्वारा की जा रही है । शिविर में दिव्यांगों को दो ट्राई साइकिल वितरित की गई तथा 32 दिव्यांगों को दिव्यांग सर्टिफिकेट दिए गए। शिविर में आए सभी पेसेंट को भोजन कराया गया। आयुष्मान कार्ड बनाए गए तथा 800 लोगों को कोविड का बूस्टर डोस लगाया गया ।

अटल जी की जयंती पर युवामोर्चा ने कराई वाद-विवाद व भाषण प्रतियोगिता

छिन्दवाड़ा। भारत के पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न प.अटल बिहारी वाजपाई जी की जयंती पर भारतीय जनता युवामोर्चा छिन्दवाड़ा के द्वारा राणा लॉन में भाषण व वाद-विवाद प्रतियोगिता आयोजित कराई गई जिसमें बड़ी संख्या में युवाओं ने सहभागिता ली व अलग अलग निर्धारित विषयों पर 3 मिनट में अपनी बात रखी व वाद-विवाद में 10 मिनट के समय में प्रतियोगिता सम्पन्न हुई,कार्यक्रम में मुख्य वक्ता भाजपा पूर्व ज़िला महामंत्री वरिष्ठ नेता.राजू नरोटे ने अटल जी के जीवन पर प्रकाश डाला व युवाओं को सम्बोधित करते हुए बताया की किस प्रकास अटल जी के प्रयासों से भारत परमाणु सम्पन्न देश बना व सिद्धांत वादी राजनीति के जीते जागते उद्धारण अटल जी ने अल्पमत होने पर स्वयं प्रधानमंत्री का पद छोड़ दिया पर वोटों की ख़रीद फ़रोंकत नहि की वही युवामोर्चा ज़िला अध्यक्ष श्री योगेन्द्र प्रताप राणा जी ने अटल जी की प्रसिद्ध कविता छोटे मन से कोई बड़ा नहि होता टूटे मन से कोई खड़ा नहि होता से युवाओं को सम्बोधित कर जीवन में त्याग समर्पण व एकाग्रता के साथ अटल जी के जीवन की घटनाओं को बताया,प्रतियोगिता में भाग लेने वाले सभी प्रतियोगीयो को युवामोर्चा द्वारा प्रमाण पत्र प्रदान किया गया।

उक्त कार्यक्रम में वरिष्ठ भाजपा नेता व पूर्व महामंत्री राजू नरोटे, भाजपा युवामोर्चा ज़िला अध्यक्ष योगेन्द्र प्रताप राणा, शिखर पाण्डे,अंकुश मेहरा,अतुल सराठे, सौरभ सक्सेना, रिंकु साहू, साहुल सिंह, पवन गोस्वामी, लक्ष्मण बाथम, राहुल पाल,आकाश सूर्यवंशी, सक्षम अग्रवाल, अभिजीत परमार, विशाल मालवी, कार्तिक राउत,अशोक गोहर,राहुल राठौर व बड़ी संख्या में युवा उपस्थित हुए।

3 जनवरी को नैनपुर-छिंदवाड़ा डेमो ट्रेन का शुभारंभ करेंगे प्रधानमंत्री

छिंदवाड़। 3 जनवरी 23 को प्रधानमन्त्री नरेन्द्र मोदी नैनपुर से छिंदवाड़ा डेमो डीजल ट्रेन चलाने हेतु दक्षिणपूर्व रेलवे के अधिकारियों निर्देश दिया है कि वे डेमो ट्रेन की डिब्बे एवं अन्य व्यवस्था तैयार रखे जनता के भारी दबाव के कारण फिलहाल डीजल इंजिन से ट्रेन चलेगी जिसका नम्बर 18913/18914 ट्रेन होगा ।

बतया जाता है कि प्रधानमंत्री 3 जनवरी को नागपुर आ रहे है वहीं से व वर्जुअल शुभारंभ करेंगे ।

विश्व व्यापी अभियान तुलसी पूजन मंदिर , मस्जिद, गिरिजाघर में तुलसी पौधा भेंट कर मनाया तुलसी पूजन दिवस

छिंदवाड़ा । श्री शक्ति ट्रस्ट एवं सँस्कृत पुस्तकोन्नति सभा द्वारा सन्चालित सन्त आशाराम आश्रम खजरी द्वारा प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी तुलसी पूजन दिवस हर्षोल्लास मनाया गया । श्री योग वेदांत सेवा समिति ने जिले के हजारों स्कूलों और अन्य कई धार्मिक आयोजनों में यह कार्यक्रम सम्पन्न करवाया । पूज्य बापूजी की प्रेरणा से पूरे विश्व को प्रदूषण मुक्त करवाने के उद्देश्य से यह अभियान सम्पूर्ण विश्व में चलाया गया और इसे तुलसी पूजन विश्वव्यापी अभियान नाम दिया गया। पर्यावरण संरक्षण हेतु तुलसी पौधे का वैज्ञानिक, धार्मिक और आध्यात्मिक महत्व से स्कूलों के बच्चों को अवगत कराया। समिति के सदस्यों ने जिला कलेक्टर, जिला पुलिस अधीक्षक, पुलिस उप महानिरीक्षक, जिला एवं सत्र न्यायाधीश, जिला भाजपा अध्यक्ष विवेक बंटी साहू, महापौर विक्रम आहाके, निगम आयुक्त जैसे कई अधिकारियों और जन प्रतिनिधियों को तुल्सीपूजन पौधा भेंट दिया। जिले के समस्त मंदिर, मस्जिद ,गुरुद्वारा और चर्च में भी तुलसी पौधा भेंट किया। सन्त श्री आशारामजी गुरूकुल में भी यह कार्यक्रम धूमधाम से मनाया। जहां मुख्य अतिथि के रूप जिला कांग्रेस अध्यक्ष विश्व नाथ ऑक्टे, महापौर विक्रम आहाके,वार्ड के कर्मठ कार्यकर्ता विजय पाटिल ने उपस्थिति दर्ज की। लिंगा आश्रम के सैकड़ों साधकों ने आसपास के गांवों में तुलसी पूजन की संकीर्तन यात्रा निकाली गई। जिले भर के स्कूलों के विद्यार्थियों सहित जिले के लगभग 7 लाख से अधिक लोगों के लाभांवित होने की खबर है। कार्यक्रम में साध्वी रेखा बहन, साध्वी प्रतिमा बहन, खजरी आश्रम के संचालक जयराम भाई, समिति के अध्यक्ष मदनमोहन परसाई, गुरूकुल की संचालिका दर्शना खट्टर, युवा सेवा संघ के अध्यक्ष दीपक डोईफोड़े, सुजीत सूर्यवंशी, गुरूकुल प्रबंधक सुसील सिंह परिहार महिला समिति से सुमन दोईफोड़े , आदि ने अपनी-अपनी सेवाएं दी ।

19 जनवरी से होगी लोनीबर्रा में भागवत कथा

छिन्दवाड़ा । स्व. हुकुम सिंह रघुवंशी व स्व. श्रीमती रूपाबाई रघुवंशी की स्मृति में 19 जनवरी 2023 से 26 जनवरी 2023 तक (समय दीप 1बजे से 5बजे तक)श्रीमद् भागवत कथा का आयोजन गृह ग्राम स्थित मंगल भवन, गोसाई बाबा के पास, ग्राम लोनीकला (बर्रा) चौरई विधानसभा जिला छिंदवाड़ा में होने जा रहा है। इस परम पुण्यात्मक आयोजन में वृंदावन धाम के सुप्रसिद्ध कथावाचक पं. अनुराग कृष्ण जी शास्त्री भागवत कथा का रसास्वादन करायेंगे। भाजपा नेता संदीप रघुवंशी ने बताया कि 26 जनवरी को पूर्वान्ह 12 बजे से हवन-पूर्णाहुति- भंडारा- महाप्रसाद का आयोजन होगा। वहीं 26 जनवरी को ही सायंकाल देशभक्ति गीतों के साथ भजन संध्या 'एक शाम शहीदों के नाम' की प्रस्तुति होगी।

विश्व हिंदी परिषद एवं बजरंग दल शौर्य यात्रा आयोजन किया

परासिया । विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी विश्व हिंदू परिषद वह बजरंग दल द्वारा दिन रविवार को सौंर्य यात्रा का आयोजन किया गया जिसमें लगभग सैकड़ों कार्यकर्ता सम्मिलित हुए यह सौर्य यात्रा रेलवे स्टेशन के सिद्धेश्वरी मंदिर से प्रारंभ होकर नए नगर पालिका से होते हुए पुलिस थाने के सामने से घूम कर वापस सिद्धेश्वरी मंदिर में समापन किया गया इसमें मुख्य वक्ता के रूप में अवधेश प्रताप सिंह एवं अजय बंदे वार कार्यक्रम अध्यक्ष सोनू पंडित रिटायर आर्मी एवं सुश्री पूजा किशोरी का उद्बोधन कार्यकर्ताओं को प्राप्त हुआ, बाईट- सोनू पंडित रिटायर आर्मी,उज्जवल पटेल आदि उपस्थित थे।

कांग्रेस ने किया थाने का घेराव

सौसर । शनिवार को एनएसयूआई और कांग्रेस के दर्जनों कार्यकर्ताओ ने सौसर पुलिस थाना का घेराव का जमकर नारेबाजी कर प्रदर्शन किया गया, विधायक विजय चौरे के नेतृत्व में एसडीओपी एसपी सिंह को ज्ञापन सौंपा गया। जहा ज्ञापन के माध्यम से आरोप लगाए कि पुलिस के संरक्षण में तहसील क्षेत्र में जोरदार तरीके से अवैध कारोबार का संचालन हो रहा लेकिन पुलिस प्रशासन कार्यवाही करने से पीछे हट रही है जिसे अपराधियो के हौसले बुलंद हो गए ऐसे गुंडे बदमाशों को पकड़ क्षेत्र में शांति सुरक्षा व्यवस्था बनने को मांग की गई। इस दौरान कांग्रेस कार्यालय में कार्यकर्ताओं के साथ क्षेत्र की समस्या को लेकर चर्चा और कार्यकम चलता रहा जिसके बाद रैली निकाल नारे बाजी कर सौंसर थाने का घेराव किया, इस दौरान विधायक विजय चोरे ने कहा कि बीजेपी नेताओं के इशारे पर अधिकारी कार्य कर रहे है जिससे क्षेत्र की जनता परेशान है आज खुलेआम अवैध गतिविधि संचालित होने से युवा पीड़ित गलत रास्ते पर जा रहे और आत्महत्या जैसे कदम उठाने को मजबूर है लेकिन पुलिस प्रशासन दिन भर थाने में बैठक अपने कार्यों से बच रही उन्होंने पुलिस अधिकारियों से कहा कि समय समय पर क्षेत्र मे गस्त कर गुंडे बदमाश और अवैध गतिविधियों में लिप्त लोगो पर कार्यवाही करने की मांग की गई ।

कमलनाथ सरकार की उपलब्धि जन जन तक पहुंचाये

बिछुआ । ब्लॉक कांग्रेस कमेटी बिछुआ के द्वारा रविवार को नगर के श्री मंगलम् लॉन में एक दिवसीय कार्यकर्ता सम्मेलन का आयोजन किया गया। सम्मेलन की शुरुवात राष्ट्रगान गायन के साथ हुई। इस मौके पर प्रदेश कांग्रेस उपाध्यक्ष गंगा प्रसाद तिवारी, कांग्रेस जिलाध्यक्ष विश्वनाथ ओक्टे, जिला पंचायत अध्यक्ष संजय पुन्हार, चौरई विधायक सुजीत सिंह चौधरी, कांग्रेस जिला प्रभारी नेहा सिंग, चौरई विधानसभा प्रभारी प्रीतम सिंह पटेल, महिला कांग्रेस जिलाध्यक्ष श्रीमती किरण चौधरी, युवक कांग्रेस जिलाध्यक्ष एकलव्य आहके, ब्लाक प्रभारी पूनाराम बास्विस्टाले, पर्यवेक्षक संजय परतेती बिछुआ ब्लाक कांग्रेस अध्यक्ष हरि पंद्रे, महिला कांग्रेस अध्यक्ष ममता साहू, जितेन्द्र ठाकुर, राजू कोल्टकर, साधुराम वर्मा, रग्घु माण्ड़ेकर, देशलाल धुर्वे, कोटिराम धुर्वे, युवराज देशमुख, बंशी उइके, संजय सीलू, धनपत उइके, विपिन उइके, गोविंद इनवाती, सुभाष मिनोटे, रिंकू पटेल, राजा ठाकुर, कैलाश मालवीय, इन्द्रजीत पटेल समेत पार्टी के अनुशासनिक संगठन के पदाधिकारी व बड़ी संख्या कार्यकर्ता मौजूद थे। कार्यकर्ता सम्मेलन को संबोधित करते हुए ब्लाक अध्यक्ष हरि पंद्रे ने कहा की आगामी चुनावों में कांग्रेसी कार्यकर्ताओं को एकजुटता होकर अब 15 महीनों की कांग्रेस सरकार की उपलब्धि को जन-जन तक पहुंचाने की आवश्यकता है, ताकि पुन: प्रदेश में कांग्रेस की सरकार की काबिज किया जा सकें। विधानसभा प्रभारी प्रीतम सिंह पटेल ने कहा की प्रदेश में लगातार किसान आत्महत्या करने को मजबूर हैं, भाजपा के कुशासन से जनता त्रस्त है, मंहगाई ने मजदूरों को जीना मुश्किल कर दिया है। लगातार कृषि नुकसान का सौदा बनाते जा रहीं है। आगामी चुनावों में कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष कमलनाथ व सांसद नकुलनाथ के नेतृत्व में प्रत्येक कार्यकर्ता के द्वारा ईट का जबाव पत्थर से देने के लिए तैयार रहने की बात कहीं।

सबसे सरल देवता हैं महादेव: नागेंद ब्रह्मचारी

छिन्दवाड़ा । स्थानीय भूषण बाड़ी वार्ड 33 में आयोजित श्री मद भागवत कथा में व्यासपीठ पर विराजमान योगीराज श्री नागेन्द्र ब्रह्मचारी जी ने कथा के तीसरे दिन शिव चरित्र की कथा बताते हुए कहा कि परिवार में सुख चरित्र का रास्ता बताता है शिव परिवारवर्तमान समय मे परिवार बिखरते जा रहे हैं धन ,संपत्ति ,पद सब कुछ होने पर भी परिवार में आपस मे प्रेम नही है शिव जी ने अपने साथ विषैले सर्प, बिच्छू,शेर ,बैल, चूहा,मोर भूत प्रेत,शारीरिक अक्षम्य सभी को अपने साथ आपस मे प्रेम से रहना सिखाया हम अपना स्वार्थ छोड़कर परिवार के सभी छोटे बड़े का सम्मान और ध्यान रखें तभी परिवार में सुख आता है नारी शक्ति का सम्मान करते हुए शिव जी ने गंगा को अपने सिर पर एवं पार्वती को अपनी गोद में स्थान दिया है शिव जी की भक्ति हमारे मन से ईर्ष्या द्वेष की भावना को दूर करती है परिवार में सुख बाहरी आडंबर से नही आपस मे प्रेम से आता है शिव जी की भक्ति सहज सरल है एक लोटा जल ,फूल ,बेलपत्ती, धतूरा फल ना भी हो तो हर हर महादेव कहने से ही प्रसन्न हो जाते हैं परोपकार के लिए सती ने अपने शरीर को त्याग कर हमारे लिए समर्पण करना सिखाया है उन्ही के अंग जहां जहां गिरे वहां शक्तिपीठ का प्रादुर्भाव हुआ उन स्थानों को शक्तिपीठ कहा जाता है शिव पार्वती विवाह की सुंदर झांकी सजाई गई जिसे देखकर भक्त मंत्र मुग्ध हो गए हर हर महादेव के जयकारों से सारा पंडाल गुंजायमान हो गया श्री राम जन्म की झांकी सजाई गई विस्तृत कथा में भय प्रकट कृपाला दीन दयाला के साथ भक्तों ने आनंद लिया नाचकर भगवान के जन्म उत्सव में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने उपस्थित होकर पूण्य लाभ लिया आरती प्रसाद का वितरण किया गया।

60 व्यक्तियों ने किया स्वैच्छिक रक्तदान

सौसर । नगर की सामाजिक क्षेत्र में कार्य करने वाली सौंसर नगर की संस्था प्रयास (जीने की नई सोच) संगठन द्वारा अन्ना भाऊ साठे मंगल भवन में स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया था जिसमे 60 से अधिक व्यक्तियों द्वारा स्वैच्छिक रक्तदान किया। इस शिविर में मुख्य रूप बी.एम.ओ. डॉ. घनश्याम लहरपुरे डॉ अविकांत बेले, प्राची तिवारी, गुरूप्रसाद पहाडे, डॉ. आदित्य आनंद, राजेष तिवारी, रितु जनवरे, मुकेश भुसारे, विवेक वाडेकर, इनकी टीम के सहयोग से रक्तदान शिविर में मोजूद रहे। रक्तदान शिविर में मातृशक्ति ने भी बढ़चढकर हिस्सा लिया, रक्तदान शिविर में सहयोग करने वाले सभी रक्तदाताओं के जवीनदायी प्रयास को संगठन ने सराहन की गई। रक्तदान शिविर प्रयास संगठन द्वारा जिला एवं सिविल अस्पताल के निरीक्षण में जरूरतमंद व्यक्तियों की रक्त की कमी को दुर करने किया गया है जिसे मरीजों को आपातकालीन में भी रक्त उपलब्ध हो

प्रभु यीशु मसीह का जन्म दिन क्रिसमस पर्व प्रेम दया भाई चारे व शान्ति का प्रतीक: राजेंद्र डोंगरे

छिंदवाड़ा/परासिया । सामाजिक कार्यकर्ता अंकित राव ने बताया की आज प्रभु यीशु मसीह के जन्मदिवस क्रिसमस के पावन अवसर पर सामाजिक कार्यकर्ता राजेन्द्र डोंगरे अपने सामाजिक साथियो के साथ चांदामेटा परासिया स्थित चर्च पहुँचकर सामाजिक धर्मालंबियों से मिलकर बधाई दी। साथ ही प्रभु यीशु मशीह से कोरोना महामारी से मुक्ति दिलाने कि प्रार्थना कि उसके बाद सभी सामाजिक कार्यकर्ता परासिया में ईसाई समुदाय के घर-घर जाकर वरिष्ठ जनो का आर्शीवाद ग्रहण किया गया एवं नन्हे बच्चों को शुभाशीष देकर क्रिसमस की शुभकामनाएं दी गई। इस कार्यक्रम में प्रमुख रूप से राजेंद्र डोंगरे, संजय पांडे, संदीप गायकवाड़, अंकित राव, प्रदीप भाऊ जूलमे, विकाश डहेरिया सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

जिले के नगरीय और ग्रामीण क्षेत्रों में 14 से 28 जनवरी तक मनाया जायेगा आनंद उत्सव

छिन्दवाड़ा । राज्य शासन के अध्यात्म विभाग द्वारा आगामी 14 से 28 जनवरी 2023 के मध्य आनंद उत्सव 2023 मनाये जाने का निर्णय लिया गया है जिससे जीवन्त सामुदायिक जीवन व नागरिकों की जिंदगी में आनंद का संचार हो सके तथा नागरिकों में सहभागिता व उत्साह बढ़ाने के लिये समूह स्तर पर खेल कूद व सांस्कृतिक कार्यक्रमों में सहभागिता से आनंद में वृध्दि हो सके । यह आनंद उत्सव नगरीय और ग्रामीण क्षेत्रों में 3 चरणों में होंगे जिसमें प्रथम चरण में ग्राम व नगरीय क्षेत्रों, व्दितीय चरण में विकासखंड और तृतीय चरण में जिला स्तर पर कार्यक्रम आयोजित किये जायेंगे । आनंद उत्सव में प्रमुख रूप से स्थानीय तौर से प्रचलित परंपरागत खेल-कूद जैसे कबड्डी, खो-खो, बोरा रेस, रस्साकशी, चेयर रेस, पिठ्ठू/सितोलिया, चम्मच दौड़, नीबू दौड़ आदि और सांस्कृतिक कार्यक्रम जैसे लोक संगीत, नृत्य, गायन, भजन, कीर्तन, नाटक आदि व स्थानीय स्तर पर तय अन्य कार्यक्रम किये जा सकेंगे । कार्यक्रम के पश्चात गतिविधियों पर आधारित फोटो/वीडियो प्रतियोगिता भी होगी जिसमें प्रथम, व्दितीय व तृतीय पुरूस्कार दिये जायेंगे । राज्य शासन द्वारा लिये गये निर्णय के परिप्रेक्ष्य में कलेक्टर श्रीमती शीतला पटले द्वारा जिले में 14 से 28 जनवरी 2023 के मध्य आनंद उत्सव 2023 मनाये जाने के संबंध में नगरीय और ग्रामीण क्षेत्रों में कार्यक्रम की रूपरेखा तैयार किये जाने के लिये विकासखंड स्तर पर राजस्व अनुविभागीय अधिकारी और नगरीय क्षेत्र के लिये आयुक्त नगरपालिक निगम व मुख्य नगरपालिका अधिकारियों को नियुक्त किया गया है । उन्होंने नियुक्त अधिकारियों को विकासखंडवार व नगरीय क्षेत्रवार आनंद उत्सव कार्यक्रम की रूपरेखा तैयार कर नियत तिथि के अंतर्गत किये जाने वाले आवश्यक कार्यों को निर्धारित समय सीमा में करते हुये की गई कार्यवाही का पालन प्रतिवेदन जिला कार्यालय में अनिवार्य रूप से भेजा जाना सुनिश्चित करने के निर्देश दिये हैं ।

आनन्द उत्सव के साथ व्यापार मेला भी हो

नये वर्ष में आनन्द उत्सव मनाने की पहल अच्छी है, आनन्द उत्सव के साथ व्यापार मेला भी लगाया जाना चाहिये, जिस तरह ग्वालियर मेला लगता है उसी तरह इस मेले की अवधि तक सेल्स टेक्स या अन्य टैक्स में छूट की सुविधायें भी देनी चाहिये, जिससे लोग ज्यादा से ज्यादा सामान खरीद सकें और व्यापार मेले का लाभ ले सकें व्यापार मेले में व्यापारी अपने स्टाल लगायेंगे और टैक्स में छूट की सुविधायें देंगे तो निश्चित ही आम जन को फायदा होगा।

दिव्यांग बच्चों का कराया गया भ्रमण देवगढ़ के किला की बताई उपलब्धि

सिंगोड़ी । अमरवाड़ा विधानसभा क्षेत्र से दिव्यांग एक्सपोजर विजिट के लिए दल रवाना हुआ जिसमे छिंदवाड़ा जिला शिक्षा अधिकारी गोपाल सिंह बघेल , डी पी सी गिरीश शर्मा द्वारा दल की रवानगी की गई। अंतर्राष्ट्रीय दिव्यांग दिवस मे हुई खेल प्रतियोगिता में चयनित 10 दिव्यांग बच्चे जिला शिक्षा अधिकारी के माध्यम से धार्मिक स्थल सिमरिया एवं ऐतिहासिक धरोहर देवगढ़ के किले का भ्रमण किया गया चयनित छात्र अति उत्साहित होकर भ्रमण के लिए जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय छिंदवाड़ा से रवाना हुए जहां पर उन्होंने धार्मिक स्थल सिमरिया में दादा दरबार हनुमानजी में मत्था टेका एवं दादा दरबार की विशेषताओं के बारे में जाना इनके द्वारा बताया गया कि यह हनुमान जी की प्रतिमा 102.6 फुट ऊंची है जो वर्तमान में सबसे ऊंची प्रतिमा है इसके पश्चात ऐतिहासिक धरोहर देवगढ़ किला के लिए दल रवाना हुआ जहां पर सतपुड़ा के घने जंगलों के बीच ऊंची पहाड़ियों में राजा जाटव के द्वारा निर्मित किला दिव्यांग छात्र छात्राओं ने देखा और उसका अवलोकन किया उन्होंने वहां पर मोती कुआं, बजू ,मस्जिद एवं बादल महल के दर्शन किए अंत में किले के अंतिम छोर पर राज राजेश्वरी मां चंडी के दर्शन कर छात्रो में उत्साह देखते हुए बना जैसे ही मां चंडी के दर्शन सभी ने किए उसकी ऊंचाई में पूरा देवगढ़ किले के चारो तरफ प्राकृतिक सुगम वादियो के नजारे एवं दर्शन को देख छात्र-छात्राये रोमांच से भर गए। इस प्रकार दिव्यांग भ्रमण कार्यक्रम संपन्न हुआ।

वाजपेई के सिद्धांतों पर चलने के लिए संकल्पित

अमरवाड़ा । भारतीय जनता पार्टी के प्रखर नेता और भारत के कद्दावर ध्यान स्व.श्री अटल बिहारी वाजपई जी के जन्म जयंती के उपलक्ष में भारतीय जनता पार्टी कार्यालय अमरवाड़ा में नगर भाजपा द्वारा उन्हें श्रद्धा सुमन अर्पित किया गया, इस दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के द्वारा पंचम भी मन की बात सुनी गई एवं सुघोष मंडल का प्रशिक्षण हुआ वही प्रधान पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय अटल बिहारी वाजपेई के सिद्धांतों पर चलने के लिए भाजपा के सभी पदाधिकारी संकल्पित हुए

भोपाल में शीतलहर का अहसास, पहाड़ों से आई बर्फीली हवाओं ने बढ़ाई ठंड

भोपाल। पहाड़ों से आई सीधी बर्फीली हवा के कारण मध्यप्रदेश में ठंड बढ़ गई है। भोपाल समेत कई शहर शीतलहर की चपेट में आ गए हैं। मौसम विभाग के अनुसार नए साल की शुरुआत में उत्तर के पहाड़ी राज्यों से लेकर पूर्वी और उत्तरी मध्यप्रदेश के अधिकांश इलाकों में घना कोहरा रह सकता है। अभी ग्वालियर और इंदौर में कोहरा छाने लगा है। यहां पर दृश्यता एक किलो मीटर तक रह गई है। जबलपुर में भी कोहरा देखा जाने लगा है। भोपाल में सुबह के समय हल्का कोहरा है, लेकिन पहली बार दृश्यता 2 किलोमीटर तक रह गई। सामान्यत- यह 5 किलोमीटर तक रहती है। आने वाले समय में ग्वालियर, चंबल में कोहरा और बढ़ सकता है।

उत्तरी हवाओं के कारण प्रदेश के कई जिलों में रात का पारा 10 डिग्री सेल्सियस के नीचे आ गया। दतिया सबसे ठंडा रहा। यहां न्यूनतम तापमान 6 डिग्री सेल्सियस के नीचे आ गया। इसके अलावा धार, गुना, ग्वालियर, पचमढ़ी,

राजगढ़, रतलाम, खजुराहो, नौगांव और सागर में न्यूनतम तापमान 10 डिग्री सेल्सियस के नीचे चला गया। मौसम विभाग के अनुसार 27 से 30 दिसंबर के बीच दिन और रात के तापमान में मामूली बढ़त हो होगी। अभी पश्चिमोत्तर हवाएं पहाड़ों से बर्फीली हवाएं लेकर आ रही हैं, जो 27 से बदल जाएंगी। इसके चलते दिन और रात दोनों के तापमान में कुछ बढ़ोत्तरी होने की संभावना है।

29 दिसंबर को सक्रिय सिस्टम का असर 31 दिसंबर तक रहेगा। इसके बाद दिन और रात के तापमान में गिरावट हो सकती है। इससे प्रदेश भर में ठंड एक बार फिर जोर दिखाने लगेगी। अब तक बहुत ज्यादा स्ट्रॉन्ग सिस्टम नहीं बनने के कारण ठंड का असर कम रहा है। आने वाले समय में नए सिस्टम बनने की संभावना बनने लगी है।

अगले एक सप्ताह के दौरान ग्वालियर, सागर और जबलपुर और इसके आसपास के जिलों में न्यूनतम तापमान 6 से 10 डिग्री सेल्सियस के बीच रह सकता है। इन इलाकों में अधिकतम तापमान 20 से 24 डिग्री सेल्सियस के बीच रह सकता है। भोपाल, इंदौर और उज्जैन और इसके आसपास के जिलों में रात का पारा 10 से 14 डिग्री सेल्सियस के बीच रह सकता है। अधिकतम यानी दिन का पारा इन इलाकों में 22 से 28 डिग्री सेल्सियस के बीच रह सकता है।

43 फीवर क्लीनिक में नहीं हो रही कोरोना जांच, व्यवस्थाएं नहीं

भोपाल। कोरोना काल में लोगों की कोरोना जांच के लिए खोले गए 48 फीवर क्लीनिक में से केवल पांच क्लीनिक ही शहर में चल रहे हैं। वहीं यदि कोई रविवार के दिन कोरोना की जांच करवाना चाहे तो उसे वापिस लौटना पड़ रहा है। एक बार फिर लोगों के मन में कोरोना की दहशत है, तो लोग बुखार होने पर कोरोना की जांच के लिए पहुंच रहे हैं। लेकिन जांच न होने के कारण उन्हें निराश ही लौटना पड़ रहा है।

शाहजहांनाबाद, कोटरा सुल्तानाबाद सहित अधिकांश फीवर क्लीनिक में रविवार के दिन कोरोना की जांच नहीं होती। यहां तक कि हमीदिया अस्पताल में भी कोरोना जांच की सुविधा बंद पड़ी हुई है। इस कारण पुराने भोपाल के लोगों को ज्यादा परेशान होना पड़ रहा है। जेपी अस्पताल, एम्स, बीएमएचआरसी, जवाहर लाल नेहरू गैस राहत अस्पताल और कस्तूरबा अस्पताल में ही जांच की जा रही है।कोरोना संक्रमण के दौरान भोपाल में चार महीने पहले तक 48 फीवर क्लीनिकों में कोरोना की जांच की जा रह थी। इनमें संजीवनी क्लीनिक, शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र और कुछ सिविल डिस्पेंसरी भी शामिल थे। पिछले दो माह में पांच जगहों को छोड़ बाकी सभी क्लीनिक को बंद कर दिया गया। कोरोना मरीजों की संख्या कम होने के साथ ही जांच और इलाज के लिए खोले गए फीवर क्लीनिक भी बंद कर दिए गए। खास बात यह है कि वर्तमान में शहर के सबसे बड़े सरकारी अस्पताल हमीदिया में भी दो सप्ताह से कोरोना की जांच नहीं की जा रही है। ऐसे में सर्दी-जुकाम और फीवर के मरीजों को भी इलाज के लिए सामान्य मरीजों के साथ खड़ा होना पड़ रहा है।

विभागों का रिपोर्ट कार्ड तैयार करेंगे मंत्री, होगा प्रजेंटेशन

भोपाल। मध्य प्रदेश में केंद्र और राज्य सरकार की प्राथमिकताओं वाली योजनाओं पर तेजी के साथ काम करने के लिए सरकार कार्ययोजना बनाने जा रही है। इसके लिए सभी मंत्रियों से अपने-अपने विभाग का रिपोर्ट कार्ड तैयार करने के लिए कहा गया है। इसमें चार साल की उपलब्धि, प्रमुख मुद्दे और लक्ष्य को शामिल किया जाएगा। इसका प्रस्तुतीकरण सोमवार को मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के समक्ष होगा।

केंद्र और राज्य सरकार की प्राथमिकता वाली योजनाओं पर तेजी से काम करके लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए सोमवार को क्षमता निर्माण आयोग की साझेदारी से मंत्रियों की बैठक रखी गई है। इसमें आत्म निर्भर मध्य प्रदेश के लिए कार्ययोजना के साथ आत्म निर्भर भारत की प्राथमिकताओं पर विचार विमर्श किया जाएगा। इसमें प्रत्येक मंत्री अपने विभाग का रिपोर्ट कार्ड प्रस्तुत करेंगे। इसमें उपलब्धि के साथ प्रमुख मुद्दे और लक्ष्य बताए जाएंगे। मुख्यमंत्री कार्यालय के अधिकारियों का कहना है कि मंत्रियों के भौतिक अधोसंरचना, सुशासन, स्वास्थ्य एवं शिक्षा और अर्थव्यवस्था एवं रोजगार विषय को लेकर समूह बनाए जाएंगे। इसमें मंत्री प्रस्तुतीकरण करेंगे और फिर निष्कर्षों के आधार पर प्राथमिकताएं निर्धारित की जाएंगीं।

मुख्यमंत्री जन सेवा अभियान में यह बात सामने आई कि हितग्राहियों को योजनाओं का लाभ समय से नहीं मिल रहा है। इसको लेकर मुख्यमंत्री न केवल नाराजगी जता चुके हैं बल्कि दोषी अधिकारियों-कर्मचारियों के विरुद्ध कार्रवाई भी की है। मंत्रियों से कहा गया है कि वे जिलों का दौरा करके योजनाओं की समीक्षा करें। इसमें जहां कहीं भी गड़बड़ मिले, वहां कार्रवाई भी करें। योजनाओं का लाभ हर हाल में पात्र हितग्राहियों को समय पर मिलना ही चाहिए।

मध्यप्रदेश कांग्रेस: जिलों में बदले जा सकते हैं जिला-ब्लॉक अध्यक्ष, ग्वालियर-चंबल पर खास फोकस

भोपाल। मध्यप्रदेश में आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर प्रदेश कांग्रेस संगठन में जल्द ही बड़े बदलाव हो सकते हैं। इसे लेकर शनिवार को दिल्ली में हाई लेवल मीटिंग हुई। जिसमें कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, कांग्रेस की वरिष्ठ नेता सोनिया गांधी और राहुल गांधी के साथ मध्यप्रदेश कांग्रेस के चीफ कमलनाथ, नेता प्रतिपक्ष डॉक्टर गोविंद सिंह और दिग्विजय सिंह मौजूद रहे।

बैठक में विधानसभा चुनाव को देखते हुए कांग्रेस संगठन में जरूरी बदलाव पर चर्चा हुई। प्रदेश स्तर से लेकर ब्लॉक अध्यक्षों की परफॉर्मेंस पर बात हुई। ऐसे में संभावना है कि ग्वालियर, भोपाल समेत कई बड़े जिलों में जिलाध्यक्ष जल्दी बदले जा सकते हैं।

चंबल अंचल के एक सीनियर कांग्रेस लीडर ने बताया कि अगले साल चुनाव होने हैं। पार्टी के सामने क्षेत्र में संगठन को मजबूत करने की चुनौती है। ज्योतिरादित्य सिंधिया के साथ बीजेपी में शामिल होने वाले 22 विधायकों में से ज्यादातर इसी अंचल से है। लिहाजा इन क्षेत्रों में कांग्रेस को चुनावी नजरिए से मजबूत करने के लिए फेरबदल किए जाएंगे। ग्वालियर, शिवपुरी, भिंड, निवाड़ी, मुरैना, अशोकनगर, श्योपुर समेत करीब 16 जिलों के अध्यक्षों को बदलने पर चर्चा हुई है। सूत्रों की मानें तो जिलाध्यक्षों की नई लिस्ट पर भी अगले हफ्ते तक जारी हो सकती है।

13 जिलों में कांग्रेस का एक भी विधायक नहीं

मप्र में कांग्रेस की हालत कई इलाकों में खराब है। सबसे ज्यादा विंध्य और बुन्देलखंड में कांग्रेस कमजोर है। प्रदेश के 13 जिले ऐसे हैं, जहां कांग्रेस का एक भी विधायक नहीं है। इनमें टीकमगढ़, निवाड़ी, रीवा, सिंगरौली, शहडोल, उमरिया, हरदा, नर्मदापुरम, सीहोर, खंडवा, बुरहानपुर, नीमच और मंदसौर जिलों में किसी भी सीट पर कांग्रेस का एक भी एमएलए नहीं हैं। इन जिलों में 42 विधानसभा की सीटें हैं। इन जिलों को लेकर भी कांग्रेस खासा जोर दे रही है। एआईसीसी में करीब दो घंटे चली बैठक में इन जिलों को लेकर भी चर्चा हुई है।

एक साल बूथ मैनेजमेंट पर फोकस

लंबे समय से जिन सीटों पर कांग्रेस हार रही है, उनमें अगले एक साल तक ब्लॉक, मंडलम्, सेक्टर कमेटियों से लेकर बूथ की टीम तैयार करने पर जोर दिया जाएगा। कांग्रेस लगातार हार रहे विधानसभा क्षेत्रों में बूथ पर दो टाइप की टीमें तैयार करेगी। इनमें कांग्रेस की ओर से बूथ कमेटी बनाई जाएगी। वहीं, यूथ कांग्रेस भी डिजिटल बूथ बनाकर युवाओं की टीम तैनात कर रही है।

इंटरनेशनल वन मेले का समापन आज

6 दिन में बिके दो करोड़ की औषधि और हर्बल उत्पाद, डेढ़ लाख लोग पहुंचे

भोपाल। भोपाल में चल रहे इंटरनेशनल वन मेले में छह दिन में करीब दो करोड़ रुपए की औषधि और हर्बल उत्पाद बिक चुके हैं और डेढ़ लाख से ज्यादा लोग पहुंचे। पहली बार मेले में इतने लोग पहुंचे। उन्हें सीहोर के लट्ठ टैग प्राप्त लकड़ी के खिलौने और झाबुआ की प्रसिद्ध जनजाति के गुड़?डे-गुड़िया बच्चों को खूब भा रहे हैं। आज शाम को मेले का समापन होगा। राज्यपाल मंगुभाई पटेल मौजूद रहेंगे।

मेले में सैकड़ों औषधियां बिकने आई हैं। वहीं, औषधियों के 300 से ज्यादा स्टॉल भी लगे हैं। हर रोज यहां पर सांस्कृतिक इवेंट भी हो रहे हैं। 22 दिसंबर को बॉलीवुड एक्ट्रेस रवीना टंडन आ चुकी हैं तो मशहूर कॉमेडियन सुनील पाल का भी लॉफ्टर शो हो चुका है। रविवार को मेले में सबसे ज्यादा लोग पहुंचे।

मक्का-ज्वार की रोटी, बैंगन का भर्ता खूब पसंद आ रहा- प्रबंध संचालक राज्य लघु वनोपज पुष्कर सिंह ने बताया कि मेले में बांस से निर्मित ब्रश से लेकर सोफा और कुर्सियों के प्रति लोगों का आकर्षण है। मेले में विभिन्न प्रकार के हर्बल उत्पादों की भी खासी बिक्री हो रही है। इनमें आंवला, महुआ से बने खाद्य पदार्थ में कैंडी, अचार और सुपारी भी पसंद की जा रही है। छह दिन में मेले में एक करोड़ 92 लाख रुपए मूल्य की वन और हर्बल उत्पादों से निर्मित औषधियों की बिक्री हो चुकी है। साथ ही डेढ़ लाख से अधिक लोगों ने मेले का आनंद उठाया है।

राज्यपाल होंगे अतिथि

राज्यपाल मंगुभाई पटेल आज शाम को 7 दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय वन मेले का समापन करेंगे। वन मंत्री डॉ. कुंवर विजय शाह अध्यक्षता करेंगे। चिकित्सा शिक्षा मंत्री विश्वास सारंग विशिष्ट अतिथि होंगे।